केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले लालू एंड कंपनी सत्ता में आयी तो बनाएगी घुसपैठ घुसाओ बोर्ड - 5

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत - 8

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप - 9

चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया - 10

आज का मौसम

27.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.28

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 348, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

इस सीजन की पहली वूलन सेल पहले आओ पहले पाओ

अब बरेली में वो होगा जो पहले कभी नहीं हुआ

पूरे भारत का सबसे बड़ा डिस्काउन्ट ऑफर

A.R. OSWAL SAHAB

की सारी फैक्ट्रियों का माल आज बरेली के एक साथ

दो जगहो पर

WOOLEN SALE

WOOLEN SALE

UPTO 85% Dis.

बिक्री कर दिया जायेगा।

वूलन गारमेन्टस मेला सिर्फ 5 दिनों के लिए

बिक्री 5 दिनों के लिए:- 07, 08, 09, 10 व 11 नवम्बर 2025

शुक्रवार, शनिवार, रविवार, सोमवार व मंगलवार

समय सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक

A.R. OSWAL फैक्ट्री डिस्काउन्ट आप कभी भूल नही पायेंगे।

माफ करियेगा हमारी मजबूरी है कि हम ब्रांड के नाम नहीं लिख सकते

- ब्रान्डेड जेन्ट्स कोट पैन्ट सूट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स जॉकेट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड जेन्ट्स लोवर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स प्लोवर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स हॉफ स्वेटर
- ब्रान्डेड जेन्ट्स ओसवर इनर थर्मल
- ब्रान्डेड लेडीज जॉकेट
- ब्रान्डेड लेडीज लांग कुर्ती
- ब्रान्डेड लेडीज कार्डिगन
- ब्रान्डेड लेडीज स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड लेडीज वूलेन लैगी
- ब्रान्डेड लेडीज इनर थर्मल
- ब्रान्डेड लेडीज कैप एण्ड सॉक्स
- ब्रान्डेड किड्स जॉकेट
- ब्रान्डेड किड्स टॉप
- ब्रान्डेड किड्स स्वेट शर्ट
- ब्रान्डेड किड्स लोवर
- ब्रान्डेड किड्स जीन्स
- ब्रान्डेड किड्स कैप्री
- ब्रान्डेड किड्स कैप एण्ड साक्स

सिंगल ब्लेजर मात्र 750/-
कोट पैन्ट पूरा सूट मात्र 1150/-

कश्मीरी वर्क के शॉल व स्टॉल भी उपलब्ध है
मात्र 200/- 350/- 400/- रुपये

ब्रांडेड कोट किडज
990 से 1990 तक बिकने वाले सूट
मात्र VIP Range 500/-

हमारे रेट में GST Include है

हमारे यहाँ वूलन लेडीज सूट, शॉल, स्टॉल व साड़ी के काउन्टर भी उपलब्ध है।

ब्रांडेड वूलेन गारमेन्टस स्टार्टिंग रेट 100/- रू. से 750/- रू. तक रहेगी

All Debit and Credit Accepted Here.

हमारे यहां पर बच्चों के कम्बल मात्र 50 व 100 रू. में बिक्री किए जाएंगे।

मुलायम फैब्रिक से बने विन्टर गारमेन्टस
ए.आर. ओसवाल फैक्ट्रियों में सभी गारमेन्ट्स की सिलाई इन्टरनेशनल मशीन द्वारा की जाती है।

VIP रैंज के काउन्टर अलग से उपलब्ध है

बिक्री स्थान-

होटल रोहिला

2 सिविल लाइन, नजदीक गांधी उद्यान, कंपनी गार्डन, बरेली

PARKING FREE

ENTRY FREE

स्वयंवर बैंकट हॉल

निकट के.के. हॉस्पिटल, राजेन्द्र नगर, बरेली

वाद्ययंत्रों की खरीद में सामने आई 25 लाख रुपये की गड़बड़ी

शासन ने घटाई आवंटित धनराशि, जांच के बाद पुराने आदेश रद्द, संस्कृति विभाग से चयनित गांवों में खरीदे गए हैं 825 वाद्ययंत्र सेट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : संस्कृति विभाग से चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेटों की खरीद में गड़बड़ी की जांच के बाद शासन ने पहले स्वीकृत लगभग तीन करोड़ रुपये की धनराशि में कटौती करते हुए नया आदेश जारी किया है। 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति को रद्द करते वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

दैनिक अमृत विचार ने सबसे पहले इस गड़बड़ी को 4 अप्रैल, 2025 को उजागर किया था। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मामले की जांच का आदेश दिया। प्राथमिक जांच में सहायक निदेशक डॉ. राजेश अहिरवार और वैयक्तिक सहायक कुलदीप सिंह को निलंबित कर दिया गया था। साथ ही, शासन ने किट के वितरण और भुगतान पर रोक लगा दी थी। अब नए शासनादेश के बाद सामने आया है कि करीब 25 लाख रुपये हड़पने की तैयारी थी। नए शासनादेश में कहा गया है कि वर्ष 2024-25 में चयनित ग्राम पंचायतों के लिए 825 वाद्ययंत्र सेट क्रय किए गए थे। इसके लिए शासनादेश संख्या 385/2024 दिनांक 27 नवंबर 2024 के तहत 2,95,11,100 रुपये की प्रशासकीय व वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। मगर खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायत पर जांच शुरू होने से भुगतान रोक दिया गया था। अब जांच पूर्ण होने के बाद संस्कृति अनुभाग द्वारा जारी नवीन शासनादेश संख्या 323/2025 में पुराने आदेश को निरस्त करते हुए वास्तविक व्यय के आधार पर 2,70,73,002 रुपये की स्वीकृति दी गई है।

संस्कृति विभाग की संयुक्त सचिव उमा द्विवेदी की ओर से जारी शासनादेश में यह भी स्पष्ट किया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल वाद्ययंत्र खरीद के लिए ही किया जाएगा और किसी अन्य मद में खर्च नहीं किया जा सकेगा। साथ ही वित्तीय नियमों और नीतिगत दिशा-निर्देशों के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

अमृत विचार में 4 अप्रैल,2025 के अंक में प्रकाशित खबर।

12 हजार की किट 32,800 में खरीदने का था आरोप

लोक कल्याण वाद्य यंत्र योजना के तहत लोक कलाकारों को पांच वाद्ययंत्रों- हारमोनियम, तबला, घुंघरू, मजीरा और ढोलक की किट दी जानी थी। पिछले दिनों प्रदेश सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर 825 किट की खरीद और वितरण के निर्देश दिए गए थे। शिकायत के बाद पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के आदेश पर हुई जांच में सामने आया कि संस्कृति विभाग ने सहायक निदेशक की अध्यक्षता में एक क्रय समिति गठित की थी, जिसने बाजार मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक दर पर खरीद की संस्तुति दी। औसतन 12 हजार की किट कुछ जगह 32,800 में खरीदी गईं, जिससे लगभग 25 लाख की गड़बड़ी उजागर हुई।

ओपीडी बंद है तो मरीज के मोबाइल पर आएगा मैसेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- केजीएमयू प्रशासन जल्द शुरू करेगा नई व्यवस्था

अमृत विचार: किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) ने मरीजों की सुविधा के लिए एक नई व्यवस्था शुरू करने की तैयारी की है। अब अगर ओपीडी बंद होगी तो उसकी जानकारी सीधे मरीज के मोबाइल नंबर पर मैसेज के जरिए दी जाएगी। इससे दूर-दराज के जिलों जैसे गोरखपुर, जौनपुर, बाराबंकी, देवरिया आदि से आने वाले मरीजों को अनावश्यक परेशानियों से राहत मिलेगी।

केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि कई बार मरीजों को ओपीडी बंद होने की जानकारी समय पर नहीं मिलती। ऐसे में वे सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर लखनऊ पहुंचते हैं और यहां आकर पता चलता है कि ओपीडी बंद है। इस वजह से उन्हें समय और पैसे दोनों का नुकसान झेलना पड़ता है। नई व्यवस्था से इस समस्या का समाधान होगा। उन्होंने बताया कि मरीज जब ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेते हैं या पंजीकरण कराते हैं, तब अपना मोबाइल नंबर दर्ज करते हैं। इसी नंबर पर ओपीडी बंद होने की सूचना भेजी जाएगी। उम्मीद है कि यह व्यवस्था अगले एक महीने के भीतर लागू कर दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पीजीआई में बच्चों के दिल का उपचार शुरू

अमृत विचार, पीजीआई/लखनऊ: एसजीपीजीआई में जन्मजात हृदय रोगों से जूझ रहे बच्चों के लिए राहत की खबर है। अब संस्थान में बच्चों के दिल के छेद और वॉल्व संबंधी सर्जरी शुरू हो गई है। इसके लिए पीजीआई में बच्चों के लिए छह बेड का विशेष आईसीयू, 30 बेड का वार्ड और एक ऑपरेशन थिएटर आरक्षित किया गया है। पहले जहां ऐसे मामलों में बच्चों को इलाज के लिए दिल्ली या अन्य बड़े शहरों के अस्पतालों में जाना पड़ता था, अब यह सुविधा लखनऊ में ही उपलब्ध हो गई है। सीवीटीएस विभागाध्यक्ष डॉ. एसके अग्रवाल ने बताया कि अब पीजीआई में हर माह 10 से अधिक बच्चों के ऑपरेशन किए जा रहे हैं। पीजीआई में बच्चों के हृदय रोगों के समग्र उपचार के लिए 200 बेड का अत्याधुनिक केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसमें 100 बेड आईसीयू के होंगे। नवजात से लेकर 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए यह सेंटर एक बड़ा सहारा बनेगा।

डी. फार्मा की काउंसिलिंग की तिथि बढ़ाई गई

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित डिप्लोमा इन फार्मेसी (डी. फार्मा) पाठ्यक्रम की पांचवें चरण की ऑनलाइन काउंसिलिंग में विकल्प चयन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकल्प चयन की अंतिम तिथि 4 से 6 नवंबर थी, जिसे अब 7 नवंबर दोपहर 12 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थी काउंसिलिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट www.jeecup.admissions.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं या सहायता के लिए परिषद के दूरभाष 0522-2630106, 2630695, 2636667, 2636589 पर संपर्क कर सकते हैं।

50 लाख डुप्लीकेट नाम बने चुनौती

मतदाता सूची से काटे जाएंगे नाम, 15 तक सत्यापन का कार्य पूरा करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में पंचायत चुनाव की मतदाता सूची से 52 लाख डुप्लीकेट नाम कटेंगे। तमाम जिलों को राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से भेजे गए पत्र में 15 नवंबर तक सत्यापन का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। 15 जनवरी को अंतिम वोटर लिस्ट जारी होगी।

इस बीच सामने आ रहीं त्रुटियों के मद्देनजर 15 जनवरी को अंतिम मतदाता सूची जारी करने से पहले यह काम पूरा होना बड़ी चुनौती बना हुआ है। दरअसल, नामों की डुप्लीकेसी को देखते हुए नाम काटने के निर्देश जिलाधिकारियों को अगस्त में ही दिया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि अधीनस्थ अधिकारी ढुलमुल रवैया दिखाते रहे। फिलहाल मात्र 13.28 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन किया गया है और इसमें से 1.63 लाख मतदाता गलत मिले हैं।

वहीं, 2.14 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाना बाकी है। अकेले पीलीभीत के पूरनपुर ब्लॉक में ही 97 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। सैदपुर गाजीपुर में 71 हजार, पडरौना के 63 हजार और हापुड़ में 61 हजार डुप्लीकेट मतदाता हैं। ऐसे ही वाराणसी, बिजनौर, आजमगढ़, जौनपुर व अंबेडकरनगर इत्यादि जिलों में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट वोटर हैं।

अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे पंचायत चुनाव : प्रदेश में वर्ष 2026 में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत स्तर पर होने हैं, जो हर 5 वर्ष में होते हैं। माना जा रहा है कि चुनाव अप्रैल तक संपन्न हो जाएंगे। राज्य में लगभग 58000 पंचायतें, 8000 पंचायत वार्ड और 800 से जिला पंचायत वार्ड हैं, जिनमें 50 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन पंचायत चुनाव के लिए जनवरी 2026 में अधिसूचना जारी हो सकती है और फरवरी-मार्च 2026 में कई चरणों में चुनाव हो सकते हैं। एससी/एसटी आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया पूरी होते ही आयोग चुनाव कार्यक्रम घोषित करेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

- चुनाव से पहले मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी आई सामने
- पीलीभीत, बिजनौर सहित कई जिलों में नामों का दोहराव मिला
- पूरनपुर ब्लॉक में ही लगभग 97,000 नाम दोहराए गए

लापरवाही पर कठोर कार्रवाई तय

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार की बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी, शामली के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनका स्पष्टीकरण मांगे जाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किसी भी स्तर पर कार्य में लापरवाही तथा दिये गये निर्देशों की अवहेलना पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं से विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की है।

खर्च सीमा में बढ़ोतरी

पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच आयोग ने प्रत्याशियों के लिए खर्च सीमा में भी बढ़ोत्तरी की है। ग्राम प्रधान अब अधिकतम 1.25 लाख रुपये खर्च कर सकेंगे, जबकि जिला पंचायत सदस्य के लिए यह सीमा 2.5 लाख रुपये है। सर्वाधिक 7 लाख रुपये जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए तय किए गए हैं। आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने और खर्च पर नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक, बैलेट पेपर की छपाई का काम भी शुरू हो चुका है।

मतदाताओं के लिए बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा गुरुवार को सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जानकारी दी कि मतदाताओं की सुविधा के मद्देनजर बुक ए कॉल विद बीएलओ की सुविधा प्रदान की गई है, जिसके तहत कोई भी मतदाता voters.eci.gov.in पोर्टल के माध्यम से अपने बीएलओ से बात करने की रिक्वेस्ट डाल सकता है। जिसे बीएलओ को अगले 48 घंटों के भीतर आवेदक से संपर्क कर निस्तारण करना है। बुक ए कॉल सुविधा का वोटर हेल्पलाइन 1950 की ही भांति प्रचार-प्रसार करते हुए क्रियाशील रखने के निर्देश सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए। समीक्षा बैठक में सामने आया कि सभी जिलों में गणना प्रपत्र की छपाई का कार्य पूरा कर लिया गया है। वितरण में धीमी प्रगति वाले जिलों को वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। इसी क्रम में जिन मतदाताओं के नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची में शामिल है उनकी वर्तमान मतदाता सूची से मैपिंग के कार्य को अगले तीन दिनों के भीतर पूरे किए जाने के निर्देश मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिये गये।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित शुक्रवार के दौरे को लेकर वाराणसी में रेलवे स्टेशन पर तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : मुख्यमंत्री

योगी ने बनारस रेलवे स्टेशन पर की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी दौरे से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह बनारस रेलवे स्टेशन पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों से स्टेशन परिसर के सुंदरीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाओं, और प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल से जुड़ी तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के आगमन के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु, व्यवस्थित और उच्च गुणवत्ता की होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री ने रेलवे और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली और सभी व्यवस्थाओं को सर्वोच्च स्तर पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री मोदी का काशी दौरा आज

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार शाम को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचेंगे। वहां पीएम मोदी का स्वागत राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस दौरे पर प्रधानमंत्री वाराणसी से रेल यातायात को बड़ी सौगात देंगे। वहीं, बनारस से लेकर बेंगलुरु तक को चार नई वंदे भारत ट्रेन भी मिलेंगी। इस कड़ी में प्रधानमंत्री बनारस-खजुराहो, लखनऊ-सहारनपुर, फिरोजपुर-दिल्ली और एर्नाकुलम-बेंगलुरु वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। कुल मिलाकर यात्री सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा मिलने जा रहा है। वहीं पीएम मोदी वाराणसी में प्रबुद्धजनों से भी संवाद करेंगे। इस दौरान सीएम योगी भी साथ रहेंगे।

बाबा विश्वनाथ व काल भैरव के किए दर्शन : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी प्रवास के दूसरे दिन गुरुवार को बाबा काल भैरव और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की।

रालोद का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 को

अमृत विचार, लखनऊ: राष्ट्रीय लोकदल का राष्ट्रीय अधिवेशन 16 नवंबर को मथुरा में आयोजित किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के 2000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल होंगे। अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की घोषणा होगी। रालोद का यह अधिवेशन संगठन की मजबूती और आगामी राजनीतिक दिशा तय करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिवेशन में प्रदेश भर से आए पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, वरिष्ठ नेता, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ एवं किसान प्रकोष्ठ के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

ईडी ने चार राज्यों के 16 ठिकानों पर मारा छापा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई
- मोनाड विवि,सरस्वती मेडिकल कॉलेज, फरीदाबाद, गुरुग्राम, दिल्ली में दस्तावेज खंगाले

अमृत विचार: ईडी ने गुरुवार को फर्जी मार्कशीट-डिग्री बनाने वाले गिरोह व संस्थानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई। ईडी की 10 टीमों ने उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व पंजाब के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के गोमतीनगर स्थित आवास पर भी छापेमारी की गई।

टीम ने हापुड़ के मोनाड यूनिवर्सिटी, सरस्वती मेडिकल कॉलेज उन्नाव के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, सोनीपत व दिल्ली में दस्तावेज खंगाले। ईडी के हाथ कई अहम दस्तावेज लगे हैं। लखनऊ जोन की टीम ने एसटीएफ की जांच में सामने कई तथ्यों के आधार पर कार्रवाई शुरू की। जांच में पता चला था कि मोनाड यूनिवर्सिटी से मेडिकल, इंजीनियरिंग और एमबीए की फर्जी डिग्री बांटने का नेटवर्क चल रहा है। उसके साथ यूपी, दिल्ली और हरियाणा के कई और कालेज भी इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं।

मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरमैन के ठिकानों की तलाशी

ईडी ने मोनाड यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन विजेन्द्र हुड्डा के कई ठिकानों पर भी दबिश दी। विजेन्द्र का नाम फर्जी डिग्री मामले में सरगना के तौर पर सामने आया था। उस समय एसटीएफ ने उसे गिरफ्तार भी किया था। उसके ठिकानों से कई इलेक्ट्रानिक वस्तुएं ईडी ने जब्त की है। एसटीएफ ने वर्ष 2023 में मोनाड यूनिवर्सिटी में फर्जी डिग्री व मार्कशीट के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया था। उस समय सामने आया था कि किसी भी विश्वविद्यालय के फेल विद्यार्थियों को 50 हजार से दो लाख रुपये लेकर नकली डिग्री व मार्कशीट यहां से मिल जाती थी। यह भी पता चला था कि पांच साल में इस फर्जीवाड़े से करीब 20 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज व प्रिंसिपल के घर छापा

ईडी की टीम उन्नाव के कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सोहरामऊ स्थित सरस्वती मेडिकल कालेज में गुरुवार पहुंची। प्रशासनिक भवन के कर्मचारियों और प्रिंसिपल समेत सभी के मोबाइल जब्त कर लिए। कालेज के सभी कम्प्यूटरों की हार्ड डिस्क कब्जे में लेने के साथ ही सर्वर रूम को सील कर दिया। उन्नाव के सरस्वती मेडिकल कालेज से कई तथ्य हाथ लगने के बाद प्रिंसिपल अखिलेश मौर्य के गोमतीनगर विस्तार में बने घर में भी छापा मारा, यहां से कई दस्तावेज जब्त किए।

आगरा में बनेगा प्रदेश का तीसरा साइंस पार्क

लखनऊ/आगरा, अमृत विचार: लखनऊ और गोरखपुर के बाद अब आगरा में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त साइंस पार्क और नक्षत्रशाला की स्थापना होगी। कोठी मीना बाजार मैदान के सामने, एसीपी लोहा मंडी कार्यालय के पीछे आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और केंद्रीय राज्य मंत्री (सांसद) प्रो. एसपी सिंह बघेल ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया।

कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं हवन कर 39.62 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले साइंस पार्क व नक्षत्रशाला की नींव रखी गई।

जरूरतें पूरी कर गांवों को मॉडल बनाने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हर जिले की 10 ग्राम पंचायत चयनित, 1.50 करोड़ बजट

अमृत विचार : पंचायती राज विभाग ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों को शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से मॉडल बनाने की कवायद शुरू कर दी है।

इस कवायद में शामिल लखनऊ विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, डॉ. बीआर आम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस व डॉ. भीमराव आम्बेडकर यूनिवर्सिटी आगरा आदि के पीएचडी स्कॉलर ग्राम सचिवों के साथ क्षेत्रों में जाकर वार्षिक ग्राम पंचायत विकास योजना बनाने में लगे हैं। 31 जनवरी तक प्लान तैयार करके अपलोड किया जाएगा। विभाग ने पहले चरण में सभी 75 जिलों की 10-10 ग्राम पंचायतें वार्षिक योजना बनाने के लिए चयनित की हैं।

पीएचडी स्कॉलर गांव में शोध करके ग्रामीणों की जरूरतों को समझकर प्लान में शामिल करेंगे, जो विकास कार्यों के लिए बेहद जरूरी होगा। पहले चरण में कुल 1.50 करोड़ रुपये बजट प्रस्तावित किया गया है।

इले. वाहनों की खरीद पर 2027 तक छूट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले परिवहन मंत्री, भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन ही परिवहन का मुख्य आधार

अमृत विचार : प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के प्रयासों से अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स में अक्टूबर 2027 तक शत-प्रतिशत छूट दी जाएगी।

परिवहन मंत्री ने बताया कि सतत एवं स्वच्छ गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए वर्ष 2022 में लागू उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण एवं गतिशीलता नीति-2022 में संशोधन किया गया है। इस संशोधन को पांच नवंबर 2025 की अधिसूचना के तहत प्रभावी किया गया है। इसके अनुसार 14 अक्टूबर 2025 से 13 अक्टूबर 2027 के बीच खरीदे गए और पंजीकृत शुद्ध विद्युत वाहनों को पंजीकरण शुल्क और रोड टैक्स से पूर्णतः मुक्त किया गया है। यह छूट प्रदेश में दोपहिया, तीनपहिया, चारपहिया वाहनों, ई-बसों और ई-गुड्स कैरियर पर लागू होगी। मंत्री ने बताया कि शुद्ध विद्युत वाहनों की बिक्री को और प्रोत्साहित करने के लिए एग्रीगेटर या फ्लिट ऑपरेटरों को भी सब्सिडी का लाभ दिया गया है। अब वे अधिकतम दो, तीन या चार पहिया वाहनों के 10 यूनिट, तथा ई-बस अथवा ई-गुड्स कैरियर के 25 यूनिट तक पर सब्सिडी प्राप्त कर सकेंगे।

दयाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और उपयोग को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ परिवहन व्यवस्था को भी सुचारु बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में जीवाश्म ईंधन की उपलब्धता कम होती जाएगी।

शुद्धि-पत्र

दिनांक 31.10.2025 को कार्यालय जिला पंचायत, पीलीभीत की ई-निविदा सूचना समाचार पत्र में प्रकाशित की गयी थी। उक्त सूचना में वित्तीय वर्ष 2025-26 की स्वीकृत 25 परियोजनाओं का उल्लेख त्रुटिवश हो गया था। जबकि स्वीकृत 95 परियोजनाओं का उल्लेख होना था। उक्त स्वीकृत 25 परियोजनाओं के स्थान पर स्वीकृत 95 परियोजनाओं को पढ़ा जायेगा।

शुद्धि पत्र

सूचित किया जाता है कि कार्यालय ग्राम पंचायत मानपुर अहियापुर विकास खण्ड क्यारा जिला बरेली का विज्ञापन दिनांक 06.11.2025 के अंक में प्रकाशित हुआ था जिसमें टेंडर की दिनांक 06.11.2025 से 12.11.2025 पढ़ी व समझी जाये।

न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) बहेड़ी, बरेली
वाद सं. टी202512130507045

धारा 207 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006 आराजी ग्राम तिगरी परगना चौमहला तहसील बहेड़ी जिला बरेली। गाटा सं. 404 रकबा 0.3620 हे. पर स्थित ग्राम तिगरी परगना सरसावा तहसील बहेड़ी जिला बरेली
इमरान खां पुत्र नन्हे निवासी ग्राम तिगरी परगना चौमहला तहसील बहेड़ी जिला बरेली (वादी) बनाम 1. नजीर अहमद पुत्र श्री फतेहशेर नि. ग्राम तिगरी परगना चौमहला तह. बहेड़ी जिला बरेली। 2. गांव सभा ग्राम तिगरी परगना चौमहला तहसील बहेड़ी जिला बरेली द्वारा ग्राम प्रधान। 3. राज्य सरकार उ.प्र. द्वारा कलैक्टर बरेली जनपद बरेली। उत्तर प्रदेश की राजस्व संहिता की धारा 207 के अंतर्गत आपको सूचित किया जाता है कि उक्त वाद इमरान खां पुत्र नन्हे निवासी ग्राम तिगरी परगना चौमहला तहसील बहेड़ी जिला बरेली (वादी) द्वारा योजित किया गया है। यदि आपको इस वाद पत्र के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में दिनांक 11.11.2025 को प्रातः 10 बजे स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना लिखित कथन प्रस्तुत करें। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में यह समझा जाएगा कि आपको इस सम्बन्ध में कुछ नहीं कहना है और तदानुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। सम्मन वास्ते प्रकाशन मेरे न्यायालय से आज दिनांक 30.10.25 को हस्ताक्षरित एवं मुद्रित करके जारी किया गया।
उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बहेड़ी जिला बरेली।

कार्यालय ग्रा.पं. जासपुर वि.खं. भदपुरा (बरेली)
निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मों व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जासपुर में मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री विवरण निम्नवत् है-ईट, बजरफुट, सरिया, सीमेंट, रेता व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है। निविदा पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.11.2025 से 10.11.2025 अपरान्ह 2 बजे तक जमा की जाती है जो उसी दिन सायं 4 बजे खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना किसी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	ल.	चौ.	अनु. लागत
1.	वनवारी लाल के घर से हारिश के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	45 मी	3 मी	195827/-
2.	खलील के घर से बब्लू के घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	45 मी	3 मी	182271/-

ग्राम प्रधान-कृष्णा देवी — सचिव-बृजेश कुमार

कार्यालय ग्राम पंचायत जटपुरा उर्फ मुगलपुर विकास खण्ड मीरगंज (बरेली)
निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जटपुरा उर्फ मुगलपुर विकासखंड मीरगंज में वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत पंद्रहवां वित्त/एफ.सी. एवं RGSA योजना के अंतर्गत कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के निर्माण हेतु उच्चकोटि/गुणवत्तापूर्वक सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	आपूर्ति हेतु सामग्री
1.	कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) का निर्माण	4.99 लाख (रूपये)	सीमेंट, रेता, बजरफुट, बजरी, सरिया, ईट, रोडी, आयरन, चौखट खिड़की, एंगिल, पेंट, प्राइमर, पुट्टी, फर्नीचर, सैनेट्री, लाइट फिटिंग आदि।

उक्त कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 07.11.2025 से 14.11.2025 तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जो उसी दिन दोपहर 02:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी के लिए किसी भी दिन कार्यालय ग्राम पंचायत से सम्पर्क कर सकते है।
ग्राम प्रधान-श्रीमती रामवती — सचिव-श्री ओमेंद्र कुमार

कार्यालय ग्राम पंचायत नथपुरा विकास खण्ड मीरगंज (बरेली)
निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत नथपुरा विकास खंड-मीरगंज में वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत पंद्रहवां वित्त/एफ.सी. एवं RGSA योजना के अंतर्गत कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के निर्माण हेतु उच्चकोटि/गुणवत्तापूर्वक सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	आपूर्ति हेतु सामग्री
1.	कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) का निर्माण	4.99 लाख (रूपये)	सीमेंट, रेता, बजरफुट, बजरी, सरिया, ईट, रोडी, आयरन, चौखट खिड़की, एंगिल, पेंट, प्राइमर, पुट्टी, फर्नीचर, सैनेट्री, लाइट फिटिंग आदि।

उक्त कार्य हेतु ग्राम पंचायत द्वारा दिनांक 07.11.2025 से 14.11.2025 तक मुहरबन्द निविदा आमंत्रित की जाती हैं। जो उसी दिन दोपहर 02:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा संबंधी जानकारी के लिए किसी भी दिन कार्यालय ग्राम पंचायत से सम्पर्क कर सकते है।
प्रधान — सचिव

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले लालू एंड कंपनी सत्ता में आयी तो बनाएगी घुसपैठ घुसाओ बोर्ड - 5

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत - 8

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप - 9

चौथे टी-20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराया - 10

आज का मौसम

27.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.28

सूर्यास्त 05.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वितीया 11:05 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 348, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

आरजेडी में 'ए' से अपहरण और 'फ' से फिरौती : मोदी

प्रधानमंत्री बोले- जंगलराज लाने वालों को जनता देगी जवाब

● भागलपुर में कहा - इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग

भागलपुर/अररिया, एजेंसी

भागलपुर में रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मान देते भाजपा नेता। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बिहार की जनता, विशेषकर माताएं और बेटियां, बड़ी संख्या में मतदान कर रही हैं ताकि राजद के जंगलराज को वापस आने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि फिर एक बार बिहार में सुशासन की सरकार बननी चाहिए। बिहार के भागलपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने राजद और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों ने बिहार के गरीबों और महिलाओं के हितों के बारे में कभी नहीं सोचा।

राजद पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जंगलराज की पाठशाला में 'ए' का मतलब होता है अपहरण और 'फ' का मतलब फिरौती सिखाया जाता है। इनकी पाठशाला में 'घ' से घोटाला और 'प' से परिवारवाद की ट्रेनिंग भी दी जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भागलपुर दंगा और सिख नरसंहार कांग्रेस के काले अध्याय हैं जिन्होंने देश को शर्मसार किया था। उन्होंने कहा, राजद और कांग्रेस ने कभी महिलाओं के खाते खोलने के बारे में नहीं सोचा। आज वे पोस्टरों में साथ तो दिखते हैं, लेकिन एक-दूसरे का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं हैं। राजद के पोस्टरों में कांग्रेस के नामदार का चेहरा तक गायब है। राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष कटाक्ष करते हुए मोदी ने कहा, राजद ने कांग्रेस से मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी बंदूक की नोक पर छीन ली, और कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। दोनों दल सत्ता की लड़ाई में एक-दूसरे को खत्म करने पर उतारू हैं।

टेक्नोलॉजी, टूरिज्म व टेक्सटाइल का हब बनाएंगे हम

बिहार के विकास के लिए राजग सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, हम बिहार को टेक्नोलॉजी, टूरिज्म और टेक्सटाइल का हब बनाना चाहते हैं। हमने रोजगार सृजन के लिए ठोस रोडमैप तैयार किया है और निवेशक बिहार में निवेश को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कांग्रेस पर छठ महापर्व का अपमान करने का आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस के नामदार ने छठ महापर्व का अपमान किया जो बिहार का अपमान है। वे तुष्टिकरण की राजनीति के चलते बिहार की आस्था का भी मजाक उड़ा रहे हैं। अब वही लोग घुसपैठियों की रक्षा करने में जुटे हैं। लोगों से अपील की कि वे बड़े पैमाने पर मतदान कर विकास, सुरक्षा और सुशासन की सरकार को फिर से सत्ता में लाएं।

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं: योगी

बेतिया, एजेंसी

● मुख्यमंत्री ने बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में भरी हुंकार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को बिहार के लौरिया, बेतिया और परिहार विधानसभा क्षेत्र में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ सभाएं कर विपक्ष पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जो राम का नहीं, वह हमारे किसी काम का नहीं। अब बिहार में भी यूपी की तरह माफिया राज समाप्त होगा। जो खानदानी माफिया हैं, उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

जनसभाओं में योगी ने चेतावनी दी कि जैसे यूपी में माफिया पस्त हुआ, वैसे ही बिहार में भी एनडीए की सरकार बनते ही माफिया का अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में रुझान बता रहे हैं कि 14 नवंबर को परिणाम आने पर फिर एनडीए सरकार का नारा बुलंद होगा। नौजवान, किसान, माताएं, बहनें सब एनडीए के साथ हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद की दलाली रोक दी गई है, इसलिए वे मोदी जी को गाली देते हैं। बिजली एनडीए देगी, लालटेन की लाइट में मोबाइल-लैपटॉप नहीं चार्ज हो सकता। योगी ने कमल और तीर के निशान पर बटन दबाकर बिहार को विकास के पथ पर अग्रसर करने का आह्वान करते हुए कहा कि अयोध्या में श्रीराम के भव्य मंदिर के बाद अब सीतामढ़ी में मां जानकी धाम पर भी भव्य मंदिर का निर्माण होगा। यह कार्य केवल एनडीए ही कर सकता है।

बिहार के बेतिया में एनडीए प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मोदी-नीतीश की जोड़ी से बदला भारत और बिहार

योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश की जोड़ी ने देश और बिहार का चेहरा बदल दिया है। पिछले 11 वर्षों में भारत की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली हैं। सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, एयर कनेक्टिविटी, मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज हर क्षेत्र में विकास हुआ है। एनडीए सरकार ने 80 करोड़ को मुफ्त राशन, 50 करोड़ को स्वास्थ्य बीमा, 12 करोड़ को उज्ज्वला गैस, 4 करोड़ को आवास व 3 करोड़ को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए।

मुख्यमंत्री बोले- सड़क और पुल तक का होता था अपहरण

बेतिया में योगी ने कहा कि राजद शासन में सड़क और पुल तक का अपहरण हो जाता था। वर्ष 1990 से वर्ष 2005 के बीच 60 से अधिक जातीय नरसंहार और 30 हजार से ज्यादा अपहरण हुए। इंजीनियर, डॉक्टर, बच्चे, व्यापारी तक सुरक्षित नहीं थे। योगी ने कहा कि जब भी माफिया और अपराधियों को सत्ता का स्वाद चखाओगे, जनता को कीमत चुकानी पड़ेगी। दंगाइयों और अपराधियों को सत्ता का स्वाद नहीं चखने देना है।

रैना और धवन की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच

नई दिल्ली, एजेंसी

● ईडी ने सट्टेबाजी एप मामले में की कार्रवाई, कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों व अभिनेताओं से भी की पूछताछ

ईडी ने गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना और शिखर धवन की 11.14 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति कुर्क की।

कुर्की में सुरेश रैना के नाम पर 6.64 करोड़ रुपये मूल्य के म्यूचुअल फंड निवेश और शिखर धवन के नाम पर 4.5 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपत्ति शामिल है। ईडी ने जांच के तहत इन दोनों क्रिकेटर के अलावा युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा जैसे अन्य पूर्व क्रिकेटरों, अभिनेता सोनू सूद, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती और अंकुश हाजरा (बंगाली अभिनेता) से भी पूछताछ की है। कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ में पंजीकृत '1एक्सबेट' को पोर्टल द्वारा सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों के अनुभव के साथ विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज बताया गया है।

पहले चरण में रिकॉर्ड 64.66% मतदान

पटना/लखीसराय एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को 121 सीट पर मतदान संपन्न हो गया। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विनोद सिंह गुंजियाल ने बताया कि शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 3.75 करोड़ मतदाताओं में करीब 64.66 प्रतिशत ने मतदान किया, जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि यह आंकड़ा कुल 45,341 मतदान केंद्रों में से 41,943 केंद्रों से प्राप्त सूचनाओं पर आधारित है। वहीं, लखीसराय में उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन उनके वाहनों के काफिले पर मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के समर्थकों ने हमला किया। ये लोग इलाके में मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे थे। मामले में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने घटना पर संज्ञान लेते हुए डीजीपी को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा, यह अनंतिम आंकड़ा है, क्योंकि कुछ मतदान केंद्रों से सूचनाएं अभी आनी बाकी हैं। अंतिम मतदान प्रतिशत के आंकड़े के इससे अधिक रहने की संभावना है।

वोट डालने के बाद सीएम नीतीश व अन्य।

बिहार संग्राम

● डिप्टी सीएम विजय सिन्हा की कार पर राजद समर्थकों ने चप्पल और पत्थर फेंके चुनाव आयोग बोला सख्त एक्शन लेंगे

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

बरेली में प्रथम बार

नव दिवसीय अद्भुत एवं विलक्षण अनुष्ठान

स्नेह निमंत्रण...

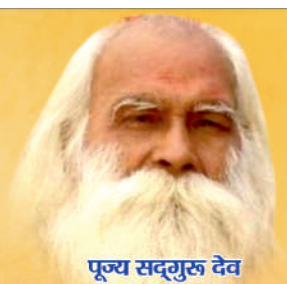

पूज्य सद्गुरु देव
भगवान श्री श्री 1008 स्वामी
रामाश्रम जी महाराज परमहंस

नव कुण्डीय सहस्र चण्डी महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत महापुराण कथा

शुक्रवार 7 नवम्बर से शनिवार 15 नवम्बर 2025 तक

स्थान: कृष्णा नगर कॉलोनी, निकट काशीनाथ लॉज, दुर्गानगर बरेली।

कथा व्यास :
शक्ति उपासक
आचार्य रमाकान्त दीक्षित

9412463697, 7906848625
7906848625, 9412463697
AaradhyaJyotish Kendra
ramakantdixit84@gmail.com
आचार्य रमाकान्त दीक्षित
आचार्य रमाकान्त दीक्षित जी महाराज

कार्यक्रम रूपरेखा

शुक्रवार 7 नवम्बर 2025
कलश यात्रा.....प्रातः 10:30 बजे
अरणी मन्थन द्वारा अग्नि प्राकट्य.....दोपहर 1:00 बजे
श्याम बाबा की भजन संध्या.....सायं 7:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक

नव कुण्डीय सहस्रा चण्डी महायज्ञ
प्रतिदिन प्रातः 8:00 से दोपहर 1:00 बजे तक

शनिवार 8 नवम्बर से शुक्रवार 14 नवम्बर 2025 तक
श्रीमद् भागवत कथा
समय- प्रतिदिन दोपहर 4:00 से सायं 7 बजे तक

इस महायज्ञ में आप सपरिवार सस्नेह सादर आमंत्रित हैं

आयोजकः बाबा महाकाल सेवा ट्रस्ट
सम्पर्क सूत्रः
7906285736, 6396459956, 9358759394, 9457697576,
9410431083, 9837087706, 8218089189

निवेदक : आर.के. दीक्षित, एस्ट्रोलाजर
आराध्य ज्योतिष केन्द्र, कृष्णा नगर कॉलोनी, बरेली
मो.: 9412463697, 7906848625

न्यूज ब्रीफ

नौकरी के नाम पर 9 लाख की ठगी

भमोरा, अमृत विचार : सेना में नौकरी लगवाने के नाम पर ठग ने नौ लाख रुपये ठग लिये। पीडित नेआरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। आंवला निवासी सचिन प्रजापति ने बताया कुछ समय पूर्व भमोरा थाना क्षेत्र के एक युवक से उनकी जान पहचान हुई थी। उसने एक फौजीसे पहचान होने और सेना में नौकरी लगवाने की बात कही तो उनकी बातों में उन्होंने खाते से 4 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। जिसके बाद उड़ीसा जाने को कहा वहा पर वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद 5 लाख रुपए और ले लिए। काफी महीने के बाद ठगी का एहसास हुआ।

बड़े भाई पर किया चाकू से हमला

क्योलड़िया, अमृत विचार : शराब के लिए पैसे मांगने पर छोटे भाई ने बड़े भाई पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र के गांव वैवाही के बालवीर 2 नवंबर को अपने भाई रामकृष्ण व रामकिशन और मां के साथ बाजार से गांव वापस जा रहे थे। वह लोग गांव में पहुंचे तभी छोटे भाई रामकिशन ने मझले भाई रामकृष्ण से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। रामकृष्ण के मना करने पर रामकिशन ने चाकू निकालकर गर्दन पर वार कर दिया।

बाइक सवार को टक्कर मारकर पिकअप पलटी

हादसे में बाइक सवार गंभीर घायल, पिकअप पर लदीं सैकड़ों मुर्गियां मरीं

मीरगंज, अमृत विचार

मुर्गियों से भरा वाहन सड़क किनारे पलट गया। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुर्गियों से भरी तेज रफ्तार पिकअप ने गुरुवार सुबह एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर के बाद पिकअप भी अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे वाहन में लदी सैकड़ों मुर्गियां भी मर गईं। हादसे के बाद चालक पिकअप को छोड़कर फरार हो गया।

हाईवे पर गुरुवार सुबह नल नगरिया चौराहे केपास मुर्गियों से भरी तेज रफ्तार पिकप ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी और अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर घायल हो गया, वहीं पिकअप में लदी तमाम मुर्गियों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाया। पिकअप को कब्जे में ले लिया है। हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कई लोगों ने सड़क पर पड़ी मृत और जिंदा मुर्गियों को समेटना भी शुरू कर दिया। गांव गूला निवासी शक्ति सिंह टोल प्लाजा के पास पेट्रोल पंप पर काम पर बाइक से जा रहे थे। नल नगरिया चौराहा सरकारी स्कूल के पास मुर्गा लदे कैंटर ने पीछे से जोरदार तक मार दी। इससे शक्ति सिंह घायल हो गए । टक्कर के बाद मुर्गा लदा वाहन सड़क किनारे जाकर पलट गया ।

ट्रॉली - ईको भिड़ीं

नवाबगंज, अमृत विचार : बरखन रोड पर गुरुवार सुबह ट्रैक्टर-ट्रॉली और तेज रफ्तार ईको वाहन में आमने-सामने टक्कर हो गई। इससे ईको वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहगीरों ने तत्काल ईको चालक आकाश कश्यप निवासी भीकमपुर को वाहन से बाहर निकाला। गाड़ी में एयरबैग होने से चालक की जान बच गई और उसे ज्यादा चोट नहीं आई।

युवकों ने सिपाही पर किया हमला

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : हाइवे पर एक होटल के बाहर सिपाही पर कार सवार पांच युवकों ने हमला कर दिया। सिपाही से गाली-गलौज करते हुए टक्कर मार दी, जिससे वह गिर पड़ा और उसका मोबाइल टूट गया। घटना के बाद सिपाही ने थाना फतेहगंज पश्चिमी पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भौराखुर्द मुजफ्फरनगर निवासी सिपाही प्रशांत बालियान सीतापुर जिले के लहरपुर थाने में तैनात हैं। वह बुधवार को छुट्टी लेकर घर जा रहा था। रास्ते में प्राइवेट बस हाईवे पर एक होटल के पास रुकी थी। तभी वहां एक कार रुकी, जिसमें पांच युवक सवार थे। युवकों में से एक ने होटल का पता पूछा। सिपाही ने जानकारी न होने की बात कही तो युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। प्रशांत ने मोबाइल से वीडियो बनाने की कोशिश की तो युवकों ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह नीचे गिर पड़ा और उसका मोबाइल टूट गया। हमलावरों ने होटल से लोगों को आता देखकर जाते-जाते सिपाही को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए।

पूर्व विधायक के पौत्र समेत चार गिरफ्तार

संवाददाता, देवरनियां

आगजनी और रंगदारी मामले में गिरफ्तार पूर्व विधायक के पौत्र समेत चार अन्य।

अमृत विचार : मेडिकल स्टोर में फायरिंग, मारपीट और कन्फैक्शनरी में आगजनी करने के मामले में फरार चल रहे पूर्व विधायक स्वर्गीय अम्बा प्रसाद के पौत्र समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली देवरनियां के गांव कठर्रा निवासी प्रीतम सिंह ने आरोप लगाया था कि 19 अगस्त को जब वह अपनी विशाल मेडिकल स्टोर खोल रहा था, तभी गांव के ही मयंक वर्मा व शशांक वर्मा अपने साथियों संग पहुंचे और 5500 रुपये की मांग की। इनकार करने पर चाकू व तलवार से हमला किया और अवैध तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली उसके गर्दन के पास से निकल गई। आरोपी बैग में रखे रुपये और मोबाइल लेकर फरार हो गए।

इसी दिन गांव टाह कासमपुर निवासी राजीव कुमार की कठर्रा अड्डे स्थित खाटू श्याम कन्फैक्शनरी में भी आगजनी की गई। राजीव ने बताया कि शशांक वर्मा से उधारी मांगने पर विवाद हुआ था। इसके बाद दुकान में आग लगा दी गई। पुलिस लंबे समय से आरोपियों की तलाश में थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने सेमीखेड़ा रेलवे क्रॉसिंग से पूर्व विधायक के पौत्र मयंक वर्मा पुत्र आलोक वर्मा, चेतक सिंह पुत्र बूज किशोर, मयंक गंगवार पुत्र गिरवर दयाल तथा अर्पित सिंह पुत्र अमर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शशांक वर्मा अभी फरार है।

सितंबर में मामले की विवेचना कर रहे दरोगा सतीश कुमार का रिश्वत लेते वीडियो वायरल होने पर एसएसपी अनुराग आर्या ने उन्हें निलंबित कर दिया था। इसके बाद इस केस की विवेचना गंभीरता से की गई। इसके पहले विवेचनाधिकारी ने मामले को हल्के में लेकर मनमाफिक पड़ताल की। शशांक वर्मा सपा से वार्ड 12 और मयंक वर्मा बसपा से वार्ड 11 से जिला पंचायत सदस्य पद के दावेदार बताए जा रहे हैं। उनके दादा स्वर्गीय अम्बा प्रसाद 1980 से 1985 तक निर्दलीय और 1985 से 1989 तक कांग्रेस से विधायक रहे थे। देवरनियां प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

- **पीड़ित से रिश्वत मांगने का वीडियो वायरल होने पर केस का विवेचक हो चुका सस्पेंड**
- **एक पौत्र अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर, एक पौत्र सपा तो दूसरा बसपा का है नेता**

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170

डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पता:- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

पटाखा आवाज वाली 8 बाइकें सीज

संवाददाता, शेरगढ़

शेरगढ़ थाने में पटाखा वाली बुलेट और साइलेंसर के साथ गिरफ्तार मैकेनिक।

अमृत विचार: पुलिस ने गुरुवार को पटाखा वाली बुलेट मोटरसाइकिल के विरुद्ध कार्यवाही अभियान चलाकर 8 बाइकें जब्त की और पांच लोगों के गिरफ़्तार किया है।

शेरगढ थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि पटाखा वाली बुलेट मोटरसाइकिल व साइलेंसर मोडिफाई करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान पटाखा वाली 3 बुलेट मोटरसाइकिल पकड़ी गई। जिन्हें सीज कर दिया गया। साथ ही साइलेंसर मोडिफाई करने वाले एक मैकेनिक सहित 4 लोगों का शांति भंग की धारा में चालान कर दिया गया।

मोडिफाईड साइलेंसर धारकों पर कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

फतेहगंज पश्चिमी, मोडिफाईड साइलेंसर लगाने वाले युवकों व ऐसे साइलेंसर बेचने वालों के खिलाफ अभियान के तहत थाना प्रभारी अभिषेक कुमार की टीम ने चेकिंग के दौरान 16 दुकानों का सत्यापन किया। इनमें से छह अवैध मोडिफाईड साइलेंसर बरामद किए गए। कुछ लोगों ने पुलिस कार्रवाई में बाधा डाली। ऐसे पांच लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें कस्बा निवासी शाहरुख, नरेन्द्र सिंह लोधी , मोहम्मद रियाज, सुनील पुत्र हेमराज, निवासी ग्राम रूकुमपुर नूर शेख निवासी ग्राम धन्तिया शामिल है।

पांच बाइकें जब्त

नवाबगंज में चलाये अभियान में कोतवाल अरुण श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को पांच बुलेट मोटरसाइकिल जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के तहत की गई है।

दबंगों ने फसल जोतकर बुनियाद उखाड़ी, रिपोर्ट

मानपुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में कुछ लोगों ने किसान की फसल को जोतकर बुनियाद उखेड़ दी। शिकायत पर पुलिस ने पांच लोगों पर मुकद्दमा दर्ज किया है। बहेड़ी निवासी मोहम्मद इरफान ने बताया कि उन्होंने थाना शीशगढ़ के ग्राम लालूनगला निवासी किसान से दो वर्ष पूर्व खेती की जमीन खरीदी थी आरोप है कि लालूनगला निवासी नवाज शरीफ, महमूद, अमीर दूल्हा, खलीक, मोहम्मद अहमद व मोहम्मद नवी ने रात में खेत में बोई लाही की फसल को जोतकर खेत में भरी हुई बुनियाद को उखाड़ दिया।

काउंसिलिंग के लिए दिल्ली गया छात्र लापता

नवाबगंज। ग्राम ठिरिया सैदपुर निवासी अनवार अहमद का पुत्र अजीजुर्रहमान (25) काउंसलिंग के लिए बुधवार को दिल्ली गया था। अब परिजनों का उससे सम्पर्क नहीं हो पा रहा है उसके दादा सुराज अहमद ने पुलिस को उसकी गुमशुदगी दर्ज कराने हेतु तहरीर दी है।

मिल्क पार्लर से सात दिन में दो बार चोरी

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : पुलिस की पिकेट और व्यस्त जगह से एक ही सप्ताह में दो बार दुकान की छत काटकर हुई हजारों की चोरी ने पुलिस की सक्रियता की पोल खोल दी है। पहली बार हुई घटना के बाद पुलिस को तहरीर दी गई लेकिन थाना पुलिस ने उस पर ध्यान नहीं दिया तो चोरों के हौसले बुलंद हुए उन्होनें उसी दुकान पर दोबारा चोरी कर डाली। अब फिर अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

गौसगंज पुलिया के निकट सर्वेश गुप्ता का पराग मिल्क पार्लर है। यह फरीदपुर नगर का सबसे व्यस्ततम बाईपास का चौराहा है। यहां पुलिस की पिकेट भी रहती हैं। इसी रास्ते से पूरी रात अवैध खनन की ट्रांलियां भी दौड़ती है। इतनी आवाजाही के बाद अज्ञात चोरो ने 28 अक्टूबर की रात इस मिल्क पार्लर से हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया था । अगले दिन थाने में तहरीर दी गईलेकिन पुलिस ने घटना का संज्ञान नहीं लिया ।बुधवार की रात फिर से मोहल्ला फर्रखपुर निवासी सर्वेश गुप्ता के मिल्क पार्लर पर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। उन्होंने तहरीर में बताया कि गौसगंज पुलिया के निकट मिल्क पार्लर से बुधवार को रात में अज्ञात चोरों ने दुकान में रखा लगभग 25000 का सामान चोरी कर लिया। सुबह दुकान खोलने गये तो देखा कि चोर दुकान काटकर सामान चोरी कर ले गये हैं। पीड़ित ने घटना की तहरीर थाना पुलिस को दी है।

समुहा गांव में पांच जोड़ों का हुआ सामूहिक निकाह

सामूहिक निकाह समारोह में निकाह प्रमाणपत्र दिखाते दूल्हे। ● अमृत विचार

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : क्षेत्र के समुहा गांव में गुरुवार को आल इंडिया रज़ा एक्शन कमेटी की तरफ से भव्य सामूहिक निकाह समारोह आयोजित किया गया, जिसमें पाँच जोड़ों का निकाह कराया गया।

कार्यक्रम का संचालन कमेटी के राष्ट्राध्यक्ष हज़रत अदनान मियाँ ने किया, जिन्होंने शरीअत के अनुसार निकाह की रस्में अदा कराईं और सभी नवविवाहित जोड़ों को दुआएँ दीं।

समारोह में दूर दराज से सैकड़ों की संख्या में से आए मेहमानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में मर्दों और औरतों के लिए खाने का इंतज़ाम अलग-अलग किया गया था,

अंत में सभी जोड़ों को कमेटी की ओर से तोहफे और ज़रूरी घरेलू सामान देकर रुखसत किया गया।इस मौके पर रज़ा कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष, ज़िला संयोजक, मौलाना आदि रहे।

काम के बहाने गया युवक गायब, रिपोर्ट

कैंट,अमृत विचार : थाना कैंट के मसीत गंज गौटिया मोहनपुर निवासी प्रेम सिंह ने बताया 18 अगस्त को महबूब पुत्र शमशाद उनके बेटे नीरज को बिना बताए काम दिलाने के बहाने बाहर ले गया। तभी से उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ जा रहा है। उन्होंने आरोपी महबूब ने बताया, कि नीरज मेरे साथ आया तो था, लेकिन वह अजमेर स्टेशन पर उतर गया। जबकि सुनील व बाबूराम ने बताया, कि नीरज उसके साथ नहीं गया है। प्रेम सिंह ने आरोपी महबूब के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

उज्जैन पुलिस ने बेहटा बुजुर्ग गांव में दी दबिश, मोबाइल बरामद किया

बिशारतगंज,अमृत विचार : जीआरपी थाना उज्जैन की पुलिस गुरुवार को एक गुम हुए मोबाइल की तलाश में बेहटा बुजुर्ग गांव में दबिश दी। , जहां से लापता मोबाइल बरामद कर लिया गया। जिस व्यक्ति के पास मोबाइल मिला था, वह मौके से फरार हो गया। उज्जैन क्षेत्र से एक युवक का मोबाइल गायब हुआ था, जिसकी लोकेशन बेहटा बुजुर्ग गांव के पास ट्रेस हुई थी। उज्जैन जीआरपी के हेड कांस्टेबल शेख सफीक व जितेंद्र ने गांव पहुंचकर पुलिस कार्रवाई की। घटना के बाद पुलिस मोबाइल लेकर रवाना हो गई।

न्यूज डायरी

विधायक ने किया जल जीवन मिशन की योजनाओं का निरीक्षण

बरेली, अमृत विचार : बिथरी चैनपुर विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने गुरुवार को ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद के भोजपुर गांव में जल जीवन मिशन की योजनाओं का निरीक्षण किया। विधायक ने क्लोरीनेशन प्रक्रिया और ऑटोमेशन सिस्टम की बारीकी से जांच की। ओवरहेड टैंक की क्षमता और स्टेजिंग की जानकारी अधिकारियों से ली। डा.राघवेंद्र ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। ग्रामवासियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत अब उन्हें नियमित और स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति मिल रही है। भोजपुर की प्रधान राजेश्वरी देवी, केमुआ ग्राम प्रधान अखिलेश उपाध्याय, जल निगम के एई विपिन कुमार सिंह, जेई शूपचंद, जेई सुरेन्द्र नेगी, एनसीसी लिमिटेड से डीजीएम महेश्वर वुक्कालकर, एई अम्बरीश सिंह, अखिल पांडेय मौजूद रहे।

मेडल और चेक देकर किया सम्मानित

रिठौरा, अमृत विचार : दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज के 11वीं के छात्र मो. आमिर प्रयागराज में हुई प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता में 3000 मीटर की लंबी दौड में प्रथम स्थान प्राप्त करके कालेज में आये तो यहां उनका भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। प्रबंधक सुबोध कुमार,प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह, डॉ हरमीत सिंह, राजेश कुमार गंगवार, राजपाल सिंह, विष्णु कुमार चौहान,डॉ सर्वेश कुमार,सुरेश कुमार, रघुवीर सरन, सिद्दी सिंह, वंदना यादव ने संयुक्त रूप से छात्र को गोल्ड मेडल,ग्यारह सौ का चेक,खेल किड देकर सम्मानित किया।

सीएचसी का किया निरीक्षण

आंवला,अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पाण्डेय ने गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भमोरा का निरीक्षण किया।यहां दो स्टाफ अनुपस्थित स्टाफ पर नाराजगी प्रकट कर वेतन काटने के निर्देश दिये। आंवला सीएचसी का निरीक्षण करते हुए परिसर में जर्जर फर्नीचर और कबाड़ देखकर असंतोष जताया। उन्होंने अस्पताल के पीछे बनी 50 शैया युक्त नव निर्मित एमसीएच विंग में अस्पताल शिफ्ट करने के आदेश दिए। उन्होंने आंवला कोतवाली पहुंचकर पुलिस मध्यस्थता एवं परामर्श केंद्र का निरीक्षण किया और उसके कार्यों की सराहना की। तहसील सभागार में आयोजित जनसुनवाई में उन्होंने 15 फरियादियों की समस्याएं सुनीं, जिनमें से पांच मामलों का मौके पर निस्तारण कराया गया। सभासद सपना अग्रवाल के मोहल्ला पक्का कटरा स्थित आवास पर महिलाओं के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में पुष्पा पांडेय ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

न्याय पंचायत बहरौली में खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

मीरगंज, अमृत विचार : गुरुवार को न्याय पंचायत बहरौली की खेलकूद प्रतियोगिता कंपोजिट विद्यालय हुरहुरी में कराई गई। प्रतियोगिता में प्राइमरी स्तर 50 मीटर बालक वर्ग में प्रथम मसीहाबाद दूसरे स्थान पर,शनि सिरोधी अंगदपुर तथा 100 मीटर बालिका वर्ग प्राथमिक स्तर प्रथम स्थान, अंशी कंपोजिट विद्यालय करमपुर द्वितीय स्थान, रीता मसीहाबाद तथा जूनियर 100 मीटर बालक वर्ग प्रथम स्थान, प्रदीप कुमार कंपोजिट विद्यालय बहरौली द्वितीय स्थान, प्राप्त किया। इस दौरान अरविंद कुमार शर्मा, सर्वेश कुमार , प्रमोद कुमार, नरेंद्र सिंह, मोहनलाल, ज्ञानेंद्र कुमार पांडे, ध्रुव, विजय यदुवंशी, अनीता सिंह, विनीता शाक्य, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार, संतोष कुमार सन्नो, सरताज, जीतू शर्मा, संतोष यादव, उमेश चंद्र, कृष्ण पाल, नंदकिशोर तथा कंपोजिट विद्यालय हुरहुरी के प्रधानाध्यापक जाहिद खान ने विशेष सहयोग दिया।

महिला को करंट लगाकर पीटा, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र की शहामतगंज निवासी शमीम ने बेटी के ससुराल वालों पर रिपोर्ट दर्ज कराई कराई।

बताया उसकी बेटी अलीना का निकाह 17 जुलाई 2025 को अरमान बेग से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित करते हैं। विरोध करने पर उसके साथ जमकर मारपीट करते हैं। आरोप है कि बुधवार को ससुराल वालों ने उसे बिजली का करंट लगाया और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने पति अरमान बेग समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी बी.एस.सी (एग्रीकल्चर) अनुक्रमांक 3951088 इनरोलमेन्ट नम्बर 11130476 की डिग्री वास्तव में कहीं खो गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **राजवीर सिंह पुत्र श्री भूपराम निवासी वार्ड 3, नगर पंचायत फरीदपुर तहसील बहेड़ी जिला बरेली।**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का वास्तविक नाम शफीक़ शम्सी (Shafeeq Shamsi) है। मेरी जन्मतिथि 04.08.1974 है। मोहम्मद रज़ी शमसी (Mohd. Razi Shamsi) पुत्र शफीक़ शम्सी निवासी 271, पंजाबपुरा, बरेली-243003

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस

सार्थक हुआ अभियान, छात्राएं संकल्पित होकर जन-जन को कर रहीं जागरूक

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और अमृत विचार ने बीते 28 से 30 अक्टूबर तक स्कूलों में चलाया था नारी कैंसर सुरक्षा अभियान, विशेषज्ञों ने 2500 छात्राओं से किया था संवाद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : अक्सर देखा गया है कि महिलाएं अपनी बीमारी को लेकर अधिक जागरूक नहीं होती हैं, लेकिन ये अनदेखी उनके लिए कई बार जानलेवा भी साबित हुई है। वहीं कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के लक्षण होने के बाद भी अगर सही समय पर इसकी पहचान और इलाज न हो तो मौत होने की संभावना बढ़ जाती है।

महिलाओं में स्तन कैंसर को लेकर जागरूक करने के लिए रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट और अमृत विचार के संयुक्त तत्वावधान में बीते 28 से 30 अक्टूबर तक नारी कैंसर सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान कैंसर विशेषज्ञों ने शहर के नौ स्कूलों में जाकर स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव और इलाज संबंधी सुझाव दिए। इस अभियान में 2500 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अभियान की सार्थकता दिखाई पड़ने लगी है।

- बोलीं छात्राएं, दूसरों को भी कर रहे जागरूक, घर-परिवार में चर्चा करने में नहीं हो रही झिझक

कैंसर स्क्रीनिंग के लिए आज सीट बुक कराने को बार कोड स्कैन करें।

राधा माधव स्कूल की छात्रा प्रियांशी गुप्ता ने बताया कि पहले हमें लगता था कि ब्रेस्ट कैंसर जैसी बातें सिर्फ बड़ों के लिए होती हैं। स्कूल में जब डा. अंकिता पांडेय मैम आईं तो बहुत सहजता से सब समझाया। उन्होंने बताया कि शरीर को समझना और ध्यान रखना शर्म की बात नहीं है। उनकी बातें सुनकर हमारी झिझक बिल्कुल खत्म हो गई।

राधा माधव स्कूल की छात्रा अनु ने बताया कि जब मैंने यह सुना तो लगा कि यह सिर्फ पढ़ाई नहीं, जीवन की शिक्षा है। डा. अंकिता मैम ने कहा कि अपने शरीर के बदलावों को नजरअंदाज न करें। यह मेरे लिए ही फायदेमंद होगा। घर जाकर मैंने मम्मी से इस पर खुलकर बात की। पहली बार घर में इस विषय पर इतनी सहज बातचीत कर सकी।

सेक्रेड हार्ट्स स्कूल की छात्रा श्रेया राठी ने बताया कि स्तन कैंसर विषय पर बात करते हुए हिचक होती थी, लेकिन जब डा. प्रारब्ध ने उदाहरणों से समझाया तो सब कुछ बहुत आसान और समझने योग्य लगा। अब लगता है कि शर्म नहीं, जागरूकता ज़रूरी है। मैं चाहती हूं ऐसी जागरूकता हर वर्ष हो।

विद्या वर्ल्ड स्कूल की छात्रा सिमरन राठौर ने बताया कि हमारे स्कूल में ऐसा कार्यक्रम पहली बार हुआ था। डा. अंकिता मैम ने बहुत ही खुले और अपनेपन के अंदाज में समझाया। उन्होंने बताया कि अपनी सेहत पर ध्यान देना ही सच्ची समझदारी है। उनकी बातें सुनकर मुझे लगा कि यह हर लड़की के लिए ज़रूरी जानकारी है।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की छात्रा खुशबू ने बताया कि कैंसर का डर नहीं, जानकारी जरूरी है। इस अभियान में ये समझाया कि अगर समय पर जांच हो जाए तो इलाज संभव है। मुझे अच्छा लगा कि स्कूल में इस विषय पर खुलकर चर्चा हुई। पहले जो बातें अजीब लगती थीं, अब सामान्य लगने लगीं।

जागरूकता का अभाव कैंसर से मौतों का बन रहा बड़ा कारण, लक्षण होने पर डॉक्टर की लें सलाह

कैंसर अब नहीं रहा लाइलाज जागरूकता ही बनेगी ढाल

रोहिलखंड कैंसर इंस्टिटयूट में निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल के साथ उनकी टीम। अमृत विचार

रोहिलखंड कैंसर इंस्टिटयूट। अमृत विचार

कैंसर का झेला दंश, उचित इलाज से अब खिलखिला रही जिंदगी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट और एसआरएमएस में कैंसर रोगियों को मिला स्वस्थ जीवन
- स्वस्थ होकर कैंसर विशेषज्ञों को दिया धन्यवाद, अब दूसरे मरीजों के लिए बन रहे प्रेरणा

अमृत विचार : कैंसर का नाम सुनते ही आंखों के आगे मौत नाचने लगती है, लेकिन कुछ ऐसे भी रोगी हैं जिन्होंने कैंसर का दंश झेला और अब खुशहाल जिंदगी जी रहे हैं। इन सभी मरीजों ने एक सार्थक प्रयास अपनी बीमारी को लेकर ये किया कि कैंसर के लक्षण होने पर उन्होंने फौरन जांच के साथ ही इलाज आरंभ कराया। सही समय पर कैंसर का पता लगने से विशेषज्ञों ने बेहतर इलाज से आज सामान्य व्यक्ति की भांति जीवन जी रहे हैं। आइए आपको रू-ब-रू कराते हैं। ऐसे कैंसर योद्धाओं से जिन्होंने कैंसर से जंग लड़कर इसको मात दी है और अन्य के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है ...

परिवार को खुद समझाया, डॉक्टरों ने दी जीने की ललक

जिला पीलीभीत निवासी राम देवी ने बताया कि वर्ष 2023 में दिल्ली में जांच कराने के दौरान उन्हें स्तन कैंसर का पता लगा। यहां सर्जरी हुई, लेकिन एक परिचित की सलाह पर वह कुछ माह बाद ही उन्होंने रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट में दिखाया। यहां विशेषज्ञों ने उनकी कीमो और रेडियो थेरेपी से इलाज किया। उन्होंने बताया कि कैंसर का पता लगने पर परिवार के लोग काफी परेशान हुए, लेकिन उनकी इच्छाशक्ति और इंस्टिट्यूट के डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उनके अंदर जीने की ललक लगातार जागृत की। इसका ही परिणाम है कि आज वह पूरी तरह से कैंसर को मात देकर स्वस्थ हैं।

सर्जरी संग कीमो और रेडियो थेरेपी से हुए स्वस्थ

शहर के पुराना शहर निवासी विवेक वर्मा ने बताया कि वर्ष 2023 में उन्होंने दिल्ली के निजी अस्पताल में जांच कराई तो वह ब्रेन कैंसर से ग्रसित पाए गए। उन्होंने प्राथमिक इलाज दिल्ली में कराकर फिर रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट में इलाज आरंभ कराया। यहां उनकी सर्जरी के साथ ही कीमो और रेडिएशन थेरेपी कई बार की गई। यहां मिले बेहतर इलाज से आज वह पूरी तरह से स्वस्थ जीवन जी रहे हैं।

कीमो और रेडिएशन तकनीक से दी कैंसर को मात

बरेली निवासी ऊषा रानी को वर्ष 2023 में दिल्ली में जांच कराने पर पित्ताशय के कैंसर का पता चला। सर्जरी कराकर उन्होंने आगे का इलाज रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट में कराने का निर्णय लिया। इस दौरान कीमो और रेडिएशन के साथ ही अन्य तकनीकों से उनका इलाज हुआ और अब वह पूरी से कैंसर को मात दे चुकी हैं। अब कैंसर से ठीक होने के बाद वह अन्य महिलाओं को कैंसर से बचाव के प्रति जागरूक भी करती हैं।

एक्सपर्ट की राय

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट में कुशल विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज और हिम्मत से हार रहा कैंसर
- हर गांठ कैंसर नहीं होती, शरीर में कोई अप्रत्याशित लक्षण दिखने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लें

अमृत विचार : कैंसर का नाम ही इसकी भयावहता को बताने के लिए काफी है। कैंसर पीड़ित होने की जानकारी पर मरीज बीमारी से लड़ने की हिम्मत हार जाते हैं। यही हाल घरवालों का भी होता है। हालांकि कुछ लोग इस बीमारी से लड़ते हैं और जीतते भी हैं। मुस्कुराकर फिर अपनी स्वस्थ जिंदगी गुजारते हैं, जैसे कभी कुछ हुआ ही न हो। अभी भी कैंसर के प्रति जागरूकता में कमी देखी जा रही है। इससे साल दर साल कैंसर रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। राहत की बात ये है कि कैंसर रोगियों के इलाज की तकनीकों में भी कल्याणकारी बदलाव हो रहे हैं, लेकिन बात है बस जागरूक होकर समय पर डॉक्टर के संपर्क करने की। जागरूकता हर कैंसर रोगी के लिए किसी ढाल से कम नहीं है। इसलिए ही तो कैंसर अब लाइलाज नहीं है। बड़ी संख्या में रोगियों ने कैंसर को मात दी है।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मण पांडेय के अनुसार जागरूकता के लिए सबसे जरूरी ये समझना है कि कैंसर क्या है। दरअसल, कैंसर खुद में कोई बीमारी नहीं, बल्कि कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है। जो शरीर के किसी भी अंग में, कभी भी और किसी भी उम्र हो सकती है। यह वृद्धि एक अंग से होती हुई शरीर के दूसरे भाग को भी प्रभावित कर सकती है।

डॉ. पांडेय के अनुसार शरीर का न भरने वाला घाव, किसी अंग विशेष में लगातार दर्द, तेजी से बढ़ रही गांठ कैंसर हो सकता है। साथ ही वह जोड़ते हैं कि हां हर गांठ कैंसर नहीं होती। इसके लिए जरूरी है कि कोई भी लक्षण मिलने पर तत्काल डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। अस्वास्थ्यकर खानपान, जीवनशैली और प्रदूषण कैंसर के लिए जिम्मेदार होते हैं। इससे बचाव और जागरूकता कैंसर रोकने में कारगर है।

विश्व में छह में एक मौत कैंसर से हो रही

- डॉ. लक्ष्मण पांडेय के अनुसार वैश्विक रूप से देखें तो बीमारी से होने वाली मौतों में कैंसर दूसरा सबसे बड़ा कारण हैं। वर्ष 2018 में करीब 96 लाख लोगों की कैंसर से जान गई। यानि छह में एक मरीज के निधन की वजह कैंसर बना। फेफड़ा, प्रोस्टेट, कोलोरेक्टल, पेट और लिवर कैंसर से पुरुष ज्यादा प्रभावित हुए, जबकि ब्रेस्ट, कोलोरेक्टल, फेफड़ा और सर्वाइकल कैंसर ने महिलाओं पर ज्यादा असर डाला। तेजी से फैल रही ये बीमारी लोगों को भयभीत करने के साथ परिवारों, समाज और स्वास्थ्य सेवाओं पर असर भी असर डाल रही है। इससे शारीरिक, भावनात्मक और वित्तीय रूप से भी तनाव बढ़ रहा है।

आपरेशन से मिली प्रोस्टेट कैंसर से मुक्ति

- शाहजहांपुर के कांट निवासी अवधेश कुमार को वर्ष 2017 में पेशाब करने में दिक्कत हुई। इलाज के लिए राममूर्ति अस्पताल पहुंचे। जहां प्रोस्टेट कैंसर की जानकारी मिली। प्रोस्टेट का आपरेशन हुआ। दो महीने सिंकाई के बाद अवधेश ने कैंसर को मात दे दी। आज अवधेश पहले की तरह सामान्य दिनचर्या के साथ जीवन यापन कर रहे हैं।

जागरूकता से कम हुआ गर्भाशय का कैंसर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रुहेलखंड में साल दर साल कैंसर रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है। अनुमानित रिपोर्ट के अनुसार हर साल पांच से 8 हजार नये रोगियों में कैंसर के लक्षण मिल रहे हैं। वहीं, इतना ही नहीं कैंसर से होने वाली लगभग एक-तिहाई मौतें 5 प्रमुख व्यावहारिक और आहार संबंधी जोखिमों के कारण होती हैं। इनमें उच्च बॉडी मास इंडेक्स, कम फल और सब्जियों का सेवन, शारीरिक गतिविधि की कमी, तंबाकू का उपयोग और शराब का उपयोग शामिल है। पुरुषों में जहां ओरल यानि मुंह का कैंसर तो महिलाओं में स्तन, गर्भाशय समेत पित्ताशय के कैंसर के मामले भी बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं।

रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट के कैंसर विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना ओपीडी में 100 से अधिक कैंसर रोगियों को इलाज और परामर्श दिया जा रहा है। इसमें देखा जा रहा है कि मुंह के साथ ही गले और सिर के कैंसर से ग्रसित मरीजों की संख्या साल-दर-साल बढ़ रही है, लेकिन कहीं न कहीं जागरूकता के चलते गर्भाशय के कैंसर रोगियों के स्वस्थ होने का ग्राफ बढ़ा है। लोग कैंसर के लक्षणों के बारे में पढ़ रहे हैं, करीब से जानना चाह रहे हैं। लक्षण होने पर डॉक्टर से संपर्क कर रहे हैं। इसके चलते समय पर कैंसर की जांच होने से इलाज आरंभ हो रहा है और मरीज स्वस्थ हो रहे हैं, इसलिए जरूरी है कि मरीज अब कैंसर के डर से बाहर आकर डॉक्टर से संपर्क करें।

ये लक्षण होने पर फौरन लें चिकित्सक की सलाह

- शरीर के किसी भी हिस्से में बिना किसी चोट या मोच के दर्द रहना
- अचानक वजन कम होना
- थकान और आलस रहना
- जल्दी-जल्दी बुखार आना
- त्वचा के रंग या बनावट में परिवर्तन आना
- शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ
- किसी अंग से असामान्य रक्तस्राव होना
- त्वचा या मुंह पर छाले जो ठीक न हो रहे हों

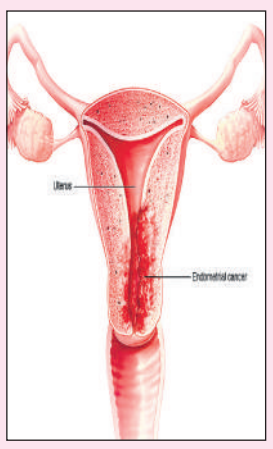

कैंसर से बचाव को ये बरतें सावधानियां

- शराब और धूम्रपान का सेवन न करें।
- पौष्टिक आहार का सेवन करें।
- सुबह टहलने के साथ ही नियमित रूप से व्यायाम अवश्य करें।
- 45 वर्ष की आयु के बाद प्रत्येक महिला को हर वर्ष एक बार स्तन कैंसर की जांच के लिए मैमोग्राफी करवानी चाहिए।
- 40 वर्ष से अधिक आयु की प्रत्येक महिला को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए हर 3 वर्ष में पीएपी परीक्षण करवाना चाहिए।

बीते सालों तक कैंसर रोगियों के इलाज में सर्जरी के साथ ही कीमो और रेडियोथेरेपी का ही हो रहा था इस्तेमाल

ब्रैकी और इम्यूनो थेरेपी भी कैंसर के लिए बनीं संजीवनी

- कैंसर के इलाज में बढ़ रहा आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल
- नई तकनीक से सफलता ज्यादा और दुष्प्रभाव दिख रहे कम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : पहले कैंसर का पता लगने के बाद भी इसका इलाज कराने में मरीजों को काफी जटिलता का सामना करना होता था। अब इलाज की आधुनिक तकनीकें इस्तेमाल हो रही हैं। इससे कैंसर रोगियों के स्वस्थ होने का ग्राफ भी बढ़ रहा है। इसी क्रम में कैंसर रोगियों के इलाज में अभी तक सर्जरी के साथ ही कीमो और रेडियो थैरेपी का ही उपयोग अधिक हो रहा था, लेकिन अब इनके साथ ही इम्यूनो और ब्रैकी थेरेपी भी आरंभ कर दी गई है। जिनके परिणाम अन्य की तुलना में काफी सार्थक साबित हो रहे हैं। ये सुझाव रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट के वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञों ने अमृत विचार की टीम से साझा किए ... पेश है बातचीत के अंश

कैंसर से घबराएं न, जरूरी है समय पर जांच और इलाज

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि कैंसर अब लाइलाज नहीं है। कई आधुनिक तकनीक से मरीजों का इलाज कर कैंसर को मात दी जा रही है। इसके लिए हम सभी को संकल्पित होना है कि कैंसर का जल्दी पता लग सके, इस विचार को ही अपना मजबूत हथियार बनाएं। कैंसर का जल्दी पता लगने से इसका सटीक इलाज संभव होता है। ऐसा इसलिए कि स्क्रीनिंग ही रोग के निदान को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाती है, यह कैंसर के उस चरण में पता लगाने में मदद करती है जब इलाज आसान होता है। इसके साथ ही रोहिलखंड कैंसर संस्थान जागरूकता, रोकथाम और उन्नत देखभाल के माध्यम से मरीजों का जीवन बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एचपीवी वैक्सीन लगवाएं और कैंसर की ढाल पाएं

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट की कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अंकिता पांडेय के अनुसार अस्पतालों में आने वाली हर 10 महिलाओं में से एक में स्तन कैंसर के लक्षण मिल रहे हैं। सर्वाइकल यानि गर्भाशय के कैंसर की चपेट में महिलाएं सर्वाधिक आ रही हैं। समय पर वैक्सीन लगवाकर महिलाएं सर्वाइकल कैंसर की रोगी बनने से बच सकती हैं। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं। नौ से 14 साल तक की उम्र में इस वैक्सीन को लगवा बेहतर है। बताया कि कैंसर जागरूकता सिर्फ जानकारी रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सक्रिय कदम उठाना जरूरी है। अपने शरीर के संकेतों पर ध्यान दें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और नियमित जांच करवाना न भूलें।

कैंसर ने बदली चाल, युवा भी रहें सतर्क

- रोहिलखंड कैंसर इंस्टिट्यूट के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. लक्ष्मण पांडेय ने बताया कि बीते सालों से कैंसर ने भी अपनी चाल बदली है। पहले जहां 55 वर्ष से अधिक उम्र वालों में कैंसर की पुष्टि होती थी, लेकिन अब 35 से 45 उम्र तक के मरीज भी कैंसर का इलाज करा रहे हैं। इससे बचाव के लिए सर्वाधिक जरूरी है समय पर जांच और इलाज कराने की। हालांकि अब कैंसर के इलाज में कीमो और रेडियो थेरेपी के बाद इम्यूनो और ब्रैकी थेरेपी से भी इलाज किया जा रहा है। जो कि एडवांस तकनीक है। इसके दुष्प्रभाव भी काफी कम हैं।

कैंसर से डरें नहीं, बस जागरूक रहें

- आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डा. पियूष कुमार अग्रवाल के अनुसार कैंसर लाइलाज नहीं, बस जागरूकता की कमी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। शुरुआती चरण में इस भयानक बीमारी पर पूरी तरह से काबू करना संभव है, लेकिन इसकी जांच के लिए बायोप्सी कराने से डरना, रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी को लेकर गलत धारणाओं से लोग इसके इलाज से बचते हैं। इस लापरवाही से यह बीमारी अंतिम चरण में पहुंच कर लाइलाज हो जाती है। यदि समय से जांच और इलाज कराया जाए तो इसे प्रारंभिक अवस्था में ही पकड़ा जा सकता है और इसका पूर्ण इलाज संभव है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के बाघों की होगी गणना

पीलीभीत,अमृत विचार : पीलीभीत टाइगर रिजर्व में राष्ट्रीय बाघ गणना (टाइगर एस्टीमेशन 2026) की तैयारियां शुरू हो गई है। फिलहाल, 18 नवंबर से उत्तराखंड के राजाजी टाइगर रिजर्व में टाइगर एस्टीमेशन करने वाली टीमों को प्रशिक्षित करने की तैयारी की जा रही है। इसमें पीलीभीत टाइगर रिजर्व के वन अफसरों समेत यूपी, उत्तराखंड समेत चार राज्यों के वन अफसर एक साथ प्रशिक्षण लेंगे।

फंदे से लटका मिला अभियंता का शव

गाजियाबाद, एजेंसी : गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में स्थित एक होटल के कमरे में पंखे के फंदे से लटका एक अभियंता का शव बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मेरठ के रक्षापुरम कॉलोनी निवासी रजत प्रताप सिंह (27) के रूप में हुई है। सिंह नोएडा की एक निजी कंपनी में अभियंता के तौर पर कार्यरत थे।

ग्रामीण ने अपने भैंसे का मनाया जन्मदिन

मंडी धनौरा, अमृत विचार : गांव सुनगढ़ माफी में रहने वाले इसरार ने अपने भैंसे शेरा का जन्मदिन उत्साह से मनाया। बुधवार की रात गांव में रंग-बिरंगी लाइटें लगीं, डीजे की धुनों पर बच्चे और युवक नाचे। केक कटा, 'हैप्पी बर्थडे शेरा' के नारे लगे, और फिर सभी को दावत दी गई। इसरार ने बताया कि वह अपने शेरा को रेस के लिए तैयार कर रहे हैं और उसे अपने परिवार के सदस्य की तरह मानते हैं। जन्मदिन मनाने और डीजे बजाने के लिए उन्होंने बाकायदा एसडीएम से अनुमति भी ली थी।

आबकारी राजस्व लक्ष्य हासिल न करने पर होगी कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 63 हजार करोड़ रुपये का लक्ष्य आबकारी मंत्री ने दी चेतावनी

अमृत विचार : आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग को 63 हजार करोड़ रुपये राजस्व अर्जित करने का लक्ष्य मिला है। इसके लिए निर्धारित मासिक राजस्व लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करना होगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन जिलों ने अक्टूबर माह में निर्धारित आबकारी राजस्व लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया है और लगातार उनकी परफारमेंस खराब चल रही है, उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में आबकारी मंत्री ने बताया कि इस वर्ष माह अप्रैल से अक्टूबर तक निर्धारित लक्ष्य 32,500 करोड़ के सापेक्ष प्राप्ति 30,657.54 करोड़ (94.33 प्रतिशत) रही। प्रदेश में गत वर्ष इसी अवधि में 26,330.87 करोड़ की आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ था। इस तरह गत वर्ष के सापेक्ष प्राप्त 4326.67 करोड़ (116.43 प्रतिशत) का अधिक राजस्व अर्जित किया गया है। मंत्री ने मदिरा की संभावित नई दुकानों के लिए सर्वे कराकर 15 दिन के अंदर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।

शाहजहांपुर निवासी याची ने हाईकोर्ट में दाखिल की थी याचिका

सर्जरी के बाद दस्तावेजों में नाम व लिंग परिवर्तन की अनुमति

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संशोधित मार्कशीट एवं प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ट्रांसजेंडर के अधिकारों से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए महिला से पुरुष बने याची को अंक पत्र व प्रमाण पत्रों में नाम और लिंग बदलने की अनुमति दे दी है। इसी के साथ क्षेत्रीय सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद, बरेली द्वारा नाम और लिंग परिवर्तन से इनकार करने वाले आदेश को रद्द कर दिया है।

कोर्ट ने कहा कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा करने वाला ट्रांसजेंडर (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 एक विशेष कानून है, जिसका पालन अन्य सभी नियमों पर वरीयता प्राप्त करता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने शरद रोशन सिंह की याचिका को निस्तारित करते हुए पारित किया।

दरअसल, शाहजहांपुर निवासी याची एक सहायक शिक्षक हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 में लिंग परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ की थी और 2023 में सर्जरी पूरी हुई। इसके बाद उन्होंने सरकारी अभिलेखों में अपना नाम सरिता से बदलकर शरद करने की मांग की। जिला मजिस्ट्रेट ने ट्रांसजेंडर प्रमाण-पत्र जारी किया, इसके बावजूद बोर्ड ने यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि देर से आवेदन होने पर बदलाव की व्यवस्था नहीं है। जबकि कोर्ट ने मामले पर विचार करते हुए पाया कि अधिनियम, 2019 और 2020 के नियम ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शैक्षिक दस्तावेजों सहित सभी आधिकारिक कागजात में नाम, लिंग और फोटो परिवर्तन का अधिकार देते हैं।

सुप्रीम कोर्ट व विभिन्न हाईकोर्ट्स के फैसलों का हवाला देते हुए कोर्ट ने ऐसे मामलों में प्रशासनिक ढिलाई को संवैधानिक मूल्यों के विपरीत माना और कहा कि संवैधानिक गारंटियां केवल कानूनी पुस्तकों में शब्द मात्र बनकर नहीं रह सकतीं, बल्कि उनका सम्यक पालन व्यक्तियों के जीवन में मूर्त रूप से परिलक्षित होना चाहिए। ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति राज्य का निष्क्रिय रवैया और विधायी उदासीनता उनके मौलिक अधिकारों का हनन है। संविधान के अनुरूप समानता, गरिमा और भेदभाव-रहित जीवन का अधिकार सुनिश्चित करना राज्य की सक्रिय जिम्मेदारी है। अंत में कोर्ट ने 8 अप्रैल 2025 के आदेश को निरस्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आठ सप्ताह की अवधि में याची को संशोधित मार्कशीट एवं प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया।

एससी-एसटी एक्ट के दुरुपयोग पर पीड़िता व आरोपियों दोनों पर पांच लाख का जुर्माना

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे कानून और राज्य के साथ छल का उदाहरण माना

विधि संवाददाता,प्रयागराज

- जुर्माने की राशि कल्याण कोष में जमा कराने का निर्देश दिया

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के गंभीर दुरुपयोग के मामले में कठोर रुख अपनाते हुए कथित पीड़िता और 19 आरोपियों, दोनों पर ही कड़ी कार्रवाई की है। कोर्ट ने इस प्रकरण को हितकारी प्रावधानों का घोर दुरुपयोग बताते हुए इसे कानून और राज्य के साथ छल का स्पष्ट उदाहरण माना तथा न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकलपीठ ने रामेश्वर सिंह उर्फ रामेश्वर प्रताप सिंह और 18 अन्य अपीलकर्ताओं द्वारा दाखिल आपराधिक अपीलों को एक साथ सुनवाई करते हुए खारिज कर दिया, जिन्होंने आईपीसी की विभिन्न धाराओं तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(वीए) के तहत आरोपों के सापेक्ष विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट), प्रयागराज द्वारा संज्ञान व सम्मन आदेश रद्द करने की अपील की थी।

सुनवाई के दौरान अपीलकर्ताओं ने दावा किया कि एफआईआर पीड़िता के अंगूठे के निशान से दर्ज की गई, लेकिन पीड़िता ने कोर्ट में खुलासा किया कि उसका अंगूठा सादे कागज पर लिया गया था और उसने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। कोर्ट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई, क्योंकि तथ्यों से यह सामने आया कि अनुसूचित जाति से संबंध रखने वाली कथित पीड़िता, जिसने पूर्व में सीआरपीसी की धारा 161 और 164 के तहत अपनी शिकायत संबंधी बयान दिए और अधिनियम की वैधानिक योजना के अंतर्गत 4.5 लाख रुपए का मुआवजा प्राप्त किया था, अब स्वयं यह कह रही है कि उसने कोई एफआईआर दर्ज नहीं कराई। गत 4 नवंबर की सुनवाई में संदेह व्यक्त होने पर कोर्ट ने पीड़िता, पुलिस उपायुक्त (यमुनापार) और जांच अधिकारी को तलब किया था। सरकारी अधिवक्ता ने यह स्पष्ट किया कि शिकायत लिखित रूप में दाखिल हुई थी, उसके बयान पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किए गए थे और चिकित्सा परीक्षण भी कराए गए थे। इस पर कोर्ट ने इसे न्याय प्रक्रिया के साथ धोखाधड़ी कर सार्वजनिक धन प्राप्त करने का सुनियोजित प्रयास करार दिया। अतः अपने आदेश में कोर्ट ने कथित पीड़िता और उसकी दो बहुओं को 20 दिनों के भीतर 4.5 लाख रुपए मुआवजा राज्य को वापस करने का निर्देश दिया, साथ ही 19 अपीलकर्ताओं पर 5 लाख रुपए का संयुक्त जुर्माना लगाते हुए उसे उच्च न्यायालय कल्याण कोष में जमा कराने का आदेश दिया।

कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि मुआवजा या जुर्माना न लौटाने की स्थिति में जब्ती की कार्रवाई की जाएगी, साथ ही कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस आदेश से विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी अधिनियम), प्रयागराज में लंबित आपराधिक कार्यवाही प्रभावित नहीं होगी और वह कानून के अनुसार जारी रहेगी।

शामली में युवक को पेड़ से बांधकर पीटा, रिपोर्ट दर्ज

मुजफ्फरनगर, एजेंसी: जिले में एक युवक को पेड़ से बांधकर पीटने और उससे जबरन माफी मंगवाने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने गुरुवार को पांच नामजद समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

पुलिस के अनुसार, यह घटना भवन थाना क्षेत्र के हसनपुर लुहारी गांव में हुई, जहां सचिन सैनी (22) नामक युवक को कथित तौर पर पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा गया। इस मामले में आरोपियों की पहचान सूरज, अंकुर, लीलू, हर्ष और छोटे के रूप में हुई है। बीते 27 अक्टूबर को हुई इस घटना का एक वीडियो पांच नवंबर को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें युवक की पिटाई होती दिखाई दे रही है।

वीडियो के सार्वजनिक होने और पीड़ित से पूछताछ के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) जितेंद्र सिंह ने कहा कि हमले के पीछे के मकसद की अब भी जांच की जा रही है और दोषियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

जीएसटी चोरी : व्यापारी ने 15 करोड़ पर सिर्फ नौ हजार जमा किया टैक्स

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मोबाइल शॉप से कई अभिलेख गायब,15 लाख वसूला जुर्माना

अमृत विचार : जिले में कई दिनों से जीएसटी और एसआईबी की टीम छापेमारी कर बड़े पैमाने पर कर चोरी पकड़ रही है। बैटरी, ट्रेडिंग कारोबारी के बाद अब अमरिया के मोबाइल व्यापारी की दुकान पर जीएसटी की टीम ने छापा मारा। टीम ने पांच साल में 15 करोड़ की बिक्री पर हेराफेरी पकड़ी। महज नौ हजार रुपये का टैक्स जमा मिला। टीम ने व्यापारी के बिल और अभिलेख सीज कर दिए। मौके पर 15 लाख रुपये का जुर्माना जमा कराया गया।

बता दें कि अमरिया कस्बे में संचालित हो ही सिंह मोबाइल शॉप पर टैक्स चोरी को लेकर जीएसटी को शिकायतें मिल रही थी। इसको लेकर टीम ने पड़ताल करने के बाद गुरुवार दोपहर को जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर अनिरुद्ध सिंह की अगुवाई में छापा मारा। इस टीम में वेद प्रकाश शुक्ला और ताराचंद भी थे। पुलिस बल भी तैनात रहा। छापेमारी के दौरान कई ग्राहक मोबाइल की खरीदारी कर रहे थे। ग्राहकों के जाने के बाद टीम ने अपनी कार्रवाई शुरू की। टीम ने व्यापारी अमनदीप सिंह से क्रय विक्रय के बिल जब्त किए। जिसके बाद मिलान किया तो पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में व्यापारी के द्वारा पांच करोड़ रुपये की बिक्री की गई। मगर टैक्स सालना मात्र 400 रुपये ही जमा किए गए थे। इसके बाद अन्य वित्तीय वर्षों का ऑडिट किया गया। इसमें जानकारी में आया कि पांच सालों में करीब 15 करोड़ की बिक्री की गई। मगर टैक्स में सिर्फ नौ हजार रुपये ही जमा किए हैं।

इसे सीधे तौर पर टैक्स चोरी माना। इससे पहले वह अन्य व्यापार करते थे, जिसके अभिलेख गायब मिले। अन्य मोबाइल संबंधित दस्तावेज में भी मौके पर गड़बड़ी देखने को मिली। पिछले साल में करीब व्यापारी के द्वारा 50 लाख की टैक्स चोरी होना पाया गया है। इस पर टीम ने व्यापारी से मौके पर 15 लाख रुपये का जुर्माना वसूला।

दुधवा में मादा गैंडा रिद्धि ने दिया बच्चे को जन्म

नवजात शावक के साथ मादा गैंडा रिद्धि।

पलिया कलां, अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व से एक बार फिर सुखद खबर आई है। विगत वर्ष स्वच्छंद छोड़ी गई चार मादा गैंडों में से रिद्धि नामक मादा गैंडे ने एक नवजात शावक को जन्म दिया है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक जगदीश आर ने गुरुवार शाम को बताया कि कुछ माह पूर्व दुधवा में स्वच्छंद छोड़ी गई मादा गैंडा दीपिका ने भी शावक को जन्म दिया था और अब रिद्धि ने भी एक स्वस्थ शावक को जन्म देकर वन्यजीव संरक्षण अभियान में नई ऊर्जा भर दी है।

वन विभाग की निगरानी टीम ने आज सुबह रिद्धि के साथ उसके नवजात शावक को प्राकृतिक आवास में उछल-कूद करते देखा। इसके बाद गैंडा क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है ताकि मां और बच्चे को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस नवजात शावक के जन्म के साथ ही दुधवा में गैंडों की कुल संख्या बढ़कर 52 हो गई है।

संभल में फर्जी पुलिसवाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,संभल

पुलिस की गिरफ्त में फर्जी पुलिसकर्मी विष्णु बाबू एवं बरामद नकली पिस्टल।

- कबाड़ा व्यापारी को डरा-धमका कर पैसा वसूलने पहुंचा था

अमृत विचार: सिपाही की वर्दी पहनकर व खिलौना पिस्तौल लेकर व्यापारियों को धमकाकर वसूली कर रहे फर्जी पुलिसकर्मी को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपी हत्या के प्रयास में जेल जा चुका है। वह हरिद्वार में भी पकड़ा जा चुका है।

संभल के मोहल्ला चौधरी सराय में कबाड़ व्यापारी गय्यूर के पास एक सिपाही पहुंचा और धमकाने लगा। कहा कि कबाड़े का काम करने के लिए पुलिस से परमिशन नहीं लोगे तो जेल भेज दूंगा। इसके बाद पिस्टल दिखाकर धमकाया कि नहीं मानोगे तो उल्टे सीधे केस में फंसाकर एनकाउंटर कर दूंगा। सिपाही ने 5 हजार रुपये मांगे लेकिन गय्यूर ने 500 रुपये दिये तो उसने रख लिए। इसी बात पर गय्यूर को शक हुआ तो उसने अन्य लोगों को बुलाकर पुलिस कर्मी को पकड़ लिया और कोतवाली लेकर पहुंचे। यहां असलियत सामने आ गई कि वह फर्जी सिपाही है। उसने अपना नाम विष्णु बाबू पुत्र चंद्रपाल निवासी कुशावली थाना जुनावई बताया। बताया कि पहले भी वह खुद को पुलिसकर्मी बताकर वसूली करता रहा है। बुलंदशहर के नरौरा थाने से हत्या के प्रयास में जेल जा चुका है। दो वर्ष पूर्व हरिद्वार में खुद को क्राइम ब्रांच में दरोगा बताया तो पकड़ा गया था।

उसने एक माह पूर्व बहजोई में टेलर से वर्दी सिलवाई थी। इंस्पेक्टर गजेन्द्र सिंह ने बताया कि व्यापारी गय्यूर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उसकी कुंडली खंगाल रही है।

लखनऊ में कोठी नहीं, फिर भी घोषित कर दिया भू-माफिया

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- अचानक लखनऊ पहुंचे आजम खां, बढ़ा सियासी तापमान

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां गुरुवार को अचानक लखनऊ पहुंचे। उन्होंने कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया गया। उन्होंने तंज भरे अंदाज में कहा, "अगर मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं, बारिश में पानी भर जाता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टा वाले बयान पर तंज कसा कि कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक बना और उसे कमांडो मिले हैं।

आजम खां का यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था। शहर के एक होटल में ठहरने की सूचना मिलने के बाद राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। दिनभर सपा नेताओं का होटल में आना-जाना लगा रहा। हालांकि सपा मुखिया लखनऊ में नहीं हैं। इस दौरान पहुंचे पत्रकारों के सवालों पर आजम खां ने कई राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी बात रखी। आजम खां ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर व्यंग्य कसते हुए कहा कि बहुत बेहतर है। बिहार की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि वहां आज भी जंगलराज कायम है।

कल मुरादाबाद होकर गुजरेगी नई वंदे भारत ट्रेन

मुरादाबाद,अमृत विचार : रेल यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए नार्दर्न रेलवे की ओर से नई वंदे भारत ट्रेन बनारस-खजुराहो और लखनऊ जंक्शन से सहारनपुर तक चलेगी। इसका उद्घाटन 8 नवंबर को किया जाएगा। ट्रेन के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से होकर गुजरने के चलते स्थानीय मंडल रेल प्रबंधन भी इसकी तैयारियों में जुट गया है।

नई वंदे भारत ट्रेन के संचालन से इन रुट के यात्रियों को काफी सहूलियत होगी। नार्दर्न रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार नई वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन शेड्यूल जारी कर दिया गा है। नई वंदे भारत ट्रेन बनारस-खजुराहो और लखनऊ जंक्शन से सहारनपुर जंक्शन तक चलेगी।

दुष्कर्म में असफल होने पर ओडिशा की युवती की हत्या

संवाददाता, किच्छा

- किच्छा में सनसनीखेज वारदात मकान मालिक का एक पुत्र गिरफ्तार, दूसरा फरार

अमृत विचार: किच्छा में ओडिशा निवासी एक युवती की दुष्कर्म में असफल होने पर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने गुरुवार को युवती का शव जंगल से शव बरामद करते हुए मकान मालिक के एक पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है जबकि दूसरा फरार है।

नोएडा निवासी एक युवक ने बुधवार को कोतवाली पहुंचकर बताया था कि उसकी 23 वर्षीय फुफेरी बहन मूल रूप से ओडिशा की निवासी थी और छह माह से लालपुर क्षेत्र की एक ऑटोमोबाइल कंपनी में इंटर्नशिप कर रही थी। वह लालपुर क्षेत्र में ही किराए पर रह रही थी। दो दिन से कोई संपर्क न होने पर वह नोएडा से किच्छा पहुंचा लेकिन वह घर और कंपनी कहीं नहीं मिली। युवती के भाई ने गुरुवार सुबह मकान मालिक के घर के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज निकलवाई तो बीती चार नवंबर की आधी रात मकान मालिक के दोनों बेटे अमित और सुमित सिंह चादर में कोई भारी वस्तु लेकर बाइक से घर से निकलते दिखाई दिए। पुलिस ने शक होने पर गुरुवार सुबह अमित को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसकी निशानदेही पर युवती का शव लालपुर के जंगल से बरामद कर लिया गया।

युवा करेंगे उत्तराखंड की संकल्पना को साकार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य गठन की 25वीं वर्षगांठ पर गुरुवार को परेड ग्राउंड में उत्तराखंड राज्य युवा महोत्सव 2025-26 का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सही मार्गदर्शन और प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाए तो युवा शक्ति देश को नई ऊंचाई पर ले जाने की सामर्थ्य रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपने सपनों को साकार करने के लिए अनेक अवसर मिले हैं जिससे विकसित भारत 2047 की संकल्पना को साकार करने के लिए युवा शक्ति अपना सर्वांगीण योगदान दे रहे है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में युवाओं के लिए अनेक योजनाएं और कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने फिट इंडिया उत्तराखंड और उत्तराखंड स्पोर्ट्सटैक हैकथन का शुभारंभ करते हुए कहा कि आज के समय में रोजगार के जहां अनेक नए अवसर पैदा हो रहे हैं तो वही पुरानी प्रचलित तकनीक हटने से कुछ अवसर कम भी हो रहे हैं। इसी को ध्यान रखते हुए हमने उत्तराखंड में युवाओं के लिए फ्यूचर बेस्ट रोजगार प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों से एमओयू किए हैं। राज्य में एक जनपद-दो उत्पाद, हाउस आफ हिमालयाज, नई पर्यटन और फिल्म नीति, स्टेट मिलेट मिशन और युवाओं के लिए अनेक रोजगार और स्वरोजगार पर योजनाओं को प्रारंभ किया है ताकि युवा नवाचार, डिजिटली, रचनात्मक और आने वाले भविष्य की डिमांड के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें।

आठवीं की छात्रा का अपहरण, रिपोर्ट दर्ज

रुद्रपुर: थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में कक्षा आठ की छात्रा को बहला फुसलाकर अगवा किए जाने का मामला सामने आया है। नाबालिग की मां का आरोप है कि इस साजिश में आरोपी युवक का परिवार भी शामिल है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मवाना मेरठ की रहने वाली एक महिला ने बताया कि वह कुछ साल पहले वह अपने परिवार के साथ ठाकुर नगर ट्रांजिट कैंप में आकर रहने लगी थी। वहीं 14 वर्षीय बेटी कक्षा आठ की छात्रा है। तीन नवंबर की सुबह छह बजे अचानक बेटी लापता हो गई और जब खोजबीन शुरू की तो पता चला कि बेटी को वार्ड-19 खेड़ा निवासी आकाश नाम ने बहला फुसलाकर उसका अपहरण कर लिया। जब परिवार से पूछा तो परिवार ने बेटी को देखा है और अभियुक्त पर घर छोड़कर हरिद्वार जाने की बात कही।

आयोजन | धामी ने नैनीताल जनपद की 31 और ऊधम सिंह नगर की 13 वीर नारियों को किया सम्मानित

सैनिक कभी पूर्व नहीं होता... सदैव सैनिक ही रहता है

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

हल्द्वानी में पूर्व सैनिक सम्मेलन में वीर नारियों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री।

अमृत विचार : सैनिक कभी पूर्व नहीं होता है, वह सदैव सैनिक होता है। इनसे अनुशासन, वीरता, पराक्रम, धैर्य, हौसले की प्रेरणा मिलती हैं। सैनिक भूतपूर्व नहीं बल्कि अभूतपूर्व हैं। जब देश पर संकट आया, सैनिकों ने पहला वार सीने पर खाया और दुश्मनों को करारा जवाब दिया। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड स्थापना की रजत जयंती पर हुए पूर्व सैनिक सम्मेलन में कही। गुरुवार को एमबी इंटर कॉलेज मैदान में हुए सम्मेलन में सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड वीर भूमि है, जहां की माटी में ही राष्ट्रभक्ति और बलिदान की भावना रची-बसी है। कारगिल से सियाचिन तक, पूरब से पश्चिमी तक सैनिकों ने रक्त बहाकर तिरंगे का मान बढ़ाया है।

सैनिक कल्याण विभाग के ढांचे के पुनर्गठन समेत कई घोषणाएं कीं : सीएम ने सैनिक कल्याण विभाग के ढांचे के पुनर्गठन व सुदृढ़ीकरण, हल्द्वानी, अल्मोड़ा और पौड़ी में जिला सैनिक कल्याण कार्यालयों एवं आवासीय भवनों के निर्माण, दिव्यांग सैनिकों व वीर नारियों को आवासीय भवन निर्माण के लिए दी जाने वाली सहायता राशि को 2 से बढ़ाकर 5 लाख करने, हल्द्वानी में कागजी औचारिकताएं पूरी होने के बाद एक माह में सैनिकों के बच्चों के लिए हॉस्टल (150 क्षमता का) बनाने आदि की घोषणाएं कीं। बताया कि राज्य सरकार ने शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख किया। शहीद के अंतिम संस्कार के लिए 10 हजार की मदद की जाती है। 25 लाख की खरीद पर स्टांप ड्यूटी में 25 प्रतिशत की छूट दी गई है।

आज हर गांव सड़क और हर घर बिजली-पानी से जुड़ गया : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं रास सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा कि वर्ष 2000 से पूर्व सड़कें नहीं थीं, वर्ष 2025 में राज्य का हर गांव सड़क से जुड़ गया। हर घर में बिजली-पानी, गैस चूल्हा है। वहीं, वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि सरकार सैदव सैनिकों के साथ खड़ी है।

पटेल जयंती पदयात्राओं की तैयारी को लेकर कसी कमर

लखनऊ, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाली विधानसभा स्तरीय पदयात्राओं की तैयारियों को लेकर पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को प्रदेश सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिला प्रभारियों के साथ वर्चुअल संवाद किया।

बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, बेबी रानी मौर्य, जेपीएस राठौर, धर्मवीर प्रजापति, अनिल राजभर और दारा सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में मंत्री, सांसद, विधायक और प्रदेश पदाधिकारी शामिल हुए। पदयात्राएं सरदार पटेल के विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

राहुल की वोट चोरी की पोस्ट 'रिपोस्ट' करने पर सिपाही लाइनहाजिर

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोट चोरी से संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट को 'रिपोस्ट' करने के मामले में डीडवाना-कुचामन जिले के एक पुलिस कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया गया है। इस कांस्टेबल ने कांग्रेस नेता की पोस्ट को डीडवाना-कुचामन पुलिस के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से 'रीपोस्ट' किया था। केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाने वाली यह पोस्ट बुधवार शाम को 'रिपोस्ट' की गई थी। हालांकि, वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में आने के तुरंत बाद इसे हटा दिया गया।

दाऊद इब्राहिम की मां की जमीन पांचवीं बार भी नीलाम नहीं हो पाई

मुंबई। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम की मां के स्वामित्व वाले चार भूखंडों की बिक्री नहीं हो पाई, क्योंकि हाल में हुई सरकारी नीलामी में इन्हें खरीदने के लिए कोई आगे नहीं आया। इन भूखंडों का आरक्षित मूल्य 20 लाख रुपये रखा गया है। एक अधिकारी ने बताया कि तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम प्राधिकरण द्वारा महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के खेड़ क्षेत्र में स्थित इन संपत्तियों को बेचने का यह पांचवां प्रयास था। आधार मूल्य निर्धारित करने के उद्देश्य से भूखंडों का मूल्यांकन 2.33 लाख, 9.41 लाख, 8.08 लाख और 15,000 रुपये किया गया।

कोच्चि में सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक का हुआ जलावतरण

कोच्चि। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को भारतीय नौसेना के तीसरे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित बड़े सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक का जलावतरण किया। एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि आईएनएस इक्षक भारतीय नौसेना का 2025 में कमीशन हुआ दसवां प्लेटफॉर्म है। उन्होंने कहा, जब वैश्विक समुद्र में उथलपुथल होती है तो विश्व एक स्थिर प्रकाश स्तंभ की तलाश करता है। भारत मजबूती के साथ यह भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो बना देगी घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड : गृहमंत्री

शाह बोले- घुसपैठियों से राज्य को मुक्त करने के लिए है यह विधानसभा चुनाव

बेतिया/मोतिहारी (बिहार), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देश की नौकरियां छीनते और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। शाह ने कहा कि यह चुनाव राज्य को घुसपैठियों से मुक्त कराने का है।

बिहार संग्राम

प. चंपारण और मोतिहारी जिले में चुनावी सभाओं में शाह ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासनकाल में नरसंहार और दुष्कर्म की घटनाएं आम थीं, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में बाहुबली के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मखाना बोर्ड की स्थापना की, लेकिन अगर लालू एंड कंपनी सत्ता में आई तो 'घुसपैठिए घुसाओ बोर्ड' बना दिया जाएगा।

शाह ने दावा किया कि केवल नरेन्द्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी ही बिहार में जंगलराज को लौटने से रोक सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि लालू प्रसाद और राहुल गांधी बिहार में घुसपैठियों का रास्ता साफ करने की कोशिश कर रहे हैं। महागठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अगर ठगबंधन सत्ता में आया तो चंपारण मिनी चंबल में बदल जाएगा। शाह ने कहा कि बिहार ने कभी इंदिरा गांधी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और आपातकाल का विरोध किया था, लेकिन अब कांग्रेस राजद के साथ मिलकर राज्य में शासन करने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार के बरकरार रहने पर चंपारण में एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा, क्षेत्र की सभी बंद चीनी मिलों को सहकारिता मॉडल के तहत फिर से चालू किया जाएगा और थारू समुदाय के लिए विशेष योजनाएं शुरू की जाएंगी। शाह ने यह भी घोषणा की कि मोतिहारी में एक नया मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा और अरेराज स्थित बाबा सोमेश्वरनाथ मंदिर का 100 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

भाजपा कर रही चुनाव चोरी की कोशिश : राहुल

पूर्णिया/अररिया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर बिहार चुनाव चोरी करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश के युवाओं और 'जेन जी' को इसे रोकने के लिए मुस्तैद रहना होगा। उन्होंने पूर्णिया और अररिया में चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी पर नफरत बांटने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह ने देश में जंगल राज लागू कर रखा है। कांग्रेस नेता ने पूर्णिया की सभा में कहा, हमने ऐसा सबूत दिया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग उसका कोई जवाब नहीं दे पा रहे हैं। उन्होंने दावा किया, भाजपा ने हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ का चुनाव चोरी किया, लोकसभा का चुनाव चोरी किया। अब ये बिहार का चुनाव चोरी करने की कोशिश कर रहे हैं, इन लोगों ने महागठबंधन के मतदाताओं के नाम काटे हैं और फर्जी लोगों के नाम जोड़े हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, बिहार के युवाओं और जेन जेड की जिम्मेदारी है कि संविधान को बचाएं।

मोदी निष्पक्ष चुनाव कराएं, देखते हैं कि कौन जीतता : प्रियंका गांधी

मोतिहारी/सीतामढ़ी/मधुबनी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) हरियाणा की तरह बिहार में भी चुनाव चोरी करने की तैयारी में है। उन्होंने पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी और मधुबनी जिलों में चुनावी सभाओं में दावा किया कि निर्वाचन आयोग संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर करने के लिए सरकार के साथ काम कर रहा है। प्रियंका ने राहुल गांधी के हरियाणा में कथित वोट चोरी का हवाला देते हुए कहा, जिस तरह राजग ने हरियाणा में पूरा चुनाव चुरा लिया, उसी बिहार में भी 65 लाख वोटों को नामावली से हटाकर ऐसा ही करने की तैयारी में हैं। प्रियंका ने जनता का आह्वान किया, आप बिहार में एक ऐसी सरकार बनाइए, जो महिलाओं, युवाओं, किसानों, गरीबों के लिए काम करे- वोट चोरी न करे। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो निर्वाचन आयुक्तों एसएस सिंधू और विवेक जोशी का उल्लेख करते हुए दावा किया, ये तीन लोग आपके अधिकार छीन रहे हैं। इनको पद और आयोग के पीछे छिपने मत दीजिए। कांग्रेस महासचिव ने कहा, जो लोग देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, उन्हें देश भूलेगा नहीं। मोदी को मैं चुनौती देती हूं कि वो निष्पक्ष चुनाव कराएं। देखते हैं कि कौन जीतता है?

रोटी को पलटना जरूरी, वरना जल जाएगी : लालू यादव

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद ने गुरुवार को बिहार के लोगों से सरकार बदलने की अपील करते हुए कहा कि जैसे तवे पर रोटी को पलटते रहना जरूरी होता है, वरना वह जल जाती है, ठीक उसी तरह शासन में भी परिवर्तन आवश्यक है। राजद प्रमुख ने अपनी पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी तथा पुत्र और महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव के साथ मतदान किया। मतदान के बाद लालू प्रसाद ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि रोटी को तवे पर पलटना जरूरी होता है, नहीं तो वह जल जाती है। 20 साल बहुत हो गए! अब नए बिहार के निर्माण के लिए तेजस्वी की सरकार जरूरी है। लालू प्रसाद का यह वक्तव्य बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के दिन आया, जिसमें उन्होंने जनता से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार को बदलने की अपील की।

अपनी किस्मत बदलने को आतुर बिहार के मतदाता

राज्य के इतिहास में सर्वाधिक मतदान

विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान में बिहार के मतदाताओं ने इस बार इतिहास रच दिया। निर्वाचन आयोग के मुताबिक इस बार करीब 65 प्रतिशत मतदान हुआ है जो राज्य के इतिहास में सर्वाधिक है। मतदान के लिए लोगों में सुबह से ही भारी उत्साह दिखाई दिया। सुबह से शाम तक मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें लगी नजर आईं। महिलाओं और युवाओं दोनों ने मतदान करने में भारी उत्साह दिखाया। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं की भी मतदान केंद्रों पर अच्छी-खासी तादाद नजर आई।

जेन जी पीढ़ी : पहली बार मतदान करने के बाद सेल्फी लेतीं दो युवतियां।

पहले चरण के चुनाव में तमाम केंद्रों पर महिला मतदाताओं की लंबी कतारें लगी नजर आईं।

एक वृद्धा को पोलिंग बूथ ले जाते परिजन।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने परिवार के सभी सदस्यों के साथ मतदान किया।

प्रख्यात शिक्षाविद खान सर ने भी मतदान किया, उन्होंने इस दौरान सभी युवाओं से भी मतदान अवश्य करने की अपील की।

काफी दुश्वारियां झेलकर भी लोग मतदान करने के लिए मतदान केंद्रों तक पहुंचे।

फिजियोथेरेपिस्ट, व्यावसायिक चिकित्सक 'डॉक्टर' उपाधि का इस्तेमाल नहीं कर सकते

कोच्चि, एजेंसी

- केरल हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्रालय व एनएमसी को जारी किए नोटिस

केरल उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि फिजियोथेरेपिस्ट और व्यावसायिक चिकित्सक मान्यता प्राप्त मेडिकल डिग्री के बिना अपने नाम के आगे 'डॉक्टर' शब्द का प्रयोग नहीं कर सकते।

न्यायमूर्ति वी जी अरुण का अंतरिम निर्देश 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन' (आईएपीएमआर) द्वारा दायर याचिका पर आया, जिसमें अनुरोध किया गया था कि फिजियोथेरेपिस्ट और व्यावसायिक चिकित्सकों को खुद को प्रथम पंक्ति के स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के रूप में पेश करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। अदालत ने स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल व्यवसाय आयोग (एनसीएएचपी), राज्य संबद्ध एवं स्वास्थ्य देखभाल परिषद और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को भी नोटिस जारी कर आईएपीएमआर की याचिका पर जवाब मांगा है।

अपनी याचिका में आईएपीएमआर ने यह भी निर्देश देने का अनुरोध किया कि फिजियोथेरेपिस्ट और व्यावसायिक चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवा में सहायक भूमिका तक ही सीमित रखा जाए। अदालत ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने नौ सितंबर, 2025 की अधिसूचना के माध्यम से फिजियोथेरेपी-अनुमोदित पाठ्यक्रम, 2025 के लिए योग्यता आधारित पाठ्यक्रम में फिजियोथेरेपिस्ट के लिए उपसर्ग 'डॉ' को तत्काल हटाने का निर्देश दिया था। अदालत ने यह भी कहा कि नौ सितम्बर की अधिसूचना को बाद में मंत्रालय ने 10 सितम्बर को जारी एक अन्य अधिसूचना के माध्यम से वापस ले लिया। अदालत ने कहा कि मामले की अगली सुनवाई एक दिसंबर को होगी।

फिल्म 'हक' पर रोक से इन्कार, शाह बानो की बेटी की याचिका रद्द

इंदौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने इंदौर की शाह बानो बेगम की बेटी की उस याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें फिल्म 'हक' पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिका में कोई ठोस आधार नहीं है और किसी की निजता या प्रतिष्ठा का अधिकार उसके जीवनकाल के बाद समाप्त हो जाता है। अदालत के इस फैसले के साथ ही 7 नवंबर (शुक्रवार) को फिल्म के प्रदर्शित होने का रास्ता साफ हो गया है। फिल्म 'हक' में यामी गौतम धर और इमरान हाशमी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सभी अपराधों के लिए अनिवार्य रूप से देनी होगी गिरफ्तारी के आधार की लिखित सूचना: शीर्ष कोर्ट

व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक संरक्षण को मजबूत करने के लिए सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में बृहस्पतिवार को कहा कि प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति को लिखित रूप में गिरफ्तारी के आधार और उसकी समझ में आने वाली भाषा में जानकारी दी जानी चाहिए, चाहे अपराध की प्रकृति कुछ भी हो।

शीर्ष अदालत ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक संरक्षण को मजबूत करने वाले इस फैसले में हालांकि यह स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी से पहले या तुरंत बाद गिरफ्तार व्यक्ति को गिरफ्तारी का आधार लिखित रूप में न देने से ऐसी गिरफ्तारी अप्रभावी नहीं होगी, बशर्ते यह उचित समय के भीतर और किसी भी स्थिति में गिरफ्तार व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने से दो घंटे पहले लिखित रूप में दिया जाए। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने जुलाई 2024 में हुए बहुचर्चित मुंबई बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले से उत्पन्न मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र सरकार के मामले में यह फैसला सुनाया।

पालन न किया तो अवैध मानी जाएगी गिरफ्तारी

पीठ ने कहा कि अनुपालन न करने पर गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड अवैध मानी जाएगी और व्यक्ति को रिहा करने की स्वतंत्रता होगी। शीर्ष अदालत ने अपनी रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह फैसले की एक प्रति सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल और सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे। न्यायमूर्ति मसीह ने पीठ के लिए 52 पृष्ठों का फैसला लिखते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत वह संवैधानिक आदेश एक प्रक्रियात्मक औपचारिकता नहीं, बल्कि निजी स्वतंत्रता की मौलिक सुरक्षा है, जो गारंटी देता है कि व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारणों के बारे में यथाशीघ्र सूचित किया जाना चाहिए।

देश में वायु प्रदूषण रोकने के लिए याचिका

नई दिल्ली। देश में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के अनुरोध के साथ समग्र स्वास्थ्य विशेषज्ञ ल्यूक क्रिस्टोफर कोटिन्हो की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में दिल्ली में 22 लाख बच्चों के फेफड़े खराब होने का दावा करते हुए बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए प्रणालीगत विफलता को दूर करने के लिए तत्काल हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। याचिका में केंद्र सरकार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, कई केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग के साथ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, यूपी, बिहार और महाराष्ट्र की सरकारों को पक्षकार बनाया गया है।

अब्दुल्ला आजम की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायक मोहम्मद अब्दुल्ला आजम खान की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे उस मामले को रद्द करने की मांग की थी, जो पासपोर्ट बनवाने के लिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल से जुड़ा है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के 23 जुलाई के आदेश में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। हाईकोर्ट ने रामपुर में दर्ज मामले की कार्यवाही रद्द करने का अनुरोध करने वाली खान की अर्जी खारिज कर दी थी और निचली अदालत को कानून के अनुसार मुकदमा चलाने का निर्देश दिया था।

अधिकरण सुधार अधिनियम: सुनवाई टालने के अनुरोध पर केंद्र पर नाराजगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को न्यायाधिकरण सुधार पर 2021 के कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली मद्रास बार एसोसिएशन सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित करने के केंद्र के अनुरोध पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। तीन नवंबर को सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन पीठ ने केंद्र की उस अर्जी पर कड़ा रुख अपनाया था जिसमें उसने अधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पांच सदस्यीय पीठ के पास भेजने का अनुरोध किया था। न्यायालय ने कहा था कि अंतिम सुनवाई के आखिरी चरण में सरकार से ऐसी उम्मीद नहीं थी। यह अधिनियम फिल्म प्रमाणन अपीलीय अधिकरण समेत कुछ अपीलीय अधिकरणों को खत्म करता है और विभिन्न अधिकरणों के न्यायिक एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति एवं कार्यकाल से जुड़े कई नियमों में बदलाव करता है।

अभिनेत्री-गायिका सुलक्षणा पंडित का हार्ट अटैक से निधन

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री और पार्श्व गायिका सुलक्षणा पंडित का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। सुलक्षणा को नानावटी अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी उन्होंने अंतिम सांस ली। सुलक्षणा 71 वर्ष की थीं।

उनके भाई ललित पंडित ने बताया, 'शाम करीब सात बजे सुलक्षणा ने सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत की थी। हम उन्हें नानावटी अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया। सुलक्षणा ने 1975 में संजीव कुमार के साथ फिल्म 'उलझन' से करियर शुरुआत की और फिर राजेश खन्ना, शशि कपूर और विनोद खन्ना सहित अपने दौर के लगभग सभी शीर्ष सितारों के साथ काम किया। उनकी अन्य प्रमुख फिल्में 'संकोच', 'हेराफेरी' और 'खानदान' हैं। पार्श्व गायिका के रूप में भी सुलक्षणा का समानांतर और उतना ही प्रभावशाली करियर रहा और उन्होंने 'तू ही सागर तू ही किनारा', 'परदेसिया तेरे देश में', 'बेकरार दिल टूट गया' और 'बांधी रे काहे प्रीत' जैसे हिट गाने गाए। वह हरियाणा के हिसार के एक संगीत परिवार से थीं।

युवाओं में बढ़ रही है मोटापे और दिल के दौरे की समस्या

नई दिल्ली, एजेंसी

- वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने किया आगाह, ब्लू जोन सिद्धांत लागू करने की सिफारिश की

वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी हैं कि निष्क्रिय जीवनशैली के कारण किशोरों में उच्च रक्तचाप के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और 25 वर्ष की आयु के व्यक्तियों में भी हृदयाघात के मामले सामने आ रहे हैं। इन विशेषज्ञों का मानना है कि अब 50 प्रतिशत हृदयाघात 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में हो रहे हैं और दिल्ली के 60 प्रतिशत स्कूली बच्चे मोटापे से ग्रस्त हैं।

इन चिंताजनक आंकड़ों के मद्देनजर विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने का उपाय 'ब्लू जोन' सिद्धांतों की ओर तत्काल लौटना है। 'ब्लू जोन्स' दुनिया के पांच क्षेत्रों को कहा जाता है जिसमें ओकिनावा (जापान), सार्डिनिया (इटली), निकोया (कोस्टा रिका), ईकारिया (यूनान) और लोमा लिंडा (कैलिफोर्निया) शामिल है। यहां लोग लंबा और स्वस्थ जीवन जीते हैं और अत्यधिक सक्रिय तथा ऊर्जा से भरपूर रहते हैं। यह मुख्य रूप से उनके विशेष जीवनशैली के कारण संभव होता है।

फोर्टिस, नोएडा के 'इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी विभाग' के वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख डॉ. संजीव गेहरा ने पिछले सप्ताह आयोजित 'हिल वनहेल्थ कनेक्ट सीरीज' में इस 'महामारी' की गंभीरता पर चेतावनी दी। उन्होंने कहा, हम 25 वर्ष की उम्र में हृदयघात के मामले देख रहे हैं, जबकि 50 प्रतिशत मामले 50 वर्ष से कम उम्र के लोगों में हैं। इसका मुख्य कारण हमारी निष्क्रिय जीवनशैली है। दिल्ली के किशोरों में 60 प्रतिशत मोटापे की दर गहराते संकट की चेतावनी है और इससे 40 वर्ष की आयु तक अंगों को भारी नुकसान पहुंच सकता है। हमें 25 वर्ष से प्रारंभ होने वाले निवारक जांचों पर ध्यान केंद्रित करना होगा और सरल 'ब्लू जोन' सिद्धांत अपनाना होगा।

इंडिया हबिटेट सेंटर के निदेशक और 'हिल वनहेल्थ कनेक्ट सीरिज' के अध्यक्ष प्रोफेसर के जी सुरेश ने कहा, "स्वस्थ भारत के लक्ष्य को हासिल करने में संचार और समुदाय की भागीदारी की भूमिका अहम है। संचार के बिना स्वास्थ्य योजनाएं विफल हो जाती हैं। स्वास्थ्य को 'जन भागीदारी' आंदोलन बनाना होगा।

अनिल अंबानी को ईडी ने जारी किया समन

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में अगले सप्ताह फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। 66 वर्षीय उद्योगपति को 14 नवंबर को बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। मामला रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड द्वारा एसबीआई से 2,929 करोड़ की ऋण धोखाधड़ी से संबंधित है।

आह्वान

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा- देश का खोया गौरव वापस लाएं युवा, धार्मिक-सामाजिक विभाजन से दूर रहें

हमारी रगों में एक ही खून, जो हमें बांटता है वह अच्छा नहीं

गांधीनगर, एजेंसी

दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते एयर चीफ मार्शल एपी सिंह।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बृहस्पतिवार को युवाओं से भारत को अतीत की तरह एक महान देश बनाने और जाति या धर्म के आधार पर भेदभाव का त्याग करने का आह्वान किया। वायुसेनाध्यक्ष कर्णावती विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह के दौरान छात्रों को संबोधित कर रहे थे।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने अपने संबोधन में कहा, मुझे जिम्मेदारी के पहलू पर बोलने दीजिए। हमें इस देश को महान बनाना है। हम कभी दुनिया में अग्रणी थे, लेकिन पिछली कुछ शताब्दियों में हम पिछड़ गए। अगर हमें फिर से अच्छा करना है, तो आप जैसे लोग ही महत्वपूर्ण होंगे, जो इस देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। कोई सामाजिक विभाजन नहीं होना चाहिए, क्योंकि जो भी हमें बांटता है वह अच्छा नहीं है। हमारी रगों में एक ही खून बहता है और हम सभी एक ही देश के हैं। जाति या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। तभी हमारा देश प्रगति करेगा।

कुछ समय राष्ट्र और समाज को भी समर्पित करें युवा

'प्रत्येक सैनिक वर्दी में नागरिक है और प्रत्येक नागरिक बिना वर्दी के सैनिक है', जैसे वाक्यांश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि कुछ प्रयास और समय राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वहां मौजूद छात्रों से कहा, आप जीवन में चाहे जो भी हासिल करें, जहां भी जाएं, अपनी जड़ों और अपने मूल को हमेशा याद रखें। अपने माता-पिता और शिक्षकों की शिक्षाओं को याद रखें। हमेशा विनम्र रहें और जमीन से जुड़े रहें। सफलता का कोई 'शॉर्टकट' नहीं है। आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। दीक्षांत समारोह के दौरान वायुसेनाध्यक्ष को 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।

एयर चीफ मार्शल सिंह ने छात्रों से कहा कि कुछ भी बनने से पहले उन्हें करुणा, ईमानदारी, निष्ठा और निःस्वार्थता जैसे गुणों वाला अच्छा इंसान बनने का प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा, टीम के रूप में कार्य करना बहुत महत्वपूर्ण है। याद रखें कि हम सभी एक बड़ी व्यवस्था का हिस्सा हैं। हम सभी दीवार में लगी ईंटों की तरह हैं। हम सभी को अपना कर्तव्य निभाना होगा। यह राष्ट्र आपसे और मुझसे बना है। अगर हम भारत को महान बनाना चाहते हैं, तो हमें पहले खुद को बेहतर इंसान बनाना होगा। वायुसेनाध्यक्ष ने लोगों से समाज को कुछ वापस देने के बारे में सोचने का आग्रह किया।

अमृत विचार

शुक्रवार, 7 नवंबर 2025

यदि हम प्रश्न नहीं करेंगे, तो हम यांत्रिक जीवन जीएंगे।

–जे कृष्णामूर्ति, दार्शनिक

ममदानी की मुश्किलें

प्रख्यात फिल्म निर्देशक मीरा नायर के पुत्र और भारतीय मूल के युवा नेता ज़ोहरान ममदानी ने जब न्यूयॉर्क के मेयर पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की थी, तब से ही यह नाम न केवल अमेरिका बल्कि समूचे विश्व में चर्चा का विषय तो बना हुआ था, मगर जीत की संभावना महज एक फीसदी थी। प्रत्याशित तौर पर अरबपतियों के इस शहर में मध्यमवर्ग और वंचितों के अधिकारों की बात करने वाला यह सोशल डेमोक्रेट जीत गया। ज़ोहरान ममदानी पिछले सौ वर्षों में न्यूयॉर्क के सबसे युवा मेयर बने हैं। वे इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतवंशी और पहले मुस्लिम भी हैं। उन्हें 10 लाख से अधिक मत प्राप्त हुए,पिछले सात दशकों में किसी भी उम्मीदवार से अधिक। उन्होंने ट्रंप समर्थक रिपब्लिकन उम्मीदवार को 44 प्रतिशत के बड़े अंतर से हराते हुए तीसरे स्थान पर धकेल दिया। इस जीत ने न केवल अमेरिकी राजनीति में एक नई हवा भरी है, बल्कि प्रवासी समुदायों में आत्मविश्वास भरते हुए कहा, "यह शहर अप्रवासियों ने बनाया, अप्रवासियों ने चलाया और अब एक अप्रवासी के नेतृत्व में बढ़ेगा।"

उनकी पहचान एक प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट के रूप में है। उन्होंने मुफ्त बस सेवा, सार्वभौमिक चाइल्ड केयर और 2030 तक न्यूनतम मजदूरी 30 डॉलर प्रति घंटा करने जैसे महत्वाकांक्षी वादे किए हैं, लेकिन इन योजनाओं पर अरबों डॉलर का खर्च आएगा और इसके लिए उन्होंने अमीरों पर कर बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जिस पर विरोध के स्वर मुखर हैं, जिससे उनके सामने प्रशासनिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक कठिन दौर शुरू होना तय है। इसी बीच पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें 'कम्युनिस्ट' करार देते हुए शहर की संघीय सहायता में कटौती और नेशनल गार्ड भेजने की धमकी दी है। यह खतरा इसलिए बड़ा है, क्योंकि न्यूयॉर्क का बजट काफी हद तक संघीय फंडिंग पर निर्भर करता है। यदि यह सहायता कम होती है, तो ममदानी की विकास योजनाएं गंभीर संकट में पड़ सकती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी स्वयं इस समय दो हिस्सों में बंटी दिख रही है, जहां बर्नी सैंडर्स और अलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज जैसे प्रगतिशील नेता ममदानी के समर्थन में हैं, वहीं कई उदारवादी नेता चिंतित हैं कि उनकी समाजवादी नीतियां पार्टी की पारंपरिक राजनीति को कमजोर कर सकती हैं।

इसके बावजूद, ममदानी की यह विजय केवल एक चुनावी जीत नहीं है, यह उस सोच की जीत है जो सामाजिक न्याय, समान अवसर और नागरिक कल्याण को राजनीति का केंद्र बनाना चाहती है। उन्होंने यह दिखा दिया है कि जनआकांक्षाओं से जुड़ी नीतियां, यदि सच्चे इरादों से प्रस्तुत की जाएं, तो बड़े से बड़ा सत्तातंत्र भी झुका सकता है। ट्रंप के लिए ममदानी ने भविष्य के लिए किंचित कठिनाइयां पैदा तो की हैं, पर सही बात तो यह है कि ममदानी की परीक्षा अभी से शुरू हो गई है। ममदानी को न केवल अपने वादों को पूरा करना होगा, बल्कि एक विभाजित और असमानताओं से भरे शहर को एकजुट भी करना होगा। यदि वे यह कर पाते हैं, तो यह जीत न सिर्फ न्यूयॉर्क की, बल्कि उस वैकल्पिक राजनीति की भी होगी जो आज के अशांत विश्व को नई दिशा दे सकती है।

प्रसंगवश

क्रांतिगीत वंदेमातरम् को भी चाहिए न्याय

वंदेमातरम् की रचना के 150 वर्ष पूर्ण गए। देशभक्ति का स्फूरण है, उत्साह है। रोम-रोम देशभक्ति की भावना से पुलकित है। वंदेमारतरम् दरअसल सिर्फ गीत नहीं है, यह देशभक्ति का प्रेरणापुंज है, यह मंत्र है। इसके शब्द, 'बीज मंत्रों' से आच्छादित हैं। जब यह अवतरित हुआ तब से आज तक भारत की एकता, विविधता और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बना है। गीत ने राजनीतिक दूरियां मिटा दी थीं, उत्तर से दक्षिण तक पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्रीय एकता का संदेश और क्रांति की प्रेरणा दी। गुलामी की बेड़ियों में जकड़ी 'भारत मां' को मुक्त कराने के लिए क्रांति कर दी थी। लाखों युवाओं को क्रांति की मशाल हाथ में थमा दी थी, और वे स्वतंत्रतता का लक्ष्य लेकर निकल पड़े थे। आज उसी वंदेमातरम् को न्याय की आवश्यकता है। उसके मूल स्वरूप में स्वीकारोक्ति की आवश्यकता है।

सर्वेश कुमार सिंह

वरिष्ठ पत्रकार

अंग्रेजों के क्रूर शासन में जब भारत की सांस्कृतिक और सामाजिक एकता खंडित की जा रही थी। बंगाल के सरकारी अधिकारी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के हृदय में अंग्रेज सरकार के एक फैसले से क्षोभ उत्पन्न हो गया। उन्होंने 'भारत माता' की स्तुति में एक गीत लिखने का निश्चय किया। चट्टोपाध्याय ने सात नवंबर 1875 को वंदेमातरम् की रचना कर दी। वंदेमारम् को कांग्रेस के अधिवेशन में प्रथम बार कलकत्ता में 1896 में गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने गाया।

कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में 28 अक्टूबर 1937 को प्रस्तुत एक रिपोर्ट के बाद इसे खंडित कर दिया गया। कांग्रेस ने उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया, जिसमें इसके कई महत्वपूर्ण अंशों को काट दिया गया और केवल आरंभ के दो छंद ही स्वीकार किए गए। यह सब कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हुआ। दरअसल रामपुर के अली बंधुओं का कांग्रेस में काफी दबदबा था। कांग्रेस उन्हें देश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं के रूप में मान्यता देती थी। इन अली बंधुओं के अनुरोध पर ही कांग्रेस ने खिलाफत आंदोलन में भाग लेने का फैसला किया था। अली बंधुओं में छोटे भाई मौलाना मोहम्मद अली जौहर कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। उनकी अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश के काकानाडा में 28 दिसंबर 1923 से एक जनवरी 1924 तक अधिवेशन हुआ था।

अधिवेशन में परंपरागत रूप से 'वंदेमातरम्' गायन होना निश्चित था। इसके लिए प्रख्यात संगीतज्ञ, गायक पंडित विष्णु दिगंबर पुलस्कर उपस्थित हुए थे। उन्होंने जैसे ही गायन आरंभ किया तो अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे मौलाना मोहम्मद अली जौहर ने विरोध कर दिया। उन्होंने गायन रोकने को कहा, किंतु वे नहीं रुके और पूरा वंदेमातरम् गायन किया। क्षुब्ध होकर मौलाना जौहर मंच छोड़कर चले गए। इस विरोध पर कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए मौलाना जौहर की मांग पर समिति बना दी। समिति की रिपोर्ट पर वंदेमातरम् को खंडित किया गया। इसके साथ ही इसे अनिवार्य गायन से भी मुक्त कर दिया गया। यही खंडित वंदेमातरम् 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया।

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदेमातरम् के खंडित होने के भारत के दर्द को उजागर किया है। प्रधानमंत्री ने 31 अक्टूबर को एकता नगर (केवडिया) में सरदार पटेल की 150वीं जन्मजयंती पर कार्यक्रम में 'वंदेमातरम्' के भी 150 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वंदेमातरम् के साथ वह किया जो अंग्रेज भी नहीं कर सके। यानी कि वंदेमातरम् जैसे क्रांतिगीत और अनन्य राष्ट्रभक्ति की प्रेरक प्रार्थना को खंडित कर दिया।

उत्तराखंड: थोड़ा है और बहुत की जरूरत है

अमित शर्मा

हल्द्वानी

उत्तराखंड के विकास के 25 साल के रोडमैप पर विधानसभा में सुझाव और तर्क दिए गए। पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं।

एक गीत के बोल हैं- थोड़ा है थोड़े की जरूरत है, लेकिन इस छोटे से पर्वतीय राज्य उत्तराखंड के लिए अभी विकास बहुत थोड़ा है और आगे अभी बहुत-बहुत-बहुत की जरूरत है। मूलभूत सुविधाओं और संसाधनों को बढ़ाने के सतत् प्रयास करने होंगे, तो राज्य में स्थायी रोजगार देने के अवसरों के साथ ही, चाहे वह निम्न या मध्यम वर्गीय नागरिक हों, आर्थिक समानता के लिए हर एक को उसकी दैनिक जरूरतों को पूरा करने की बेहतर स्थिति में लाना होगा। राज्य के विकास का 25 साल का रोडमैप कैसा होना चाहिए, उत्तराखंड विधानसभा में इस महत्वपूर्ण विषय पर सत्ता और विपक्ष के सदस्यों (विधायकों) द्वारा अपने-अपने सुझाव और तर्क भी दिए गए।

विधानसभा के इस विशेष सत्र की खूबी यह रही कि विधायकों ने अपनी बात को बिना किसी लाग-लपेट के रखा और परंपरा से हटकर सार्थक बहस की। चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार का मामला हो या भ्रष्टाचार का, सभी ने अपने-अपने हिसाब से विकास के रोडमैप की परिभाषा बताई। एक वरिष्ठ विधायक का यह दर्द भी सामने आया कि उत्तर प्रदेश से विभाजित होने के बाद भी उत्तराखंड की अभी तक अपना वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया है।

एक विधायक ने कहा कि हमें उत्तर प्रदेश के बजाय हिमाचल प्रदेश की नीतियों का अनुसरण करना चाहिए, क्योंकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की भौगोलिक स्थितियां और चुनौतियां लगभग एक जैसी ही रहती हैं। एक विधायक का दर्द इस तरह भी छलका कि अभी तक इस राज्य में यह तय नहीं हो पाया है कि आखिर उत्तराखंडी होने की परिभाषा क्या है।

एक वरिष्ठ विधायक को तो यह कहते भी सुना गया कि चर्चा के दौरान मैं अपने उत्तराखंडी होने का प्रमाण भी दे दूंगा। एक तरह से देखा जाए तो उत्तराखंड कई मामलों में उत्तर प्रदेश के रोड मैप पर ही चल रहा है। पहाड़-मैदान का मुद्दा अभी भी मुखर है। विडंबना यह कि उत्तराखंड की विधानसभा में ही, पहाड़-मैदान जैसे संवेदनशील मामले में, जहां मौका लगता है, सदस्य एक-दूसरे पर तीखी टिप्पणी करने से चूकते नहीं। गढ़वाल मंडल में हरिद्वार और कुमाऊं में ऊधमसिंह नगर भले ही भौगोलिक तौर पर मैदानी एरिया हैं, लेकिन मानसिक तौर पर अभी भी इन्हें मैदानी इलाका ही माना जाता है। इस सोच को निश्चित तौर पर बदलना होगा।

अब विकास की बात करें, तो पहाड़ों पर शिक्षा और स्वास्थ्य, ये दो मुद्दे आज भी पहाड़ की तरह खड़े हैं। निःसंदेह सरकार इन दोनों मुद्दों पर बहुत कुछ कर चुकने और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचने का दावा भी कर रही है, लेकिन यह आम बात हो चली है कि पहाड़ पर अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र रेफरल सेंटर बन चुके हैं। सरकार को इस मिथक को तोड़ना होगा और पहाड़ों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करना ही होगा। शिक्षा की भी हालत सही नहीं कही जा सकती। चाहे वह मानसून का महीना हो या फिर शीतकाल, भौगोलिक और मौसमी परिस्थितियां ऐसी हैं कि उन्हें जान हथेली पर रखकर शिक्षा के मंदिर तक जाना होता है।

पहाड़ की महिलाओं का दर्द भी कम नहीं है। जीविका चलाने के लिए उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यहां तक कि जंगल में खतरनाक वन्यजीवों से भी सामना करना पड़ता है और दुर्भाग्य यह है कि अक्सर खबर आती है कि अमुक जिले के जंगल में बाघ या भालू ने महिला को मार डाला। जंगली जानवरों के फसलों को उजाड़ने के मामले तो अब आम बात हो गई है।

उत्तराखंड को विश्व का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए अभी भगीरथ प्रयास करने की जरूरत है। दरअसल, विकसित उत्तराखंड के लिए आगामी 25 साल के लिए कई महत्वपूर्ण विकास योजनाएं और मुद्दे हैं, जिन पर अहम तौर पर काम करने की आवश्यकता है। इसमें सतत् विकास कार्यों के साथ प्रदेश की आर्थिकी की निरंतरता के लिए कृषि, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नवाचार करने होंगे।

जंगलों की आग इस राज्य की बेशकीमती वन संपदा को समूल नष्ट करने पर तुली है। अतिवृष्टि, बादल फटना, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं बिन बुलाए मेहमान की तरह हर साल उत्तराखंड के दर्द को बढ़ाने के लिए आतुर रहती हैं। विकास की दौड़ में वनों और पहाड़ों का सीना चीरने से कई नई चुनौतियां जन्म ले रही हैं। उच्च हिमालय को छोड़ दें, तो पहाड़ों पर हिमपात होना अब सपना हो गया है।

जलवायु परिवर्तन का ऐसा असर हो चुका है कि पता ही नहीं चल रहा है कि मौसम सर्दी का है या गर्मी का। मानव वन्यजीवों के प्राकृतिक बसेरे में घुसपैठ कर रहा है, तो बढ़ते असंतुलन से वन्यजीव शिकार की तलाश में आबादी में पहुंच रहे हैं। राज्य गठन से लेकर अभी तक एक बहुत बड़ी समस्या मूल निवास की भी सामने है, जिसका हल भी निकालना है।

यह सुखद है कि उत्तराखंड सरकार, इन चुनौतियों का सामना करते हुए देवभूमि के स्वर्णिम स्वरूप को संरक्षित रखने के लिए हर जतन कर रही है। सतत् विकास के कार्य भी हो रहे हैं और विकसित उत्तराखंड की दिशा में गंभीरता से प्रयास चल रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का उत्तराखंड विधानसभा में ऐतिहासिक अभिभाषण विधायिका को एक नई दिशा दे गया। दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयासों से ही हम उत्तराखंड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने की दिशा में प्रयास कर सकते हैं। चुनौतियां अभी कम नहीं हैं, इसलिए उपलब्धियों को जारी रखने के लिए सतत् विकास की मंजिल की ओर हमें सामूहिक कदमों के साथ बढ़ना होगा।

आमने

वोटरों के नाम काटने की कोशिश करने वाले भाजपा नेताओं को पेड़ से बांधकर लटका दिया जाना चाहिए। अगर कोई सचमुच वोटरों का नाम काटता है, तो फिर उसे छोड़ा नहीं जाना चाहिए।

–असीमा पात्र

तृणमूल कांग्रेस की विधायक

सामने

अगर कोई विधायक खुलेआम बीजेपी कार्यकर्ताओं को पेड़ से बांधने की धमकी देती हैं, तो क्या पश्चिम बंगाल में अब तालिबानी शासन चल रहा है? राज्य का लोकतंत्र क्या तृणमूल कांग्रेस ने चुरा लिया है?

–स्वपन पाल

बंगाल भाजपा के नेता

क्रिकेट: छोटे शहर की बेटियों का बड़ा कारनामा

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

भारतीय महिला क्रिकेट की विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से हैं। उन्होंने बहुत संघर्ष के बाद अपना मुकाम बनाया है।

बीते दो नवंबर का वह ऐतिहासिक पल, जब नवी मुंबई के दर्शकों से खचाखच भरे डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर पहली बार महिला विश्वकप पर कब्जा जमाया। गौर करें कि इस विजयी टीम की अधिकांश खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण इलाकों से आ रही हैं। रोहतक की शेफाली वर्मा, आगरा की दीप्ति शर्मा, धर्मशाला की रेणुका सिंह, उमा चेत्री असम के, क्रांति गौड़ मध्य प्रदेश के तथा श्री चरनी आंध्र प्रदेश के ग्रामीण इलाकों से संबंध रखती हैं। क्या यह संकेत है कि अब छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से भारत को बड़े खिलाड़ी मिलेंगे? जवाब है हां!

अगर भारतीय क्रिकेट के गुजरे दौर के पन्नों को खंगाले तो पता चलेगा कि हमारे देश की क्रिकेट का इतिहास हमेशा से बड़े महानगरों जैसे मुंबई, दिल्ली, बैंगलूरु, कोलकाता, चेन्नई के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। छोटे शहरों से आने वाले खिलाड़ी अपवाद थे। महिला क्रिकेट में भी यही सिलसिला चला। 1980-90 के दशक में मिताली राज (हैदराबाद) या झूलन गोस्वामी (कोलकाता के उपनगर) जैसी दिग्गजों ने रास्ता दिखाया, लेकिन टीम का कोर हमेशा बड़े शहरों से ही रहा, लेकिन 2025 विश्व कप की भारतीय टीम में परिवर्तन स्पष्ट है। 15 सदस्यीय स्क्वॉड में कम से कम 10 खिलाड़ी छोटे शहरों या ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं।

उदाहरण के लिए, शेफाली वर्मा का संबंध रोहतक से है, जहां क्रिकेट अकादमियां सीमित हैं। शेफाली ने स्थानीय क्लब से शुरुआत की और 16 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया। इसी तरह, दीप्ति शर्मा आगरा से हैं, जहां क्रिकेट का सपना देखना आसान नहीं था। दीप्ति ने घर पर ही नेट प्रैक्टिस की शुरुआत की और आज वे विश्व कप की हीरो हैं।

नई पीढ़ी की ये लड़कियां और भी प्रेरणादायक हैं। उमा चेत्री, असम के सिलचर जिले के एक छोटे से गांव से, जहां बाढ़ और गरीबी आम हैं, ने विकेटकीपिंग में अपनी छाप छोड़ी। उनकी कहानी फिल्मी लगती है। स्कूल के मैदान पर गेंद पकड़ते हुए सपने बुनना, फिर राज्य स्तर पर चयन और विश्व कप फाइनल में योगदान। मध्य प्रदेश के छतरपुर से आती हैं क्रांति गौड़, जिन्होंने खेतों के बीच गेंदबाजी सीखी। वे स्पिनर हैं और विश्व कप में अपनी किफायती गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका को परेशान किया।

श्रीचरनी आंध्र प्रदेश के एक पिछड़े क्षेत्र से संबंध रखती हैं, जहां क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर न के बराबर है। ये नाम न सिर्फ टीम की ताकत हैं, बल्कि छोटे शहरों की प्रतिभाओं का प्रमाण है। ESPN क्रिकइंफो के अनुसार, भारतीय महिला टीम के 2025 स्क्वॉड में 70 प्रतिशत खिलाड़ी गैर-महानगरीय पृष्ठभूमि से हैं, जो 2017 विश्व कप स्क्वॉड (जिसमें 40 फीसदी थे) से दोगुना है।

यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ। कई कारक जिम्मेदार हैं। सबसे पहले, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला क्रिकेट पर बढ़ती फोकस। 2013 के बाद से, बीसीसीआई ने घरेलू टूर्नामेंट्स जैसे सीनियर महिला ट्रॉफी और सुपर लीग में छोटे राज्यों को अधिक मौके दिए। इससे झारखंड, असम, तेलंगाना जैसे राज्यों से प्रतिभाएं उभरीं। दूसरा, डिजिटल क्रांति का योगदान। यूट्यूब, इंस्टाग्राम और टिकटॉक पर कोचिंग वीडियो उपलब्ध होने से छोटे शहरों की लड़कियां घर बैठे सीख रही हैं।

उदाहरणस्वरूप, रेणुका सिंह (हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा से) ने ऑनलाइन ट्यूटोरियल्स से स्विंग बॉलिंग सीखी। तीसरा, सरकारी योजनाएं। 'खेलो इंडिया' और 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' जैसी पहलों ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया। असम सरकार ने उमा चेत्री जैसे खिलाड़ियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति दी। चौथा, महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का प्रभाव। 2023 से शुरू हुई डब्ल्यूपीएल ने छोटे शहरों की लड़कियों को प्लेटफॉर्म दिया, जहां वे बड़े कोचों से सीख सकें। छोटे शहरों में सुविधाओं की कमी, जैसे अच्छे ग्राउंड, कोचिंग सेंटर या यहां तक कि सुरक्षित यात्रा अभी भी बाधा हैं। क्रांति गौड़ ने एक इंटरव्यू में कहा, "उन्हें वारंगल से हैदराबाद ट्रेन से जाना पड़ता था, लेकिन मेरे परिवार का समर्थन ही मेरी ताकत था।"

लैंगिक पूर्वाग्रह भी एक मुद्दा है। कई परिवारों में लड़कियों को क्रिकेट खेलने की अनुमति देना ही बड़ी जीत होती है। फिर भी, ये बेटियां साबित कर रही हैं कि सपने शहर की सीमा नहीं मानते। विश्व कप जीत के बाद, रोहतक में शेफाली के सम्मान समारोह में हजारों लड़कियां मैदान पर उतरीं, जो भविष्य की प्रतिभाओं का संकेत है। यह ट्रेंड सिर्फ महिला क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। पुरुष क्रिकेट में भी छोटे शहरों से खिलाड़ी आ रहे हैं, लेकिन महिलाओं में यह ज्यादा तेजी से हो रहा है, क्योंकि क्रिकेट अब लैंगिक बाधाओं को तोड़ रहा है।

इस जीत का सामाजिक प्रभाव गहरा है। छोटे शहरों की लड़कियां अब देख रही हैं कि क्रिकेट न सिर्फ खेल है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण का साधन भी। विश्व कप विजेताओं को मिलने वाले इनाम और एंडोर्समेंट डील्स से परिवारों की जिंदगी बदल रही है। उमा चेत्री की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, अब कहती हैं, "मेरी बेटी ने गांव का नाम रोशन किया।" यह प्रेरणा लाखों लड़कियों को क्रिकेट के मैदान की ओर धकेल रही है।

सोशल फोरम

दुनिया भर में हो रही बुजुर्ग पेड़ों की मौत

पिछले दिनों 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' में एक बहुत ही ख़ूबसूरत लेख छपा। लेख बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्तों के बारे में था। वैसे बूढ़े, उम्रदराज़ दरख़्त- जो बहुत कद्दावर भी हों। साइंस की ज़ुबान में इन्हें एल्डरफ्लोरा और मेगाफ्लोरा कहेंगे। लेखक जेरेड फार्मर बतला रहे थे कि दुनिया में हजारों साल पुराने दरख्त मौजूद हैं, लेकिन वो धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। हमें उन्हें बचाना चाहिए। क्यों? केवल इसलिए नहीं कि वो बहुत पुराने हैं और गुजरे वक्त की एक शानदार यादगार हैं, बल्कि इसलिए भी कि उनके भीतर वैसी जेनेटिक सूचनाएं संकलित हैं, जो बेशकीमती हैं।

सुशोभित

ब्लॉगर

वे पेड़ अतीत में ऐसे अवसर पर पनपे थे, जब उनके लिए परिवेश अनुकूल था। वैसी परिस्थितियां शायद सदियों तक फिर न दोहराई जा सकें। वे अतीत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह हैं और सबसे बड़ी बात यह कि वे अपने आसपास के इकोलॉजिकल सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। पर्यावरणविद् मेग लोमैन ने अकारण ही वृक्षों के माध्यम से संचालित होने वाले पारिस्थितिकी-तंत्र को आठवें महाद्वीप की संज्ञा नहीं दी थी।

पेड़ बहुत मिलनसार होते हैं। यारबाश होते हैं। वे समूह में रहना पसंद करते हैं, जिन्हें हम जंगल कहते हैं, वे दरख्तों की बस्तियां हैं। कवियों और शायरों को लगता है कि पेड़ अपने पत्तों की खड़खड़ाहट से आपस में गुफ़्तगू करते हैं। हकीकत यह है कि पेड़ पत्तों नहीं जड़ों के जरिये बात करते हैं और यह सच है। पीतर वोल्लेबेन ने इसी को वुड-वाइड-वेब कहा था। जितना पुराना पेड़ होगा, उतना ही उसका कम्युनिकेशन सिस्टम पुख्ता होगा और वो अपने आसपास के नौजवान दरख्तों की बढ़त में मददगार होगा। जेरेड फार्मर इन्हें मदर-ट्री कहते हैं। ये अपने आसपास के सब्जे को पालते-पोसते हैं। आपने साल के किसी वृक्ष को अकेला नहीं देखा होगा, वो समूह में ही पनपते हैं। तनहाई में वो मर जाते हैं।

जेरेड फार्मर ने चिंता जतलाई कि बूढ़े दरख्त एक-एक कर के मर रहे हैं और किसी को फिक्र नहीं है। हाल के दिनों में दुनिया में ऐसे पूरे-पूरे जंगल जलकर खाक हो गए, जिनमें तीन हजार साल पुराने तक पेड़ थे। इनमें आग-प्रतिरोधक सेकोइआस भी शामिल थे, जो दुनिया के सबसे भीमकाय पेड़ माने जाते हैं। अकाल के दौर में फलने-फूलने वाले ग्रेट बेसिन के ब्रिस्टलकोन पाइन पेड़ भी नष्ट हो गए हैं। ये पेड़ पांच हजार साल तक जीवित रह सकते हैं।

सामयिकी

बच्चों में बढ़ रहे हैं अवसाद व खुदकुशी के मामले

हाल ही में जयपुर के एक पांच सितारा स्कूल की छठी कक्षा की छात्रा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई आत्महत्या कई सवाल खड़े करती है। उसकी मौत इतनी दर्दनाक और रोंगटे खड़े कर देने वाली है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। घटना के बाद छात्रा की मां स्कूल आईं। उस मां ने चीत्कार के साथ कहा कि आई किल्ड माई डॉटर। आप अंदाजा लगाने की कोशिश कीजिए कि उस मां पर क्या बीत रही होगी! वह आजीवन इस आत्म ग्लानि से कैसे उबर पाएगी। वह अपनी बेटी के मन में पनपती उस पीड़ा को भी नहीं समझ पाई, जिसका अंजाम इतना दर्दनाक निकला।

अमित बैजनाथ गर्ग

वरिष्ठ पत्रकार

असल में यह घटना कई सवालों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सबसे पहला सवाल तो यह है कि आखिर इतने छोटे बच्चे आत्महत्या जैसा बड़ा कदम क्यों उठा रहे हैं? दूसरा हम अपने बच्चों को कैसी शिक्षा व्यवस्था में ढाल रहे हैं। तीसरा सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर बच्चे मानसिक रूप से इतने कमजोर क्यों हो रहे हैं? ये सवाल आपस में एक-दूसरे से गहरे तक जुड़े हुए हैं। असल में आत्महत्या का प्रयास करने वाले अधिकांश बच्चे मानसिक स्वास्थ्य विकार और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं।

छोटे बच्चों में आत्महत्या के प्रयास अक्सर आवेगपूर्ण होते हैं। ये प्रयास उदासी, भ्रम, क्रोध या ध्यान और अति सक्रियता संबंधी समस्याओं से जुड़े हो सकते हैं। वहीं उन पर पढ़ाई और सबसे आगे रहने का दबाव भी बना हुआ है। हमारी शिक्षा प्रणाली उन पर इतना दबाव बना देती है कि वे मानसिक अवसाद में आ जाते हैं और पढ़ाई का बोझ सहन नहीं कर पाते। यह रट्टा मार शिक्षा व्यवस्था हमारे नौनिहालों के जीवन पर भारी पड़ रही है। असल में बच्चों से लेकर युवाओं तक में आत्महत्या एक गंभीर समस्या बनी हुई है। एक अनुमान के अनुसार, 15 से 24 वर्ष की आयु के बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों में आत्महत्या मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है।

किशोरों में आत्महत्या के प्रयास तनाव, आत्म-संदेह, सफलता का दबाव, वित्तीय अनिश्चितता, निराशा और नुकसान की भावनाओं से जुड़ी हो सकती है। वहीं कुछ किशोरों के लिए आत्महत्या उनकी समस्याओं का समाधान लग सकती है। आत्महत्या के विचार और प्रयास अक्सर अवसाद से जुड़े होते हैं। अवसाद के अलावा अन्य जोखिम कारक भी हैं, जैसे आत्महत्या के प्रयासों का पारिवारिक इतिहास, हिंसा के संपर्क में आना, आवेगशीलता, आक्रामक या विघटनकारी व्यवहार, हथियारों तक पहुंच, निराशा या लाचारी की भावनाएं और तीव्र हानि या अस्वीकृति।

अगर बच्चों और किशोरों की बात की जाए तो आत्महत्या के बारे में सोच रहे बच्चे और किशोर खुलेआम आत्मघाती बयान या टिप्पणियां कर सकते हैं, जैसे काश मैं मर जाता या मैं अब ज्यादा समय तक तुम्हारे लिए समस्या नहीं रहूंगा आदि। आत्महत्या से जुड़े अन्य चेतावनी संकेतों में खाने या सोने की आदतों में बदलाव। बार-बार उदासी। दोस्तों, परिवार और नियमित गतिविधियों से दूरी। शारीरिक लक्षणों के बारे में अक्सर शिकायतें होती हैं, जो अक्सर भावनाओं से संबंधित होती हैं, जैसे पेट दर्द, सिर दर्द, थकान आदि। स्कूल के काम की गुणवत्ता में गिरावट। मौत होने को लेकर चिंता आदि। आत्महत्या के बारे में सोचने वाले युवा भविष्य की योजना बनाना या उसके बारे में बात करना भी बंद कर सकते हैं। असल में अवसाद और आत्महत्या की भावनाएं मानसिक विकार हैं, जिनका इलाज संभव है। बच्चे या किशोर की बीमारी की पहचान कर उचित उपचार किया जा सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

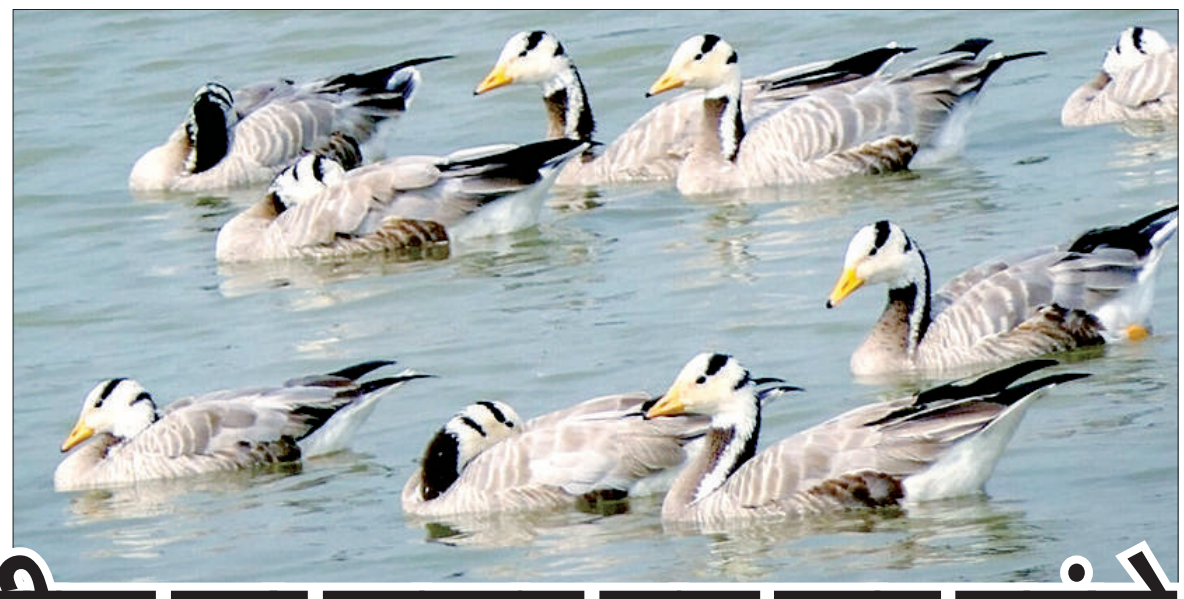

हजारों मील का सफर तय कर पहुंचे
सर्दियों के मेहमान

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के हसीन जंगल सिर्फ विदेशी पर्यटकों को ही आकर्षित नहीं कर रहें, बल्कि प्रवासी पक्षी भी अब यहां की आबो-हवा के दीवाने हो चुके हैं। हजारों मील का लंबा सफर तय कर साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप में ठंड बढ़ने के साथ यह रंग-बिरंगे मेहमान (शरदकालीन प्रवासी पक्षी) तराई की गोद में बसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास की झीलों, नदियों और दलदली क्षेत्रों में नए बसेरे की तलाश में दस्तक दे चुके हैं। इन प्रवासी पक्षियों में कई ऐसे हैं, जिनकी खासियत हर किसी को हैरान कर देने वाली है। फिलहाल इन सभी ने अपना ठिकाना बनाने के बाद अब पानी में अठखेलियां और हवा में कलाबाजी कर लोगों में रोमांचित करना शुरू भी कर दिया है।

-सुनील यादव, पीलीभीत

ज्वेल ऑफ तराई कहे जाने वाले पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैव विविधिता के दम पर देश-दुनिया में टूरिज्म आइकॉन बनता जा रहा है। यहां के भारी-भरकम बाघों के बीच कई अन्य दुर्लभ स्तनधारी वन्यजीव भी हैं, जो शेड्यूल वन की श्रेणी में आते हैं। इन सबके बीच पिछले कुछ सालों से मेहमान परिंदों को भी पीलीभीत टाइगर रिजर्व की आबो-हवा रास आने लगी है। टाइगर रिजर्व के आंकड़ों के मुताबिक यहां पक्षियों की 350 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। पक्षियों के इस अद्भुत संसार में अब दूर-दराज देशों एवं समेत देश के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मेहमान परिंदें भी प्रवास को आने लगे हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक इन प्रवासी पक्षियों की प्रजातियों में धीरे-धीरे इजाफा भी हो रहा है।

प्रवासी पक्षियों पर लंबे समय से स्टडी करने वाली टरक्वाइज वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन सोसायटी के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व समेत आसपास क्षेत्र में सात समंदर पार समेत देश के विभिन्न राज्यों से 100 के अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां प्रवास को आती हैं। यह प्रवासी पक्षी साल भर में दो बार अपनी आमद दर्ज कराते हैं। प्रवासी पक्षियों की यह आमद मानसून से पहले और मानसून के बाद होती है। पिछले माह ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों की विदाई के साथ शरदकाल में रूस, साइबेरिया, अलास्का, सेंट्रल एशिया, लद्दाख आदि से शरदकालीन प्रवासी पक्षियों के झुंड दस्तक दे चुके हैं। तकरीबन चार से पांच माह के प्रवास के बाद यह फरवरी के अंतिम दिनों में वतन वापसी शुरू कर देते हैं। इसमें बड़ी संख्या में विदेशी पक्षी शामिल हैं, जो सात समंदर पार कर यहां टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत अन्य झील-पोखरों में प्रवास कर रहे हैं। जंगल से सटे इलाके में 22 किमी लंबे शारदा सागर डैम में इनकी संख्या हजारों में होती है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में मुख्य रूप से बार हेडेड गूज, ग्रे लेग गूज, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, कामन पोचार्ड, टफटेड डक, लैपविंग, चैट, फ्लाईकेचर, कॉमन सैंडपाइपर, मालार्ड, नार्दन पिनटेल आदि प्रमुख शरदकालीन प्रवासी हैं। इसमें वल्चर, ईगल व चैट आदि कुछ दुर्लभ प्रजाति के प्रवासी पक्षी भी शामिल हैं। सोसायटी अध्यक्ष अख्तर मियां खान के मुताबिक शरदकालीन प्रवासी पक्षी संबंधित देशों में बर्फवारी और जलजमाव के चलते यहां अनुकूलन के लिए आते हैं। यहां इनको बेहतर हैवीवेट और खासा भोजन भी मिल जाता है। इन प्रवासी पक्षियों के अवैध शिकार पर रोकथाम समेत इनकी सुरक्षा को लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने शारदा सागर डैम समेत झीलों और अन्य जलाशयों की निगरानी बढ़ा दी है। सोसायटी के मुताबिक ग्रीष्मकालीन प्रवासी पक्षियों के मुकाबले सर्दी में आने वाले प्रवासी पक्षियों की संख्या पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ज्यादा होती है। इनमें कुछ प्रवासी पक्षी ऐसे होते हैं, जिनकी खासियत को जानकर एक बारगी हर कोई हैरान रह जाएगा।

प्रवासी चिड़ियों की खासियत

- **बार हेडेड गूज-** यह प्रजाति रूस, कजाकिस्तान, मंगोलिया आदि जगहों से एक लंबा सफर तय करके हिमालय की 27 से 29 हजार फीट तक ऊंची चोटियों के ऊपर से उड़कर भारत में आते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक ये दुनिया के सबसे अधिक ऊंचाई पर उड़ने वाले पक्षी हैं। प्रवास से पहले हेडेड गूज काफी अधिक भोजन करके अपने शरीर में काफी वसा जमा कर लेते हैं, जो इन्हें लंबा सफर तय करने में खासी मदद करता है।
- **ग्रे लेग गूज-** यह प्रवासी पक्षी हिमालय पर तेज बर्फवारी के बाद पीलीभीत टाइगर रिजर्व से सटे शारदा सागर डैम समेत बड़े जलाशयों में देखी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक ग्रे लेग गूज घंटों बिना रुके आसमान में उड़ने की महारथ रखती है। धब्बेदार भूरे व सफेद पंखों, नारंगी चोंच और गुलाबी पैरों वाला यह प्रवासी पक्षी तापमान बढ़ने के साथ ही अपने पारंपरिक प्रवास के रास्ते से वतन वापसी करता है।
- **कॉमन पोचार्ड-** यूरोपीय देशों की स्थाई निवासी कॉमन पोचार्ड के झुंड यहां की झीलों और दलदली क्षेत्रों में बसेरा बना चुके हैं। अपने प्रवास के दौरान ये एक बड़े समूह में उड़कर आते हैं। प्रवास के दौरान जब इन्हें कोई डर महसूस होता है, तो ये तेजी से पानी पर दौड़कर उड़ान भरते हैं। भोजन की तलाश में यह पानी के अंदर दो मीटर गहराई तक चले जाते हैं।
- **फ्लाई कैचर-** शरीर से लंबी पूंछ और बेहद आर्कषक सा दिखने वाले पैराडाइज फ्लाई कैचर सर्दियों में श्रीलंका, तुर्किस्तान, मलेशिया आदि से यहां आते हैं। टाइगर रिजर्व के घने जंगलों में दस्तक देने वाले फ्लाई कैचर के शिकार का अंदाज भी कुछ खास है। ये हवा में नीचे की ओर उड़कर छोटे-छोटे कीट पतंगे, मक्खियों, तितलियां आदि कीड़ों का शिकार करते हैं। फ्लाई कैचर की सुंदरता पक्षी प्रेमियों को खासा आकर्षिक करती हैं।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अभिलेखित पक्षी प्रजातियों में करीब 100 के आसपास प्रवासी पक्षी प्रजातियां हैं। यह संख्या हमें याद दिलाती है कि यह क्षेत्र न केवल बाघों का घर है, बल्कि हमारे पंखों वाले मेहमानों के लिए भी एक अहम ठिकाना है। हमें मिलकर सुनिश्चित करना चाहिए कि ये प्रवासी पक्षी जो दूर-दूर से आते हैं, उन्हें सुरक्षित आवास और शांति मिल सके। ताकि उनकी वार्षिक यात्राएं सदा चलती रहें।

- अख्तर मियां खान, अध्यक्ष, टरक्वाइज वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसायटी

पीटीआर में वन एवं वन्यजीव संरक्षण की दिशा में बेहतर प्रयास किए जाने से सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। वन्यजीवों के साथ पक्षी प्रजातियों में भी बढ़ोतरी हुई हैं। इनमें माइग्रेटरी वर्डस भी शामिल हैं, जो हर साल ही बड़ी तादाद में यहां पहुंचती हैं। वन्यजीवों के साथ-साथ इनकी सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। माइग्रेटरी वर्डस की मौजूदगी पीटीआर और पर्यावरण दोनों के लिहाज से शुभ संकेत है।

- मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला आश्चर्यजनक ग्रह

एक ऐसा ग्रह है, जो सूर्य के आवेशित उच्च ऊर्जावान कण यानी हाई चार्ज पार्टिकल में घिरा रहता है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला यह ग्रह हमारे सौर मंडल के बाहर है, जो किसी भी तारे के गुरुत्वाकर्षण में बंधा हुआ नहीं है। वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस ग्रह की जानकारियों का खुलासा किया है। पृथ्वी के सिर्फ ध्रुवों पर अक्सर सूर्य के आवेशित कणों से रंग-बिरंगी रोशनी से आसमान नहाया हुआ नजर आता है, मगर खोजे गए नए इस ग्रह के चारों ओर रंग-बिरंगे ऑरोरा नजर आते हैं। इस ग्रह का नाम सिम्प -0136 रखा गया है।

यह हमारे सौर मंडल के ग्रह बृहस्पति से भी बड़ा है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से आश्चर्यजनक कर देने वाले अनोखे ग्रह की खोज हुई। आयरलैंड के ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन के वैज्ञानिकों ने इसे खोजा। यह ग्रह हमसे 20 प्रकाश वर्ष दूर है। इसके व्यवहार को देख वैज्ञानिकों ने इस ग्रह को दुष्ट प्रकृति का ग्रह माना है। खगोलविदों ने पहली बार वर्ष 2018 में सिंप- 0136 को देखा था। गहन अध्ययन के बाद इसके ग्रह होने की पुष्टि हुई है, क्योंकि इसका किसी तारे से संबंध नहीं होने के कारण इसकी पहचान नहीं हो पा रही थी, मगर जेम्स वेब टेलीस्कोप के जरिए इसकी पुष्टि संभव हो सकी है। यह दुष्ट ग्रह बृहस्पति की तुलना में लगभग 13 गुणा अधिक विशाल है। यह बहुत गर्म ग्रह है, जिसका तापमान 1500 डिग्री सेल्सियस है। इस ग्रह के खोज का श्रेय डॉ. एवर्ट को जाता है, जिनका कहना है कि यह ग्रह प्रकाश की विभिन्न तरंग दैर्ध्य विभिन्न वायुमंडलीय विशेषताओं वाला है। इस ग्रह पर भारी मात्रा में चुंबकीय क्षेत्र फैला हुआ है, जिस कारण इसमें ऑरोरा बनते रहते हैं। यह अजूबा ग्रह है। इस तरह के ग्रह का पहली बार पता चला है। ब्रह्मांड में इस तरह के और ग्रह भी हो सकते हैं। इसकी वास्तविकता का पता चलने के बाद अधिक चुंबकीय घेरे वाले अन्य ग्रहों की खोज कर पाना आसान हो जाएगा।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

हैरान कर देने वाला है ग्रह

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे कहते हैं कि वास्तव में यह हैरान करने वाली खोज है। अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाला भी कोई ग्रह हो सकता है, इसका पहले कभी किसी को कोई अहसास नहीं था। इस तरह के कुछ और ग्रह भी हो सकते हैं। अब अत्यधिक चुंबकीय क्षेत्र वाले अन्य ग्रहों की खोज भी होने लगेगी।

रोचक किस्सा

जोस डेलगाडो

मैड्रिड विश्वविद्यालय के स्नातक जोस डेलगाडो को येल विश्वविद्यालय में भले ही एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर का पद मिला हो, लेकिन इस प्रतिष्ठित संस्थान के शरीर विज्ञान विभाग में उनका शोध बेहद अजीब था, क्योंकि यह कुल मिलाकर मन पर नियंत्रण से संबंधित था। 1950 और 60 के दशक में येल में रहते हुए, डेलगाडो ने प्राइमेट्स के मस्तिष्क में इलेक्ट्रोड इम्प्लांट लगाए और एक रिमोट कंट्रोल का इस्तेमाल करके रेडियो फ्रीक्वेंसी जारी की, जिससे जानवर जटिल गतिविधियां कर पाए। बाद में, उन्होंने एक बैल के मस्तिष्क में एक इम्प्लांट लगाया और उस जानवर के साथ रिंग में उतरे और अपने ट्रांसमीटर का इस्तेमाल करके, उसे चार्ज होने से पहले ही रोक दिया। शायद सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह थी कि डेलगाडो ने कम से कम 25 लोगों को तार से जोड़ा था। व्यवहारिक रूप से उनके उपकरण का असर सिर्फ लोगों की आक्रामकता पर था, लेकिन वे मन पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहे थे। एक बार उन्होंने डरावने अंदाज में कहा था, "हमें मस्तिष्क को इलेक्ट्रॉनिक रूप से नियंत्रित करना होगा। किसी दिन सेनाओं और जनरलों को मस्तिष्क के विद्युतीय उत्तेजना से नियंत्रित किया जाएगा।"

प्राकृतिक अग्निरोधी है डीएनए

वैज्ञानिक फैक्ट

डीएनए को आमतौर पर जीवों में आनुवंशिक जानकारी के वाहक के रूप में जाना जाता है, लेकिन हाल के एक शोध ने इसकी एक बेहद दिलचस्प क्षमता का पता लगाया है। वैज्ञानिकों के अनुसार डीएनए में अग्निरोधी गुण पाए जाते हैं। जब सूती कपड़ों पर डीएनए की कोटिंग की जाती है, तो वे तेजी से आग पकड़ने के बजाय आग को रोकने का काम करते हैं।

आग रोधी होने का मुख्य कारण डीएनए की रासायनिक संरचना है। इसमें मौजूद फॉस्फेट गर्म होने पर फॉस्फोरिक अम्ल बनाता है, जो कपड़े की सतह पर एक सुरक्षात्मक परत तैयार कर देता है। यह परत आग और ऑक्सीजन के संपर्क को कम कर देती है, जिससे कपड़ा जलने से बच जाता है। वहीं नाइट्रोजन तत्व गर्म होकर अमोनिया गैस बनाता है, जो दहन प्रक्रिया को बाधित करता है और लौ को फैलने नहीं देता। चूंकि डीएनए प्राकृतिक रूप से प्राप्त होने वाला और पर्यावरण के लिए सुरक्षित पदार्थ है, इसलिए इसे एक इकोफ्रेंडली अग्निरोधक विकल्प माना जा रहा है। भविष्य में इस तकनीक का उपयोग कपड़ों, सुरक्षा उपकरणों और घरेलू वस्तुओं को अधिक सुरक्षित बनाने में किया जा सकता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	83,311.01	25,509.70
गिरावट	148.14	87.95
प्रतिशत में	0.18	0.34

सोना 1,24,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,53,300
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 7 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2235, रविन्द्रा 2470, फॉर्चुन 13 किग्रा 1965, जय जवान 2005, सचिन 2020, सूरज 2005, अवसर 1895, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1915, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2200, चक्र टिन 2315, ब्लू 2145, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350

देश को वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत, आरबीआई से वार्ता जारी

सीतारमण ने वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का किया आग्रह

- **12वें एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स सम्मेलन को केंद्रीय मंत्री ने किया संबोधित**

मुंबई, एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और बैंकों के साथ बातचीत जारी है। सीतारमण ने 12वें 'एसबीआई बैंकिंग एंड इकॉनमिक्स' सम्मेलन-2025 में वित्तीय संस्थानों से उद्योग जगत के लिए कर्ज प्रवाह को बढ़ाने और व्यापक बनाने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से मांग बढ़ेगी और इससे कुल मिलाकर निवेश बढ़ेगा।

उन्होंने सलाह दी कि वित्त तक पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक प्रणाली-संचालित, पारदर्शी ऋण प्रक्रिया आवश्यक है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश को कई बड़े और विश्वस्तरीय बैंकों की जरूरत है...। सरकार इस पर विचार कर रही है और काम शुरू हो चुका है। हम आरबीआई और बैंकों के साथ इस पर चर्चा कर रहे है। सरकार के इस पर कोई निर्णय लेने से पहले, बहुत सारा काम किया जाना बाकी है। इसमें आरबीआई से इस बारे में सुझाव लेना भी शामिल है कि वे बड़े बैंक कैसे बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, यह मौजूदा बैंकों से सृजित करके... सिर्फ एकीकरण द्वारा नहीं हो सकता... यह एक रास्ता हो सकता है, लेकिन आपको एक ऐसा परिवेश और माहौल की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह परिवेश वास्तव में अच्छी तरह से स्थापित है...। सरकार ने बड़े बैंक बनाने के प्रयास में, पहले भी दो दौर का एकीकरण किया है। बैंकिंग क्षेत्र में सबसे बड़े एकीकरण के तहत सरकार ने अगस्त, 2019 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चार बड़े विलय की घोषणा की थी। इससे उनकी कुल संख्या घटकर 12 हो गई, जो 2017 में 27 थी। 2020 में यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया और ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स का पंजाब नेशनल बैंक में विलय हुआ। सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में जबकि इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में विलय किया गया।

12वें एसबीआई बैंकिंग और इकोनॉमिक्स कॉन्क्लेव 2025 में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और एसबीआई अध्यक्ष चल्ला श्रीनिवासुलु शेट्टी।

शाखा कर्मचारी जानें स्थानीय भाषा

मुंबई। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकों से आग्रह किया कि वे ग्राहकों से जुड़ाव बढ़ाने को शाखा कर्मचारियों के लिए स्थानीय भाषा की जानकारी सुनिश्चित करें। ग्राहकों से जुड़ाव कम होने से क्रेडिट सूचना कंपनियों पर निर्भरता बढ़ गई है। ये कंपनियां आंकड़े अद्यतन करने में लंबा समय लेती हैं, जिससे ग्राहकों को कर्ज देने से मना कर दिया जाता है। स्थानीय भाषा न बोलने पर बैंक अधिकारियों के राजनीतिक दलों के गुस्से का सामना करने की कई घटनाओं के बाद उन्होंने यह बात कही है। मंत्री ने नियुक्ति और मानव संसाधन नीतियों में बदलाव की भी वकालत की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय भाषा बोलने वाले लोगों की भर्ती की जाए और उनका बेहतर मूल्यांकन भी हो। सीतारमण ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए भर्ती करें कि शाखा में तैनात प्रत्येक कर्मचारी अपने ग्राहक को समझे और स्थानीय भाषा बोले। अगर शीर्ष प्रबंधन नहीं बोलता है, तो शाखा स्तर के अधिकारी को बोलना चाहिए।

वायदा एवं विकल्प कारोबार में खुदरा निवेशकों को शामिल होने से नहीं रोक सकती सरकार

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार खुदरा विक्रेताओं को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने से नहीं रोक सकती, लेकिन ऐसे उत्पादों में पैसा लगाने से जुड़े जोखिमों के बारे में जागरूक जरूर करेगी। यह बयान सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय द्वारा निफ्टी और सेंसेक्स में साप्ताहिक डेरिवेटिव अनुबंधों को बंद करने से इन्कार करने के कुछ दिनों बाद आया है। वायदा एवं विकल्प खंड (डेरिवेटिव) पर सरकार के रुख के बारे में सीतारमण ने कहा कि सरकार 'एफएंडओ कारोबार के दरवाजे बंद करने के लिए नहीं है, लेकिन वह लोगों को डेरिवेटिव में शामिल जोखिमों के प्रति जागरूक कर सकती है। इस खंड में खुदरा विक्रेताओं को नुकसान की विभिन्न रिपोर्ट के बीच उन्होंने यह बात कही। उन्होंने एसबीआई के सम्मेलन में कहा, निवेशकों की भी जिम्मेदारी है कि वे इसमें शामिल जोखिमों को समझें। सीतारमण ने एफएंडओ खंड में खुदरा विक्रेताओं के कारोबार के मामले से निपटने के लिए सुझाव मांगे। सेबी के अध्ययन के अनुसार, वायदा और विकल्प (एफएंडओ) खंड में 91% कारोबारियों को 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। यह वह धनराशि थी जो जिम्मेदार निवेश और पूंजी निर्माण में योगदान दे सकती थी। सेबी ने पिछले साल नवंबर में डेरिवेटिव कारोबार में अत्यधिक सट्टेबाजी पर अंकुश लगाने के लिए उपाय पेश किए थे। वायदा अनुबंध के तहत खरीदार और विक्रेता एक पूर्व निर्धारित भविष्य की तिथि और मूल्य पर लेन-देन करने के लिए सौदा करते हैं और वे उसके लिए बाध्य होते हैं। जबकि विकल्प सौदों के तहत अनुबंध धारक को निश्चित अवधि में तय मूल्य पर परिसंपत्ति खरीदने या बेचने का अधिकार होता हैं, लेकिन बाध्यता नहीं होती।

जल्द लाएंगे टिकाऊ विमानन ईंधन नीतिः नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को कहा कि सरकार बहुत जल्द ही सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) पर एक नीति लेकर आएगी। इससे कच्चे तेल के आयात को कम करने, किसानों की आय बढ़ाने और अधिक हरित रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी।

दिल्ली में नागर विमानन मंत्रालय और उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित 'भारत सतत विमानन ईंधन शिखर सम्मेलन' 2025 में मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि एसएएफ (सतत विमानन ईंधन) को अपनाने के लिए अधिक नवाचार, निवेश एवं सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। भारत का लक्ष्य 2027 तक विमान ईंधन में एसएएफ का 1%, 2028 तक 2% तथा 2030 तक 5% मिश्रण करना है। एसएएफ का उपयोग विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) में 'ड्रॉप-इन' ईंधन के रूप में किया जा सकता है। मंत्री ने कहा कि तेल कंपनियों के अलावा निजी कंपनियों को भी एसएएफ उत्पादन में शामिल होना चाहिए। वैश्विक स्तर पर 2040 तक एसएएफ की जरुरत 18.3 करोड़ टन होने का अनुमान है।

नायडू ने कहा कि कच्चे माल से लेकर ईंधन तक, किसानों से लेकर विमान चालकों तक तथा तलने से लेकर उड़ान भरने तक... वास्तव में किसने सोचा होगा कि समोसे तलने वाले भी इस वैश्विक विमानन आंदोलन में हिस्सा ले सकते हैं। भारत में 75 करोड़ टन से अधिक बायोमास उपलब्ध है और 21.3 करोड़ टन अधिशेष कृषि अवशेष है।

नायडू ने कहा कि सरकार बहुत जल्द एसएएफ नीति लेकर आएगी। कार्बन उत्सर्जन को कम करने के अलावा, एसएएफ किसानों की आय में 10-15% की वृद्धि करके उन्हें सशक्त बना सकता है। एसएएफ उत्पादन हमारे कच्चे तेल के आयात को हर साल पांच से सात अरब डॉलर तक कम करने के साथ मूल्य श्रृंखला में 10 लाख से अधिक हरित रोजगार सृजित करने में भी मदद कर सकता है। वैश्विक एसएएफ वर्तमान में बहुत कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। घरेलू विमान कंपनियों ने 1,700 से अधिक विमानों के ऑर्डर दिए हैं।

- **नागर विमानन मंत्री बोले- कच्चे तेल के आयात को कम करने और हरित रोजगार सृजित में मिलेगी मदद**

सेबी मूल्यांकन संबंधी चिंताओं पर हस्तक्षेप नहीं करेगा : पांडेय

मुंबई, एजेंसी

आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में ऊंचे मूल्यांकन को लेकर उत्पन्न चिंताओं के बीच भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने स्पष्ट किया कि पूंजी बाजार नियामक इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं करेगा।

पांडेय ने गुरुवार को कहा, हम मूल्यांकन का निर्धारण नहीं करते। यह निवेशक के आकलन पर निर्भर करता है। लेंसकार्ट के 7,200 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की कीमत बहुत अधिक रखे जाने पर चिंता जताने के कुछ दिन बाद पांडेय ने स्पष्ट किया कि सेबी इस पहलू में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र है। अतीत में भी, कई हितधारकों द्वारा मूल्यांकन संबंधी चिंताएं उठाई गई हैं। खासकर से नए युग या डिजिटल कंपनियों जैसे नाइका या पेटीएम के आईपीओ के मामले में। इस बीच, एक्सीलेंस इनेबलर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पांडेय ने कंपनियों से कहा कि उन्हें पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रबंधन (ईएसजी) प्रतिबद्धताओं के प्रति अधिक प्रामाणिक होना चाहिए। उन्होंने कहा, ईएसजी प्रामाणिक होना चाहिए, न कि ब्रांडिंग अभ्यास। पांडेय ने कहा कि इसे मापने योग्य परिणामों से जोड़ा जाना चाहिए, स्वतंत्र आश्वासन के अधीन होना चाहिए और वास्तविक बोर्ड निरीक्षण में निहित होना चाहिए। यह स्पष्ट करते हुए कि ईएसजी अब वैकल्पिक नहीं है, पांडेय ने कहा कि व्यवसाय को विनियमों को लाभ में बदलना होगा न कि एक दायित्व में, जिसका अनुपालन किया जाना आवश्यक है। पांडेय ने यह भी कहा कि कंपनियों के निदेशकों एवं वरिष्ठ प्रबंधन को साइबर जोखिम, व्यवहार विज्ञान, डेटा नैतिकता और स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी क्षमता को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के बाजार की जटिलता औपचारिक निरीक्षण की नहीं, बल्कि सूचित निर्णय की मांग करती है।

सेबी प्रमुख बोले- बाजार अवसरों के आधार पर मूल्य तय करने को स्वतंत्र

आईपीओ में भागीदारी बढ़ाने को उठाया कदम

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने आईपीओ में एंकर निवेशकों के लिए शेयर-आवंटन ढांचे में सुधार करते हुए नियमों में संशोधन किया है। इसका उद्देश्य म्यूचुअल फंड, बीमा कंपनियों और पेंशन कोष जैसे घरेलू निवेशकों की भागीदारी को व्यापक बनाना है। नियामक ने एंकर हिस्से में आरक्षित कोटा को बढ़ाकर 40% कर दिया है, जो 33 था। इसमें म्यूचुअल फंड के लिए 33और बीमा कंपनियों तथा पेंशन कोष के लिए शेष 7% है। सेबी ने 31 अक्टूबर की अधिसूचना में कहा कि यदि बीमा कंपनियों और पेंशन कोष के लिए आरक्षित 7% हिस्से को अभिदान नहीं मिलता है, तो उसे म्यूचुअल फंड को आवंटित कर दिया जाएगा।

बिजनेस ब्रीफ

गोदरेज का लाभ 21% बढ़कर 403 करोड़

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 21% बढ़कर 402.99 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को बताया कि गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 2024-25 की सितंबर तिमाही में 333.79 करोड़ का शुद्ध लाभ कमाया था। 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,950.05 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वर्ष 1,346.54 करोड़ रुपये थी। गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनियों में से है।

आर्सेलरमित्तल का लाभ 31% बढ़ा

नई दिल्ली। इस्पात एवं खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आर्सेलरमित्तल का चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 31.35% बढ़कर 37.7 करोड़ डॉलर हो गया। कंपनी ने पिछले साल की समान तिमाही में 28.7 करोड़ डॉलर का लाभ कमाया था। कंपनी जनवरी-दिसंबर वित्त वर्ष का अनुसरण करती है। सितंबर तिमाही में कंपनी की बिक्री 3% बढ़कर 1,565.7 करोड़ डॉलर हो गई, जो गत वित्त वर्ष की तिमाही में 1519.6 करोड़ डॉलर थी।

टेनेको क्लीन का आईपीओ 12 को

नई दिल्ली। अमेरिका स्थित टेनेको समूह की कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अभिदान के लिए 12 नवंबर को खुलेगा। कंपनी का लक्ष्य 3,600 करोड़ जुटाने का है। दस्तावेजों के अनुसार, यह पूरी तरह प्रवर्तक टेनेको मॉरीशस होल्डिंग्स लिमिटेड की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर है।

शेयर बाजार के सेक्टर

समझदारी से करें चयन

शेयर बाजार में निवेश केवल शेयर खरीदने का खेल नहीं है, बल्कि यह समझने की कला है कि कौन-सा सेक्टर कब और क्यों अच्छा प्रदर्शन करेगा। हर सेक्टर अर्थव्यवस्था के किसी हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है- कोई तकनीक से तो कोई उपभोक्ता मांग या निर्माण से जुड़ा है। आईटी, बैंकिंग, फार्मा, एफएमसीजी, ऊर्जा, और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे प्रमुख सेक्टर भारत की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान देते हैं। इनकी समझ निवेशक को न केवल स्थिरता बल्कि उच्च रिटर्न का अवसर भी प्रदान करती है। सही सेक्टर में निवेश, समय और जोखिम के संतुलन के साथ, निवेशक की संपत्ति को बढ़ा सकती है।

सेक्टरों के कार्य

सेक्टरों का मुख्य कार्य पूंजी प्रवाह को संचालित करना, उत्पादन और सेवाओं को बढ़ाना तथा रोजगार सृजन करना है। बैंकिंग सेक्टर वित्तीय सहायता, आईटी- तकनीकी विकास, फार्मा स्वास्थ्य सेवाएं, जबकि एफएमसीजी उपभोक्ता आवश्यकताओं को पूरा करता है। ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर देश की औद्योगिक गतिविधियों को शक्ति देते हैं। कुल मिलाकर, ये सेक्टर आर्थिक विकास की गति बढ़ाने और निवेश के अवसर पैदा करने का कार्य करते हैं।

सेक्टरों की भूमिका

हर सेक्टर विशिष्ट भूमिका निभाता है। ये सेक्टर मिलकर राष्ट्र की प्रगति, निवेश वृद्धि और रोजगार सृजन को मजबूती देते हैं। इस प्रकार, सेक्टरों की भूमिका देश की आर्थिक स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करना है।

विभिन्न सेक्टर

- **आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) :** यह सेक्टर सॉफ्टवेयर, क्लाउड, डिजिटल सेवाओं और ऑटोमेशन में अग्रणी है।
- **बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं :** इसकी कंपनियां लोन, बीमा और निवेश सेवाएं प्रदान करती हैं।
- **ऑटोमोबाइल :** वाहन निर्माण और इलेक्ट्रिक व्हीकल इनोवेशन से जुड़ा सेक्टर है, जो विनिर्माण में अपनी भूमिका निभाता है।
- **फार्मा (फार्मास्युटिकल) :** दवाओं की खोज, विकास, उत्पादन और मार्केटिंग से जुड़ा सेक्टर मंदी में भी स्थिर रहता है।
- **एफएमसीजी :** रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां कम जोखिम और स्थायी मुनाफा देती हैं।
- **मेटल और एनर्जी :** इन्हें साइक्लिकल सेक्टर कहा जाता है। यह आर्थिक गतिविधियों पर निर्भर हैं।
- **इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट :** देश के विकास और सरकारी परियोजनाओं से जुड़ा यह सेक्टर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए लाभकारी है।
- **टेलीकॉम और टेक्सटाइल :** तेजी से बढ़ती तकनीक और उपभोक्ता मांग के चलते इन सेक्टरों में ग्रोथ की संभावना अधिक है।

एसबीआई फंड मैनेजमेंट में 6% बिकेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एसबीआई ने गुरुवार को कहा कि उसने अपनी अनुषंगी कंपनी एसबीआई फंड मैनेजमेंट लि. में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के माध्यम से 6% हिस्सेदारी के विनिवेश को मंजूरी दे दी है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड के प्रायोजकों में से एक, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लि. (एसबीआईएफएमएल) एसबीआई कार्ड्स और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के बाद सूचीबद्ध होने वाली एसबीआई की तीसरी अनुषंगी कंपनी होगी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने आईपीओ के माध्यम से 3,20,60,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री को मंजूरी दी है, जो (एसबीआईएफएमएल) की इक्विटी पूंजी के 6.3007 प्रतिशत के बराबर है। यह मंजूरी नियामकीय अनुमोदन पर निर्भर है। एसबीआईएफएमएल की अन्य प्रवर्तक, अमुंडी इंडिया होल्डिंग, 1,88,30,000 इक्विटी शेयरों का विनिवेश करेगी।

प्रतिस्पर्धा, भारी बारिश से सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर पांच माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर प्रतिस्पर्धी दबाव और भारी बारिश से अक्टूबर में पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। गुरुवार को जारी मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक सितंबर के 60.9 से अक्टूबर में 58.9 पर आ गया। यह मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। इस नरमी के बावजूद, अक्टूबर माह का सेवा पीएमआई सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर तथा 54.3 के अपने दीर्घकालिक औसत से काफी ऊपर रहा। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक गतिविधियों में विस्तार और 50 से कम का आशय संकुचन से है। एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आ गई जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा 400 कंपनियों की समिति से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई के अनुसार, मांग में तेजी तथा जीएसटी राहत जैसे कारकों से परिचालन स्थितियों में सुधार हुआ।

- **अक्टूबर में घटकर 58.9 पर आया जो मई के बाद से विस्तार की सबसे धीमी गति को दर्शाता है**

मजबूत मांग से घरों की कीमतें बढ़ेंगी 5-10%

नई दिल्ली, एजेंसी

बेहतर मांग के कारण अगले कुछ वर्षों में घरों की कीमतों में सालाना पांच से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होने की संभावना है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और कोलियर्स की एक संयुक्त रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

उद्योग निकाय सीआईआई और रियल एस्टेट सलाहकार कोलियर्स इंडिया ने बृहस्पतिवार को आयोजित एक सम्मेलन में 'रियल एस्टेट 2047: बिल्डिंग इंडिया ग्रोथ फ्यूचर कॉरिडोर' शीर्षक वाली एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वार्षिक बिक्री वर्तमान तीन-चार लाख इकाई से बढ़कर 2047 तक 10 लाख इकाई हो सकती है। यह रिपोर्ट सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की उप सचिव हरलीन कौर ने जारी की। बढ़ते आय के स्तर, जनसांख्यिकीय बदलाव और प्रगतिशील आवास नीतियों के कारण वार्षिक बिक्री संभावित रूप से दोगुनी होकर 2047 तक 10 लाख इकाइयों तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, बढ़ती आय, शहरी प्रवास और प्रीमियम आवास की मांग के कारण अगले कुछ वर्षों में औसत संपत्ति की कीमतों में सालाना पांच से 10 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

- **भारतीय उद्योग परिसंघ और कोलियर्स की संयुक्त रिपोर्ट में दी गई जानकारी**

बैंक ऑफ इंग्लैंड ने नीतिगत दर को 4% पर स्थिर रखा

लंदन। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने खुदरा मुद्रास्फीति के निर्धारित लक्ष्य से ऊपर रहने के बीच गुरुवार को अपनी नीतिगत ब्याज दर को 4% पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की नौ-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का नीतिगत दर को स्थिर रखने का निर्णय अपेक्षा के अनुरूप ही है। कुछ अर्थशास्त्रियों का कहना था कि केंद्रीय बैंक ब्याज दर में 0.25% अंक की कटौती कर सकता है। एमपीसी का यह फैसला नजदीकी बहुमत से लिया गया। समिति ने यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में मत दिया जबकि चार सदस्य कटौती करना चाह रहे थे। गवर्नर एंड्रू बेली ने कहा, दरें धीरे-धीरे नीचे की ओर जाएंगी। अगली कटौती से पहले यह तय करना जरूरी है कि मुद्रास्फीति दो प्रतिशत के लक्ष्य की दिशा में स्थिर रूप से लौट रही है।

व्यापार वार्ता | चार-दिवसीय दौरे पर गए गोयल ने न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले के साथ कर रहे समीक्षा

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को जल्द देंगे अंतिम रूप : गोयल

रोटोरुआ (न्यूजीलैंड), एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है और इसे जल्द ही अंतिम रूप देने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के चार-दिवसीय दौरे पर आए गोयल एफटीए पर जारी बातचीत में हुई प्रगति की मेजबान देश के व्यापार मंत्री टॉड मैकक्ले के साथ समीक्षा कर रहे हैं।

गोयल ने कहा, हम बहुत जल्द एफटीए को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं का सम्मान कर रहे हैं। व्यापार वार्ता में लगी दोनों देशों की टीमें अधिकांश मुद्दों पर सहमति बना चुकी हैं। कुछ ही बिंदु रह गए हैं और उन पर चर्चा जारी है। सहयोग की भावना के साथ अधिकांश मुद्दों का समाधान हो चुका है। वार्ता कल भी जारी रहेगी और हमें उम्मीद है कि काफी प्रगति होगी। न्यूजीलैंड के साथ 1.5 अरब डॉलर के मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने में एफटीए की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री ने कहा कि यह समझौता व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। पिछले एक साल में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 10% तक बढ़ा है। मैकक्ले ने कहा कि यह समझौता कृषि प्रौद्योगिकी, विज्ञान और नवाचार के क्षेत्रों में भी सहयोग को बढ़ावा देगा। दोनों पक्ष वार्ता में बहुत अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

रोटोरुआ में अपने समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

पेरू के साथ व्यापार समझौते पर अगले दौर की वार्ता जनवरी 2026 में होने की संभावना

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के बीच अगले दौर की वार्ता अगले साल जनवरी में राष्ट्रीय राजधानी में हो सकती है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पेरू के साथ नौवें दौर की वार्ता पांच नवंबर को लीमा में संपन्न हुई। पेरू महत्वपूर्ण खनिजों का एक प्रमुख उत्पादक है जो इलेक्ट्रॉनिक, मोटर वाहन और सौर ऊर्जा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल है। मंत्रालय ने कहा, चर्चा में प्रस्तावित समझौते के प्रमुख अध्यायों पर ठोस प्रगति देखी गई जिसमें वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार, उत्पत्ति के नियम, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं, विवाद निपटान और महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में संयुक्त सचिव एवं समझौते के मुख्य वार्ताकार विमल आनंद कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्ष जनवरी, 2026 में नयी दिल्ली में प्रस्तावित अगले दौर की वार्ता से पहले लंबित मुद्दों के समाधान के लिए अंतर-सत्रीय बैठकें आयोजित करने पर सहमत हुए। इस बीच, भारत और चिली ने 27-30 अक्टूबर को सैंटियागो में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के लिए तीसरे दौर की वार्ता भी पूरी कर ली है। मंत्रालय ने कहा, पेरू और चिली से भारत का बढ़ता व्यापारिक संबंध, लाभकारी एवं व्यापक आर्थिक सहयोग ढांचे के माध्यम से लातिनी अमेरिकी क्षेत्र के साथ मजबूत साझेदारी बनाने पर उसके रणनीतिक रूप से ध्यान देने की बात को दर्शाता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका के डिकिंसन कॉलेज को पूर्व छात्र ने दो करोड़ डॉलर दान किया

हैरिसबर्ग। अमेरिका में पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले स्थित डिकिंसन कॉलेज को उसके पूर्व छात्र सैमुअल जी. रोज़ ने क्षेत्र के मूलनिवासियों के इतिहास और संस्कृति पर केंद्रित एक कला एवं शिक्षा केंद्र विकसित करने के लिए 2 करोड़ डॉलर दान किया है। डिकिन्सन कॉलेज के 242 साल के इतिहास में यह सबसे बड़ा दान है। इसके साथ ही रोज की ओर से दिया गया अब कुल दान 10 करोड़ डॉलर हो गया है। इस दान से निवासियों के भविष्य के लिए जिम थॉर्प केंद्र का निर्माण किया जाएगा। शिक्षा एवं कला केंद्र में रोज के नाम से एक गैलरी होगी, जिसमें आदिवासी संस्कृति और कला का प्रदर्शन होगा। यह गैलरी कॉलेज के कला संग्रह को और समृद्ध करेगी तथा उसके शैक्षणिक कार्यक्रमों को बेहतर बनाएगी।

दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे। ट्रंप ने बुधवार को मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' में कहा, मैं नहीं जा रहा हूं। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 की बैठक है। दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में ही नहीं होना चाहिए क्योंकि वहां जो हुआ है वह बहुत बुरा है। मैंने उन्हें बता दिया है कि मैं नहीं आ रहा हूं। मैं वहां अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं करने वाला। दक्षिण अफ्रीका ने एक दिसंबर 2024 को एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की थी और वह 22 और 23 नवंबर को जोहानिसबर्ग में समूह के नेताओं की शिखर बैठक की मेज़बानी करेगा। यह पहली बार है जब जी-20 शिखर सम्मेलन अफ्रीकी धरती पर आयोजित किया जाएगा।

बांग्लादेशी कलाकारों ने 18 साल बाद पाकिस्तान के कराची में प्रस्तुति दी

कराची। बांग्लादेशी कलाकारों की 18 साल बाद पाकिस्तान में प्रस्तुति ने दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। ये कलाकार कराची कला परिषद में आयोजित विश्व सांस्कृतिक महोत्सव में भाग ले रहे हैं। बांग्लादेशी दल में कई कलाकार हैं, जिनमें कुछ हिंदू कलाकार भी हैं। बुधवार रात शिरीन जवाद की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व 'बांग्लादेश आर्ट वीक' की संस्थापक निहारिका मुमताज कर रही हैं। उन्होंने कहा, लगभग 18 साल बाद पाकिस्तान में बांग्लादेशी कलाकारों के लिए यह अवसर हमारी सांस्कृतिक विविधता को यहां के लोगों के सामने प्रस्तुत करने का शानदार मौका है।

दक्षिण कोरिया को विदेशी दुल्हनें पसंद 71% पुरुषों ने की दूसरे देशों में शादी

सियोल। दक्षिण कोरिया में बहुसांस्कृतिक विवाहों की संख्या लगातार तीसरे वर्ष बढ़ी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से दक्षिण कोरियाई पुरुषों और विदेशी दुल्हनों के बीच होने वाले विवाहों की वजह से दर्ज की गई है।

आंकड़ों के अनुसार 2024 में दक्षिण कोरिया और विदेशी नागरिकों के बीच 21,450 विवाह हुए। यह संख्या 2023 की तुलना में पांच फीसदी अधिक है। दक्षिण कोरियाई पुरुषों का विदेशी महिलाओं से शादी करने का प्रतिशत 71.2 रहा, जबकि विदेशी पुरुषों से दक्षिण कोरियाई महिलाओं के बीच हुए विवाह का प्रतिशत 18.2 प्रतिशत रहा। इसके अलावा, 10.6 प्रतिशत विवाह ऐसे थे, जिनमें जीवनसाथी पहले किसी दूसरे देश के नागरिक थे, लेकिन अब दक्षिण कोरिया की नागरिकता ले चुके हैं।

- हर साल बढ़ रहा है आंकड़ा, 18% महिलाओं ने भी तलाशे विदेशी पति

इन अंतर्राष्ट्रीय विवाहों में दूल्हे की औसत उम्र 37 वर्ष और दुल्हन की 30 साल की रही है। विदेशी दुल्हनों में वियतनामी महिलाओं की हिस्सेदारी सबसे अधिक 26.8 प्रतिशत रही। चीन से आई दुल्हनों का प्रतिशत 15.9 रहा जो इस मामले में दूसरा स्थान है। थाई दुल्हनें 10 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर हैं। दक्षिण कोरियाई महिलाओं से विवाह करने वाले विदेशी पुरुषों में अमेरिकी 7.0 प्रतिशत, चीनी 6.0 प्रतिशत और वियतनामी 3.6 प्रतिशत रहे।

भारत समेत कई देशों की चुनौती

हिंद-प्रशांत क्षेत्र विवाद

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हिंद महासागर और पश्चिम तथा मध्य प्रशांत महासागर शामिल हैं जो अफ्रीका के पूर्वी तट से अमेरिका के पश्चिमी तट तक फैला है। इस क्षेत्र में मेडागास्कर से ओशिनिया तक का समुद्री विस्तार शामिल है। जलडमरूमध्य और तटीय जल भी शामिल हैं जो दोनों महासागरों को जोड़ते हैं। हिंद-प्रशांत विवाद चीन के बढ़ते आधिपत्य और दक्षिण चीन सागर पर उसके दावों से जुड़ा है, जो इसे दुनिया का सबसे संघर्षपूर्ण क्षेत्र बनाता है। चीन सैन्य शक्ति बढ़ा रहा है, जो इस क्षेत्र से जुड़े कई देशों के लिए बड़ी चुनौती है, क्योंकि इससे समुद्री व्यापार मार्गों के लिए खतरा पैदा होता है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने क्वाड जैसे गठबंधन बनाया है। भारत सागर और एक्ट ईस्ट नीतियों के माध्यम से अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।

महत्व और विवाद की पृष्ठभूमि

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक व्यापार का एक बड़ा हिस्सा संभालता है, जिसमें दुनिया का 40% से अधिक व्यापार और भारत का लगभग 80% व्यापार इसी क्षेत्र से होता है।
- चीन ने दक्षिण चीन सागर पर प्रभुत्व जमाने के लिए सैन्य बल का इस्तेमाल किया है और वियतनाम, फिलीपींस जैसे देशों के विवादित द्वीपों पर कब्जा भी किया है।
- चीन का दक्षिण चीन सागर में बढ़ता सैन्यीकरण और आक्रामक विदेश नीति अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए खतरा है, इससे अमेरिका और सहयोगी देश चिंतित हैं।

चीन की चुनौतीपूर्ण गतिविधियां

- चीन अपनी नौसैनिक शक्ति बढ़ाने के साथ अपनी उपस्थिति को हिंद महासागर तक फैला रहा है, जो उसकी रणनीतिक और आर्थिक पहुंच मजबूत करता है।
- चीन के क्षेत्रीय दावे जैसे कि दक्षिण चीन सागर में नाइन-डैश लाइन बाकी सभी देशों के लिए चुनौती हैं और समुद्री व्यापार मार्गों पर नियंत्रण का एक प्रयास हैं।
- चीन क्षेत्र के अन्य देशों को प्रभावित करने के लिए आर्थिक ताकत के इस्तेमाल के साथ अमेरिका के सहयोगियों के प्रति अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

चीन को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयास

- क्वाड भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका का शक्तिशाली गठबंधन है जो चीन का मुकाबला करने और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए है।
- ऑकस ऑस्ट्रेलिया, यूके और यूएस का गठबंधन है, यह सुरक्षा साझेदारी भी चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए प्रयास कर रही है।
- इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क भी चीन की हिंद-प्रशांत में प्रभुत्व जमाने के लिए खिलाफ वैकल्पिक आर्थिक ढांचा प्रदान करता है।

इनके लिए खतरा : चीन के सैन्य दबाव के कारण ताइवान बड़े खतरे में, फिलीपींस, वियतनाम और आसियान देशों को समुद्री व्यापार मार्गों और संप्रभुता का डर। चीन के साथ पहले से सीमा विवाद में उलझे भारत के लिए सामरिक और आर्थिक चुनौती।

भारत की ओर से उठाए गए कदम

- सागर नीति के तहत हिंद-प्रशांत में भारत की सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की पहल की गई है।
- एक्ट ईस्ट नीति भारत को पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ अपने संबंध मजबूत करने में मदद करती है।
- भारत क्वाड का एक सक्रिय सदस्य है, यह गठबंधन भी क्षेत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा और सहयोग के लिए महत्वपूर्ण है।
- इंडो-पैसिफिक में भारत अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है, हिंद महासागर क्षेत्र के बाहर भी उपस्थिति बढ़ाई है।

हमने अपनी संप्रभुता का एक हिस्सा खो दिया... ममदानी की जीत पर ट्रंप

डेमोक्रेट नेता का उड़ाया मजाक, बोले- न्यूयॉर्क में कुछ हो सकता है भयानक

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी का मजाक उड़ाते हुए उनका नाम ही नहीं लिया, इसके बजाय कहा कि 'जो भी उनका नाम है'। ट्रंप ने दावा किया कि अब अमेरिकी जनता को वामपंथ और कॉमन सेंस के बीच में से एक को चुनना होगा।

फ्लोरिडा के मियामी में बुधवार को 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि जब वह पिछले साल पांच नवंबर को दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए तब अमेरिकी जनता ने अपनी संप्रभुता बहाल की थी लेकिन मंगलवार को मेयर चुनाव के साथ उसका कुछ हिस्सा खो दिया है। यह बयान उस समय आया जब एक दिन पहले भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम और दक्षिण एशियाई मेयर के रूप में चुना गया।

ट्रंप ने चेतावनी दी, आप देखना, न्यूयॉर्क में क्या होता है, भयानक... मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा न हो, लेकिन आप देखोगे। उन्होंने कहा, '...और वह ममदानी या जो भी उनका नाम है, सोचते हैं कि पुरुषों का महिलाओं के खेलों में खेलना बहुत शानदार है। ट्रंप ने पहले भी चेतावनी दी थी कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही लेकर आएगी। उन्होंने कहा, मंगलवार के नतीजों के बाद, अब अमेरिकी जनता के सामने चुनाव बहुत साफ है हमारे पास दो विकल्प हैं : वामपंथ या कॉमन सेंस। उन्होंने दोहराया कि उनके नेतृत्व में अमेरिका किसी भी रूप में साम्यवादी देश नहीं बनेगा।

जोहरान ममदानी ने टीम के साथ यूनिस्फीयर के सामने लोगों को संबोधित किया।

> अगर कोई डोनाल्ड ट्रंप की ओर से देश को धोखा देने के जवाब में उन्हें हराने का तरीका दिखा सकता है तो वह न्यूयॉर्क है जिसने मुझे शिखर पर पहुंचाया। अगर किसी तानाशाह को डराने का कोई तरीका है तो वह उन्हीं परिस्थितियों को खत्म करना है जिन्होंने ट्रंप को सत्ता हासिल करने में मदद की। - **जोहरान ममदानी, अपने विजयी भाषण में**

ट्रंप बोले- मुझ पर गुस्सा दिखाएंगे तो सफल नहीं होंगे

ट्रंप ने बुधवार को ही मियामी में दिए एक साक्षात्कार में ममदानी के विजयी भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि ममदानी ने अपनी शुरुआत ही गलत तरीके से की है और अगर वह वाशिंगटन के प्रति सम्मान नहीं रखेंगे तो उनके सफल होने की कोई संभावना नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हां, मुझे लगा कि यह बहुत गुस्से वाला भाषण था, निश्चित रूप से मेरे खिलाफ गुस्सा झलक रहा था। मेरा मानना है कि उन्हें मेरे प्रति अच्छा व्यवहार करना चाहिए। आप जानते हैं, बहुत सी चीजें जो उनके पास आती हैं, उन्हें मंजूरी देने वाला मैं ही हूं। तो उन्होंने शुरुआत ही गलत दिशा में की है।

भारतीय अमेरिकियों ने कहा- यह जीत प्रवासियों के उज्ज्वल भविष्य की आशा

न्यूयॉर्क। भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने ममदानी की ऐतिहासिक जीत को इस बात का संकेत बताया कि प्रवासी समुदाय अमेरिका में नई पहचान बना रहा है। न्यूयॉर्क स्थित शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'द कल्चर ट्री' की सीईओ अनु सहगल ने कहा, पिछली रात एक नए युग की शुरुआत जैसी थी। न्यूयॉर्क को भारतीय मूल का पहला मेयर मिलने के बाद हम इस शहर की पहचान, अपनापन और सत्ता को देखने के नजरिए में बदलाव देख रहे हैं। सहगल ने कहा कि ममदानी के विजय भाषण में नेहरू का जिक्र और धूम फिल्म के गीत के साथ समापन, हमारे समुदाय के लिए खास मायने रखता है। दक्षिण एशियाई समुदाय के नेता दिलीप चौहान ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई कि एक दक्षिण एशियाई-अमेरिकी सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पित होकर शहर के विकास का वादा कर रहा है। उन्होंने एक उज्ज्वल भविष्य की आशा जगाई है। 'इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड' नामक सामुदायिक संगठन ने कहा कि मंगलवार के चुनाव परिणामों ने यह साबित किया है कि चाहे वह सिटी काउंसिल हो, मेयर का पद या कोई राज्य स्तरीय पद, दक्षिण एशियाई-अमेरिकी अब इस देश के राजनीतिक भविष्य का हिस्सा हैं।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान गिराए गए थे 8 विमान : ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के दौरान आठ विमान मार गिराए गए थे। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये विमान किस देश के थे।

ट्रंप ने बुधवार को फ्लोरिडा के मियामी में 'अमेरिका बिजनेस फोरम' को संबोधित करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान मार गिराए गए विमानों की संख्या सात के बजाय आठ बताई। अब तक वह कहते रहे हैं कि संघर्ष के दौरान सात विमान मार गिराए गए थे। ट्रंप ने कहा कि आठ महीनों में उन्होंने कोसोवो और सर्बिया तथा कांगो और रवांडा सहित आठ युद्धों को समाप्त कर दिया, जो लंबे समय से जारी थे। ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान वाशिंगटन की मध्यस्थता में देर रात तक चली बातचीत के बाद पूर्ण और तत्काल संघर्षविराम पर सहमत हो गए हैं। इसके बाद से वह 60 से अधिक बार यह दावा दोहरा चुके हैं।

फिलीपींस में तूफान से 241 की मौत, देश में आपातकाल

लिलोन में पति, तीन बच्चों और माता-पिता के लापता होने के बाद बिलखती एक महिला।

मनीला, एजेंसी

- अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुईं ज्यादातर मौत, 127 लोग लापता

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने तूफान कालमेगी के कारण देश के मध्य प्रांतों में 241 से ज्यादा लोगों की मौत होने और कई के लापता होने के बाद बृहस्पतिवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। फिलीपींस में इस साल आई यह सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा है।

तूफान कालमेगी के कारण ज्यादातर लोगों की मौत अचानक आई बाढ़ में डूबने से हुई, जबकि 127 लोग लापता बताए गए हैं। इनमें से अधिकतर मध्य प्रांत सेबू के निवासी हैं। यही प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। यह उष्णकटिबंधीय चक्रवात बुधवार को द्वीपसमूह से गुजरने के बाद दक्षिण चीन सागर की ओर बढ़ गया। तूफान के प्रकोप से लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए, जबकि 5.6 लाख से अधिक ग्रामीण विस्थापित हो गए, इनमें से लगभग 4.5 लाख लोगों को आपातकालीन आश्रयों में शरण लेनी पड़ी।

यूक्रेन ने रूस की प्रमुख रिफाइनरी पर किया ड्रोन हमला

कीव। यूक्रेन के जनरल स्टाफ ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उसने लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम ड्रोन से रूस के वोल्गोग्राद क्षेत्र स्थित प्रमुख तेल शोधन संयंत्र (रिफाइनरी) को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के मुताबिक, तीन महीने में इस तेल शोधन संयंत्र पर यह उसका दूसरा हमला है। रूस ने हमले की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, स्थानीय गवर्नर ने कहा कि ड्रोन हमले से क्षेत्र में एक औद्योगिक संयंत्र में आग लग गई। यूक्रेन के अफसरों ने कहा कि हमला बुधवार को किया गया था। यह तेल शोधन कारखाना रूस के दक्षिणी संघीय जिले में ईंधन और लुब्रिकेंट का सबसे बड़ा उत्पादक है। कारखाने से सालाना 1.5 करोड़ टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण होता है, जो रूस की कुल शोधन क्षमता का लगभग 5.6 प्रतिशत है।

बांग्लादेश: जबरन गायब करने के दोषियों को मिलेगी मौत की सजा

ढाका, एजेंसी

- अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना पर शिकंजा और कसने की मंशा

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने बृहस्पतिवार को एक मसौदा अध्यादेश को मंजूरी दी, जिसमें 'जबरन गायब किए जाने' जैसे अपराध के दोषियों को मौत की सजा का प्रावधान किया गया है। अध्यादेश ऐसे समय आया है जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 15 सेवारत सैन्य अधिकारियों के खिलाफ मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर मुकदमा चल रहा है।

अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने मसौदे को मंजूरी दिए जाने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह कानून 'तथाकथित अयनाघर' जैसे गुप्त निरुद्ध केंद्रों की स्थापना को अपराध बनाता है और अदालतों को आरोप दायर होने के 120 दिनों के भीतर मुकदमा चलाने के लिए बाध्य करता है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन की स्वीकृति के बाद यह अध्यादेश संभवतः 15 सैन्य अफसरों, हसीना और अपदस्थ सरकार में उनके कई सहयोगियों पर लागू किया जाएगा, इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख भी शामिल हैं।

हाफिज के संगठन के कार्यालय पहुंचे पाकिस्तान के मंत्री

लाहौर। पाकिस्तान के एक मंत्री ने बृहस्पतिवार को पंजाब में हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा के राजनीतिक चेहरे पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के कार्यालय का दौरा किया और उसके नेताओं से मुलाकात की।

राज्य मंत्री सीनेटर तलाल चौधरी लाहौर से 130 किमी दूर फैसलाबाद स्थित लीग हाउस गए, जहां लीग के नेताओं ने उनका स्वागत किया। उनके दौरे को सईद के राजनीतिक संगठन को शहबाज सरकार द्वारा आधिकारिक संरक्षण के रूप में देखा जा रहा है।

अमेरिकी टैरिफ से संकट में भारतीय समुद्री खाद्य उद्योग

कोच्चि, एजेंसी

- टैरिफ लगने के बाद छह फीसदी कम हुआ कारोबार
- भारतीय निर्यातकों ने किया नए बाजारों का रुख

अमेरिका के नए टैरिफ के बाद भारत का समुद्री खाद्य (सीफूड) निर्यात क्षेत्र गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस झटके ने उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं को मूल्य संवर्धन, तकनीकी नवाचार और बाजार विविधीकरण की दिशा में प्रयास करने के लिए प्रेरित किया है ताकि देश की निर्यात आय को बचाया जा सके।

ये मुद्दे कोच्चि स्थित सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट में आयोजित चौथे 'इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन मरीन इकोसिस्टम्स' नाम से हुई संगोष्ठी में प्रमुख रूप से उभरे। इसमें 'मरीन प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी' के चेयरमैन डॉ. राम मोहन ने बताया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के बीच अमेरिका को भारत का सीफूड निर्यात लगभग छह फीसदी कम हुआ है। लेकिन चीन, वियतनाम और थाईलैंड जैसे एशियाई बाजारों में निर्यात में तेज़ वृद्धि देखी गई है। यह इस बात का संकेत है कि भारतीय निर्यातक नए बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं।

वैश्विक बाजार में जगह बनाएं

विशेष एक्वाकल्चर जोन घोषित करने और मुक्त व्यापार समझौता तेजी से आगे बढ़ाने की मांग की गई ताकि वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति सुधारी जा सके। सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधि एजे थरकन ने कहा कि अमेरिका अब तक भारतीय झींगा का सबसे बड़ा बाजार रहा है लेकिन नए टैरिफ ने व्यापार को प्रभावित किया है।

तकनीक आधारित स्टार्ट अप और नवाचार को बढ़ावा दे भारत

सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. जॉर्ज निनन ने कहा कि समय आ गया है कि भारत सीफूड सेक्टर में तकनीक आधारित स्टार्टअप्स और नवाचार को बढ़ावा दे। उन्होंने शोधकर्ताओं, उद्योग और नीति निर्माताओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत पर बल दिया ताकि वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रह सकें। इस पर भी जोर दिया गया कि भारत को अब सिर्फ कच्चा समुद्री माल भेजने की बजाय रीप्रोसेसिंग और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स जैसे ब्रेडेड स्क्विड रिंग्स (ब्रेड से बनने वाले फिश पकौड़े), सुरिमी आइटम्स (फिश केक, फिश बॉल्स जैसी चीजें), रेडी-टू-ईट फिश फिलेट्स पर ध्यान देना चाहिए। वर्तमान में भारत का वैल्यू-एडेड सीफूड निर्यात 74.2 करोड़ डॉलर का है। यह चीन, वियतनाम, थाईलैंड, इक्वाडोर और इंडोनेशिया जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है।

कैमरून : 92 वर्षीय पॉल बिया ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली

याओंडे। कैमरून के नेता 92 वर्षीय पॉल बिया ने पिछले महीने हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बृहस्पतिवार को सात साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से शपथ ली।

इस चुनाव को उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी ने संवैधानिक तख्तापलट बताया है। संसद में विश्व के सबसे बुजुर्ग राष्ट्रपति ने कैमरूनवासियों के विश्वास के प्रति वफादार रहने का वादा किया तथा एक एकजुट, स्थिर और समृद्ध देश के लिए कार्य करने की शपथ ली। कैमरून की शीर्ष अदालत ने 27 अक्टूबर को बिया को 53.66 प्रतिशत मतों के साथ चुनाव में विजेता घोषित किया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 7 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 11.05 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

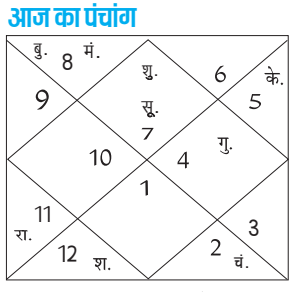

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 8 नवंबर 00.23 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज दोपहर के बाद स्थितियों में सुधार आएगा, किंतु बिना पढ़े व गंभीर विश्लेषण के किसी डील पर निर्णय न लें। नौकरीपेशा लोगों को अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर कुछ लापरवाह हो सकते हैं।

वृष आज का दिन काफी अच्छा रहेगा। अपने किसी शौक को करियर के रूप में चुन सकते हैं। बड़े आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल है। वैवाहिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज व्यापार में स्थितियां उलझती हुई प्रतीत होंगी। परिवार में धन को लेकर समस्या हो सकती है। घर के किसी सदस्य की अस्वस्थता आपको परेशान कर सकती है। समय के अनुसार अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने का प्रयास करें।

कर्क आज अधिक आदर्शवादी होने से भी नुकसान होने की संभावना है। किसी के भी सामने अपनी प्रशंसा स्वयं अपने मुख से न करें। आपकी व्यवहार कुशलता की सर्वत्र प्रशंसा होगी। एक साथ दो मामलों को निपटाना पड़ सकता है।

सिंह आज होटल कारोबारियों को कुछ तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। करियर को लेकर अत्यंत गंभीर रहेंगे। सहकर्मी आपकी अत्यधिक सहायता करेंगे।

कन्या आज आपके व्यवहार में आए परिवर्तन के कारण लोग अचरज में आ सकते हैं। स्फूर्ति और सकारात्मक ऊर्जा के लिए व्यायाम अवश्य करें। आपके काम धीमी गति से पूरे होंगे। अपनी गलती का ठीकरा दूसरों पर न फोड़ें।

तुला आज नए कार्यों में धन निवेश की योजना बनाएंगे। कारोबारी यात्राओं के लिए दिन शुभ नहीं है। घर में बिजली के उपकरण खराब हो सकते हैं। ऐसे मुद्दों से दूर रहें, जिनके विषय में आपके पास कम जानकारी है।

वृश्चिक आज दिन शांतिपूर्वक और बिना तनाव के रहने वाला है। मीडिया से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। आपके सभी कार्य समय पर हो जाएंगे। विवाहित जोड़े किसी रोमांटिक टूर के लिए जा सकते हैं। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं।

धनु आज व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी। परिवार में किसी उत्सव को लेकर असमंजस हो सकती है। अविवाहितों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। दैनिक वेतनभोगियों की अटकी हुई पेमेंट वापस मिल सकती है।

मकर आज आपको हाल में ही शुरू किए गए कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे। समय का सदुपयोग करें। घर का वातावरण काफी अच्छा रहेगा। किसी भी काम को कल पर न टालें। संतान के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कुंभ आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। दिखावे में धन खर्च होगा। कानूनी मामलों को लेकर सावधान रहें। कारोबारियों की आय में कमी होने की संभावना है। आप दूसरों के झगड़ों को सुलझाने में सफल रहेंगे।

मीन आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आने के योग बन रहे हैं। लोग आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने वाली है। मन में नए और क्रिएटिव विचार उत्पन्न हो सकते हैं।

सुडोकू - 153

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2				
		4	5					6
2			8					
	1			6			2	
	9						1	
	5			3				
5					2	8		
3					1	9		
6			3					4

सुडोकू - 152 का हल

6	7	1	4	8	5	2	3	9
8	2	4	9	1	3	6	5	7
9	5	3	2	6	7	8	1	4
5	4	6	3	7	8	1	9	2
7	1	9	5	2	6	3	4	8
3	8	2	1	9	4	5	7	6
2	9	7	8	5	1	4	6	3
1	3	8	6	4	9	7	2	5
4	6	5	7	3	2	9	8	1

मुझे खुद से ज्यादा हनुमान जी पर विश्वास है। जब भी मैं किसी मुश्किल स्थिति में होती हूं तो मैं उनका नाम लेती हूं और मुझे लगता है कि मैं उससे उबर सकती हूं। मुझे उन पर बहुत भरोसा है। मैंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जय श्री राम लिखा है।

-दीप्ति शर्मा

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 7 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप ट्रॉफी दौरा आज से

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप ट्रॉफी शुक्रवार से शुरू होने वाले देशव्यापी दौरे के दौरान भारत के 20 शहरों का दौरा करेगी। यह दौरा शुक्रवार को हॉकी इंडिया शताब्दी समारोह के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया, तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, एफआईएच अध्यक्ष दातो तैयब इकराम, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे मनोहरन की उपस्थिति में आधिकारिक तौर पर शुरू होगा। इन 20 शहरों में चंडीगढ़, अमृतसर, लखनऊ, जम्मू, पुणे और हैदराबाद भी शामिल हैं।

आरसीबी ने रंगराजन को महिला टीम का कोच नियुक्त किया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गुरुवार को तमिलनाडु के पूर्व स्पिनर मालोलन रंगराजन को अगले साल होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे सत्र से पहले अपनी महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया। रंगराजन ल्यूक विलियम्स की जगह लेंगे, जिन्हें 2024 में मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। आरसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया पिछले छह वर्षों से विभिन्न भूमिकाओं में आरसीबी के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे मालोलन रंगराजन को अब आगामी डब्ल्यूपीएल के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया गया है।

इंटर मिलान का विजय अभियान जारी बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

मिलान। इंटर मिलान ने कजाकिस्तान के क्लब कैरात को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा, लेकिन बार्सिलोना को क्लब ब्रुग ने ड्रॉ पर रोक दिया। जबकि एर्लिंग हालैंड ने गोल करने का क्रम जारी रखा जिससे मैनचेस्टर सिटी ने बोरूसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से जीत हासिल की। पिछले वर्ष की उपविजेता इंटर के लिए लुटारो मार्टिनेज और कार्लोस ऑगस्टो ने प्रत्येक हाफ में एक गोल किया, जिससे वह इस प्रतियोगिता में बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के साथ चार मैचों में चार जीत हासिल करने वाली तीसरी टीम बन गई है। बार्सिलोना ने क्लब ब्रुग के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ रहे मैच में तीन बार पिछड़ने के बाद वापसी की। बेल्जियम में खेले गए इस मैच में बार्सिलोना को वापसी दिलाने में लामिन यामल का अहम योगदान रहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व कप्तान हरमनप्रीत कौर विश्व कप ट्रॉफी के साथ। एजेंसी

आप से युवा पीढ़ी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होगी : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात की। जिसमें कप्तान हरमनप्रीत कौर ने उन्हें सभी खिलाड़ियों के हस्ताक्षर वाली टीम जर्सी भेंट की।

राष्ट्रपति मुर्मू ने टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी और कहा कि खिलाड़ियों ने सिर्फ इतिहास ही नहीं रचा है बल्कि वे युवा पीढ़ी के लिए आदर्श भी बन गई हैं। राष्ट्रपति के कार्यालय से जारी एक बयान में उनके हवाले से कहा गया कि युवा पीढ़ी विशेषकर लड़कियां इस उपलब्धि से जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगी। मुर्मू ने भविष्य में भी इस टीम के भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर रखने का भरोसा जताया और खिलाड़ियों के क्रिकेट सफर में आई मुश्किलों पर कहा कभी-कभी तो खिलाड़ियों को नींद भी नहीं आई होगी। लेकिन उन्होंने सभी चुनौतियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड पर जीत के बाद लोगों को पूरा भरोसा था कि मैच में उतार-चढ़ाव के बावजूद हमारी बेटियां ही जीतेंगी।मुर्मू ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता में उनकी कड़ी मेहनत, कौशल, पक्के इरादे और उनके परिवारों के अलावा क्रिकेट प्रेमियों के प्यार और आशीर्वाद का हाथ रहा। राष्ट्रपति ने टीम की हर सदस्य को बधाई दी। उन्होंने कहा देश और विदेश में लाखों भारतीय इस जीत का जश्न मना रहे हैं। संयोजन में भी भारत की छवि दिखी क्योंकि सभी खिलाड़ी अलग इलाकों और अलग पृष्ठभूमि से आती है। खिलाड़ी अलग-अलग इलाकों, अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमि और अलग-अलग परिस्थितियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। पर वे एक टीम हैं 'इंडिया'। यह टीम भारत को सबसे अच्छी तरह प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि सात बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर भारतीय टीम ने देशवासियों का अपनी काबिलियत पर भरोसा और मजबूत किया।

राष्ट्रपति भवन में मौजूद विश्व कप विजेता महिला क्रिकेट टीम व अन्य स्टाफ। एजेंसी

- भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर अपने हस्ताक्षर वाली जर्सी भेंट की

भारत को टी-20 सीरीज में 2-1 से बढ़त

अक्षर, शिवम व वाशिंगटन ने की शानदार गेंदबाजी, चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया 48 रनों से परास्त

कैरारा (गोल्ड कोस्ट), एजेंसी

- भारत के 168 रनों का पीछा करते हुए आस्ट्रेलियाई टीम 119 रनों पर सिमटी

अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी से भारत ने बृहस्पतिवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रनों से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 की बढ़त बनाई। भारत के 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की टीम वाशिंगटन सुंदर (तीन रन पर तीन विकेट), अक्षर पटेल (20 रन पर दो विकेट) और शिवम दुबे (20 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान मिचेल मार्श (30) ही 30 रन के आंकड़े को छू पाए। नाथन एलिस (21 रन पर तीन विकेट) और एडम जंपा (45 रन पर तीन विकेट) ने इससे पहले अंतिम ओवरों में भारत को लगातार झटके दिए जिससे एक समय दो विकेट पर 121 रन बनाकर अच्छी स्थिति में दिख रही मेहमान टीम आठ विकेट पर 167 रन ही बना सकी। भारत की तरफ से सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 39 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 46 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अभिषेक शर्मा (28), शिवम दुबे (22) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (20) अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे। अक्षर ने अंत में 11 गेंद में नाबाद 21 रन बनाकर भारत का स्कोर 160 रन के पार पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव में रखा। मैथ्यू शॉर्ट (25) ने अर्शदीप सिंह (22 रन पर एक विकेट) पर चौके के साथ खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में भी छक्का और चौका मार। मार्श ने भी जसप्रीत बुमराह (27 रन पर एक विकेट) और अर्शदीप पर चौके मारे। अक्षर ने शॉर्ट को पगबाधा करके इस साझेदारी को तोड़ा।

मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट नहीं दिया था लेकिन डीआरएस लेने पर उन्हें अपना फैसला बदलना पड़ा क्योंकि गेंद विकेटों से टकरा रही थी। जोश इंग्लिस (12) ने आते ही बुमराह पर दो चौके मारे जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पावर प्ले में एक विकेट पर 48 रन बनाए। मार्श 21 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब वरुण चक्रवर्ती (26 रन पर एक विकेट) की गेंद पर लांग ऑफ पर अभिषेक ने उनका मुश्किल कैच टपका दिया।

वाशिंगटन सुंदर को बधाई देते कप्तान सूर्यकुमार यादव। एजेंसी

अक्षर ने इंग्लिस को बोल्ड किया जबकि मार्श भी दुबे की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में अर्शदीप को कैच दे बैठे जिससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 70 रन हो गया। पिछले मैच में अर्धशतक जड़ने वाले टिम डेविड (14) ने दुबे पर लंबा छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद को हवा में लहराकर मिड ऑफ पर सूर्यकुमार के हाथों लपके गए। अर्शदीप ने जोश फिलिप (10) को शॉर्ट मिडविकेट पर चक्रवर्ती के हाथों कैच कराके ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया। ग्लेन मैक्सवेल (02) ने एक रन के साथ 15वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए। ऑस्ट्रेलिया को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 65 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने 17वें ओवर में श्रृंखला में पहली बार गेंद वाशिंगटन को थमाई और उन्होंने लगातार गेंदों पर मार्कस स्टोइनिस (17) और जेवियर बार्टलेट (00) को आउट करने के बाद अपने अगले ओवर में जंपा (00) को गिल के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की।

हालात के अनुकूल ढलना जीत की कुंजी : सूर्यकुमार

कैरारा : भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आस्ट्रेलिया पर चौथे टी20 मैच में 48 रन से मिली जीत के लिये बल्ले और गेंद से अपने खिलाड़ियों के चतुराई भरे खेल को श्रेय दिया। भारत ने 167 रन बनाने के बावजूद जीत दर्ज करके पांच मैचों की श्रृंखला में 2.1 से बढत बना ली है। सूर्यकुमार ने जीत के बाद कहा मुझे लगता है कि बल्लेबाजों को इसका श्रेय जाना चाहिए। शुभमन और अभिषेक ने जिस तरह से शुरुआत की, उन्हें पता था कि यह 200 या 220 रन वाला विकेट नहीं है। उन्होंने चतुराई से खेला। बल्लेबाजों की तरफ से यह पूरा टीम प्रयास था।

भारत विश्व स्तरीय टीम है : मार्श

आस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने कहा 167 का स्कोर बुरा नहीं था। हम फिनिश लाइन तक नहीं जा सके। भारतीय टीम को इसका पूरा श्रेय जाता है जो विश्व स्तरीय टीम है। एशेज श्रृंखला को देखते हुए आस्ट्रेलिया ने टीम में काफी बदलाव किए थे। प्रमुख खिलाड़ी टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच छोड़कर इंग्लैंड के खिलाफ एशेज की तैयारी में लग गए।

भारत

167/8 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा का डेविड बो जंपा	28
शुभमन गिल बो एलिस	46
शिवम दुबे बो एलिस	22
सूर्यकुमार का डेविड बो बार्टलेट	20
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो जंपा	05
जितेश शर्मा पगबाधा बो जंपा	03
वाशिंगटन का कुनहेमन बो एलिस	12
अक्षर पटेल नाबाद	21
अर्शदीप का फिलिप बो स्टोइनिस	00
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	01

गेंदबाजी : इवारशुइस 4-0-31-0, बार्टलेट 4-0-26-1, एलिस 4-0-21-3, स्टोइनिस 4-0-41-1, जंपा 4-0-45-3

ऑस्ट्रेलिया

119/10 (18.2 ओवर)

मिचेल मार्श का अर्शदीप बो दुबे	30
मैथ्यू शॉर्ट पगबाधा बो अक्षर	25
जोश इंग्लिस बो अक्षर	12
टिम डेविड का सूर्यकुमार बो दुबे	14
फिलिप का चक्रवर्ती बो अर्शदीप	10
स्टोइनिस पगबाधा बो वाशिंगटन	17
ग्लेन मैक्सवेल बो चक्रवर्ती	02
बेन इवारशुइस बो बुमराह	05
बार्टलेट का एवं बो वाशिंगटन	00
नाथन एलिस नाबाद	02
एडम जंपा का गिल बो वाशिंगटन	00

गेंदबाजी : अर्शदीप 3-0-22-1, बुमराह 4-0-27-1, चक्रवर्ती 4-0-26-1, अक्षर 4-0-20-2, दुबे 2-0-20-2, वाशिंगटन 1.2-0-3-3

टी-20 विश्व कप का फाइनल होगा अहमदाबाद में

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के आयोजन स्थलों की सूची में अहमदाबाद, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और मुंबई को जगह दी है। फाइनल अहमदाबाद में खेला जाएगा। एकदिवसीय विश्व कप 2023 का भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल भी अहमदाबाद में खेला गया था जो एक लाख से अधिक दर्शकों की क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। विश्व कप 2023 भारत में 10 स्थलों पर खेला गया था। बेंगलुरु का नाम अंतिम रूप से चयनित स्थलों की सूची में नहीं है।

आईसीसी फरवरी-मार्च में होने वाली इस प्रतियोगिता का पूर्ण कार्यक्रम अगले हफ्ते घोषित करेगा। टूर्नामेंट के सात फरवरी को शुरू होने की संभावना है जबकि फाइनल आठ मार्च को हो सकता है। टी20 विश्व कप का श्रीलंका सह मेजबान होगा जो भारत के साथ इंतजाम के तहत पाकिस्तान के लिए तटस्थ स्थल होगा। श्रीलंका में कैंडी और कोलंबो सहित तीन स्थलों पर मुकाबलों का आयोजन होगा। भारत स्वदेश में होने वाले विश्व कप में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। टीम ने पिछले साल जून में बारबडोस में पिछले टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। पाकिस्तान अगर फाइनल में पहुंचता है तो खिताबी मुकाबला श्रीलंका में होगा।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाए 255 रन

शतक लगाने के बाद जश्न मनाते ध्रुव जुरेल। एजेंसी

बेंगलुरु, एजेंसी

- दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच का पहला दिन

ध्रुव जुरेल के शानदार शतक की मदद से भारत ए ने शीर्षक्रम की नाकामी से उबरते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के पहले दिन बृहस्पतिवार को 255 रन बनाए।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर भारत ए ने सात विकेट 126 रन पर गंवा दिए थे, लेकिन जुरेल (नाबाद 132) और कुलदीप यादव (20) ने आठवें विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी की। जुरेल ने 175 गेंदों में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 126 रन की पारी खेली जबकि कुलदीप ने अपनी पारी में 87 गेंदों का सामना किया। जुरेल ने आफ स्पिनर प्रेनेलान सुब्रायेन को लांग आन पर शानदार छक्का जड़ा। इसके बाद इसी गेंदबाज को स्लॉग स्वीप पर छक्का लगाया। उन्होंने वान वूरेन की गेंद पर एक रन लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में चौथा शतक पूरा किया। पिछली सात पारियों में यह उनका तीसरा शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ लखनऊ में और वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में शतक बनाया था।

27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में स्वर्ण पदक विजेता उत्तर प्रदेश की महिला यूथ खिलाड़ी।

उप्र ने इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण

बरेली : नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की ओर से चेन्नई में आयोजित 27वीं अखिल भारतीय कुमार सुरेंद्र सिंह इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप-2025 में उत्तर प्रदेश की महिला यूथ टीम ने स्वर्ण पदक जीत लिया। प्रतियोगिता का आयोजन 27 अक्टूबर से 4 नवंबर तक किया गया था। इसमें देशभर के युवा निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ लखनऊ ने इस जीत को राज्य में निशानेबाजी के बढ़ते स्तर और युवा एथलीटों के समर्पण को बताया है। ये जानकारी टीम मैनेजर विशाल विश्वकर्मा ने दी।

प्रमुख उपलब्धियां

(एस006.177 पीप साइट एयर राइफल (एनआर) यूथ वीमेन) : उत्तर प्रदेश की टीम ने कुल 1166.0-0x के प्रभावशाली स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। टीम के व्यक्तिगत स्कोर इस प्रकार रहे : वृंदा महाजन : 393.0-0x, देवीना गर्ग : 387.0-0x, ईशानवी केसरवानी : 386.0-0x

फिडे शतरंज विश्व कप में विदित तीसरे दौर में, निहाल सरीन बाहर

पणजी (गोवा), एजेंसी

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने बृहस्पतिवार को यहां फिडे शतरंज विश्व कप के दूसरे दौर में अर्जेंटीना के 12 वर्षीय ओरो फॉस्टिनो पर जीत दर्ज की जबकि निहाल सरीन यूनान के ग्रैंडमास्टर कौरकोलोस-आर्डिटिस स्टेमैटिस से हारकर बाहर हो गए।

केरल के ग्रैंडमास्टर निहाल को इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी, लेकिन स्टेमैटिस ने लगातार उन पर दबाव बनाया जिससे इस भारतीय ने कई मौके मिलने के बावजूद बाजी गंवा दी।

भारत को दिन में दूसरा सबसे बड़ा झटका अरविंद चितम्बरम के हारने से मिला जो हमवतन के वेंकटरमनन से पराजित हो गए।

ग्रैंडमास्टर गुजराती ने कुछ मुश्किलों के बाद अंतिम 64 चरण में जगह बनाई। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फॉस्टिनो के खिलाफ पहला गेम ड्रॉ कराया जबकि दूसरे में जीत दर्ज की।

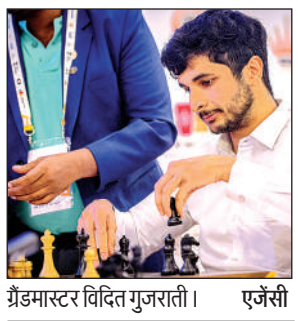

ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती। एजेंसी

नाराज नेपोमनियाच्ची ने होटल से चेकआउट किया

पणजी (गोवा) : रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाच्ची ने बृहस्पतिवार को फिडे विश्व कप से बाहर होने के तुरंत बाद अपने होटल से चेकआउट किया और यहां टूर्नामेंट की परिस्थितियों पर असंतोष व्यक्त करके विवाद खड़ा कर दिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिप्तायन घोष से 0.5-1.5 से हारकर इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से बाहर होने के तुरंत बाद दो बार के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर नेपोमनियाच्ची ने हार के एक घंटे के भीतर ही अपने होटल से चेकआउट कर दिया। यह पांच वर्षों में पहली बार है जब मौजूदा विश्व ब्लिट्ज़ चैंपियन नेपोमनियाच्ची कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से बाहर होंगे।

गर्व की बात | पहले लड़कों की टीम में खेलती थीं, छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्कालीन सचिव ने बदल दी जिंदगी

जो लोग ताना कसते थे, वही आज प्रशंसा कर रहे : क्रांति

नई दिल्ली, एजेंसी

लड़कों की टीम में एक खिलाड़ी कम पड़ गया और ऐसे में उनके पास कोई विकल्प नहीं था और उन्होंने आखिर उसे अपनी टीम में शामिल कर दिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ का क्रिकेट में यह पहला कदम था। इससे पहले वह मध्य प्रदेश के अपने गांव धुवारा में दूर से ही लड़कों को खेलते हुए देखती थी और कभी कभार जब गेंद उनके दरवाजे पर पहुंच जाती तो उसे वापस लड़कों के पास फेंक देती थी।

गौड़ ने गुरुवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात से ठीक पहले पीटीआई वीडियो से कहा मुझे तो यह भी नहीं पता था कि महिला क्रिकेट टीम भी है। यहीं से क्रिकेट में मेरा सफर शुरू हुआ था। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने हाल में समाप्त हुए महिला वनडे विश्व कप में में 18.55 की औसत से नौ विकेट लिए जिसमें पाकिस्तान के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेना भी शामिल था।

उन्होंने कहा मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप था और अब हम विश्व चैंपियन हैं। यह मेरे, मेरे परिवार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है। क्रांति की कहानी स्टेडियम की दूधिया रोशनी और कैमरों से कहीं दूर शुरू हुई। वह ज्यादातर दूर से ही कुछ लड़कों को खेलते हुए देखती थी और जब भी गेंद उसके दरवाजे पर आती, तो वह उसे वापस फेंक देती थी। एक दिन अचानक उन्हें तब अंतिम एकादश में जगह मिल गई, जब लड़कों को एक खिलाड़ी की जरूरत थी। क्रांति ने कहा मेरे घर के आगे एक मैदान था जिस पर लड़के खेला करते थे और मैं दूर से ही उन्हें खेलते हुए देखती थी। जब मैंने उनके साथ खेलना शुरू किया, तो वे मुझे सिर्फ एक क्षेत्ररक्षक के तौर पर खिलाते थे, लेकिन धीरे-धीरे मैंने भी खेलना सीख लिया।

उन्होंने राजीव बिल्थरे का जिक्र करते हुए कहा तब मैंने एक लेदर बॉल टूर्नामेंट खेला और राजीव सर से मिली। राजीव बिल्थरे छतरपुर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भी थे और उन्हें क्रांति की गेंद की रफ्तार काफी प्रभावशाली लगी थी। उन्होंने कहा उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट भी खेलना चाहती हूं। मुझे नहीं पता था कि लड़कियों की अंतर्राष्ट्रीय टीम भी है और फिर वह मुझे अपनी अकादमी में ले गए।

मेरे छोटे से गांव में लड़कियों को खेलने की नहीं थी इजाजत

क्रांति ने कहा मैं एक छोटे से गांव से हूं, इसलिए वहां लड़कियों को खेलने की इजाजत नहीं थी। मेरे परिवार से कहा जाता था कि तुम उसे लड़कों के साथ क्यों खेलने देते हो। तब मैंने सोचा कि एक दिन मैं अपने प्रदर्शन पर सबको तालियां बजाने पर मजबूर कर दूंगी। उन्होंने कहा और जो लोग मुझे और मेरे परिवार को ताना मारते थे, वे अब हमारी सराहना कर रहे हैं। अब महिला टीम भी बेहतर हो रही है और विश्व कप जीतने के बाद यह बहुत आगे जाएगी।